पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट
गुरुवार 09 अक्टूबर 2025
कार्तिक कृष्ण 03 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 18
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	81,790.12
निफ्टी	25,077.65
सोना	1,20,770
चांदी	1,56,000
डॉलर	88.70

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

कंगना रनोट मामले में 16 को सुनवाई

आगरा। आगरा कोर्ट में कंगना रनोट मामले में दोनों पक्षों की बहस बुधवार को फिर से टल गई। दरअसल, कंगना की वकील कोर्ट नहीं पहुंची। अब जज ने 16 अक्टूबर को सुनवाई की तारीख लगाई है। उम्मीद है कि बहस के बाद फैसला सुना दिया जाएगा। हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनोट के खिलाफ किसानों के अपमान और राष्ट्रद्रोह का वाद दायर है। उन पर राष्ट्रद्रोह का केस दर्ज करने की मांग की गई है। इस मामले में आगरा में स्पेशल जज एमपी-एमएलए लोकेश कुमार की कोर्ट में इसकी सुनवाई हो रही है। बता दें कि वकील रमाशंकर शर्मा ने 11 सितंबर 2024 को कंगना रनोट के खिलाफ अदालत में राष्ट्रद्रोह का आरोप लगाकर वाद दायर किया था। आरोप लगाया था कि कंगना ने 26 अगस्त 2024 को एक इंटरव्यू में किसानों के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की थी। जिससे उनकी और लाखों किसानों की भावनाओं को ठेस पहुंची है।

शाहरुख खान के प्रोडक्शन हाउस को समन

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट में आईआरएस अधिकारी समीर वानखेड़े की मानहानि की याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई, जिसके बाद दिल्ली हाईकोर्ट ने नेटफ्लिक्स और शाहरुख खान के प्रोडक्शन हाउस रेड चिल्लीज एंटरटेनमेंट को समन किया है। आरोप है कि सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड द्वारा समीर वानखेड़े की छवि खराब की गई है। इस सीरीज को रेड चिल्लीज द्वारा प्रोड्यूस किया गया, जिसे नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया गया है। दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा जारी किए गए समन में लिखा गया है कि प्रोडक्शन हाउस और नेटफ्लिक्स को 7 दिनों में मामले पर जवाब देना होगा। इस मामले की सुनवाई 30 अक्टूबर को होगी। समीर वानखेड़े का आरोप है कि शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की डायरेक्टोरियल डेब्यू सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड में उनसे मिलता-जुलता किरदार दिखाया गया, जिससे उनकी छवि बिगाड़ी गई और मानहानि हुई। उन्हें और उनके परिवार को लगातार ट्रोल किया जा रहा है।

सहारा को हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत

लखनऊ। सहारा को हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच से राहत नहीं मिली है। सहारा समूह ने 7 अक्टूबर को लखनऊ नगर निगम की सहारा शहर में की जा रही कार्रवाई को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा और न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय की पीठ ने 8 अक्टूबर को याचिका पर सुनवाई की। न्यायालय ने याचिका पर विचार करते हुए राज्य सरकार और नगर निगम से जवाब-तलब किया। सहारा शहर के भीतर मौजूद मवेशियों को कान्हा उपवन ले जाने का भी आदेश दिया।

‘कार्यवाहक पीएम’ जैसा बर्ताव कर रहे शाह, मोदी सतर्क रहें; भाजपा ने बंगाल पर पूछे सवाल

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी दल- तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी पार्टी भाजपा के बीच जमकर आरोप-प्रत्यारोप हो रहे हैं। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीते दिनों भाजपा सांसद पर हुए हमले को लेकर गंभीर टिप्पणी कर चुके हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस पर करारा पलटवार भी किया था। अब ताजा घटनाक्रम में सीएम ममता बनर्जी ने पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को लेकर टिप्पणी की है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की हरकतें और उनका व्यवहार 'कार्यवाहक प्रधानमंत्री' जैसा है।

“शाह एक दिन मोदी के मीर जाफर बनेंगे। चुनाव आयोग जो कुछ भी कर रहा है, वह अमित शाह के इशारे पर कर रहा है। दुख की बात है कि प्रधानमंत्री को यह सब पता है।

ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, प. बंगाल

ममता बनर्जी बोलीं- शाह एक दिन मीर जाफर...

बाढ़ से तबाह उत्तरी बंगाल से लौटने के बाद कोलकाता हवाई अड्डे के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, 'मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह करना चाहती हूं कि वे शाह पर अधिक भरोसा न करें, जो 'एक दिन उनके लिए मीर जाफर' जैसे बन सकते हैं।' बता दें कि 18वीं सदी में तत्कालीन बंगाल के सेनापति जाफर ने पलासी के युद्ध में नवाब सिराजुद्दौला को धोखा दिया था और बाद में अंग्रेजों की मदद से राजा बने थे।

प्रधानमंत्री भी शाह के सभी कार्यों से वाकिफ हैं

केंद्र सरकार और देश की शीर्ष सांविधानिक संस्था- निर्वाचन आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लागू करने के नाम पर चुनाव आयोग जो कुछ भी कर रहा है, वह शाह के इशारे पर हो रहा है। अमित शाह कार्यवाहक प्रधानमंत्री की तरह व्यवहार कर रहे हैं। दुर्भाग्य से, प्रधानमंत्री भी उनके सभी कार्यों से वाकिफ हैं। बता दें कि इससे पहले ममता बनर्जी पीएम मोदी पर प्राकृतिक आपदा जैसे संवेदनशील मुद्दे पर सियासत करने के आरोप लगा चुकी हैं।

राष्ट्रपति के खिलाफ टीएमसी विधायक की शर्मनाक टिप्पणी

बकौल पूनावाला, 'विपक्षी गठबंधन का आक्रोश चुनिंदा है। वे आदिवासी समुदायों के बारे में भी केवल उस समय बोलते हैं जब मुद्दा उनके राजनीतिक एजेंडे के अनुकूल हो। विपक्षी गठबंधन वाली सरकारों के अधीन होने वाली घटनाओं पर वे चुप्पी साध लेते हैं।

भाजपा ने बंगाल के हाल पर पूछे तीखे सवाल

बंगाल की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए बुधवार को भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को प्रदेश की कानून व्यवस्था पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी के कार्यकाल में पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा संस्थागत, सामान्य और वैध बन चुकी है। कल्पना कीजिए, कानून-व्यवस्था की क्या स्थिति होगी, जब एक सांसद और एक विधायक भी सुरक्षित नहीं हैं।

तृणमूल कांग्रेस और INDIA में शामिल दलों से भाजपा के सवाल

पूनावाला ने कहा, यह न भूलें कि 6 जनवरी 2024 को, तृणमूल कांग्रेस की भीड़ ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अधिकारियों और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों पर भी हमला किया था। उन्होंने विपक्षी दलों के गठबंधन- इंडिया में शामिल दलों के विचारधारा पर भी सवाल किए।

स्वदेश अपनाओ अभियान से जुड़े शाह....

जोहो मेल पर स्विच किया अपना अंकाऊट

नई दिल्ली। भारत सरकार इन दिनों जोहो नाम की कंपनी को खूब प्रोमोट कर रही है। हाल ही में कई केंद्रिय मंत्रियों ने जोहो के प्रोडक्ट्स की तारीफ कर लोगों से इन्हें इस्तेमाल करने को कह दिया। इतना ही नहीं जोहो का वॉट्सएप राइवल अराताई को भी मोदी सरकार प्रोत्साहित कर रही है। इसी कड़ी में केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने भी एक्स पर एक पोस्ट किया है। पोस्ट में लिखा है कि उन्होंने जोहो मेल पर स्विच किया है। इतना ही नहीं, इस पोस्ट में शाह ने अपनी नई जोहो की ईमेल आईडी भी शेयर की है। पोस्ट की लास्ट लाइन भी बहुत दिलचस्प है। शाह ने लिखा है, मेरी नई ईमेल आईडी अमितशाह.बीजेपी@जोहोमेल.इन है।

आखिरी लाइन में शाह ने लिखा है, थैंकक्यू फार काइनड एटेनेसन आफ दिस मेटर दिलचस्प ये है कि एक्स पर पोस्ट के आखिर में ये लाइन इन दिनों अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप भी खूब इस्तेमाल कर रहे हैं। शाह के पोस्ट के बाद जोहो का रिप्लाई भी आ गया है। जोहो ने रिप्लाई में शाह का शुक्रिया अदा किया है। कंपनी ने लिखा है कि नेशनल नेता का इंडियन इनोवेशन को अपनाना बेहद सखुद पल है।

शाह के पोस्ट के बाद जोहो फाउंडर श्रीधर वेम्बू ने पोस्ट किया है जिसमें केंद्रीय मंत्री शाह को टैग करते हुए उनका शुक्रिया अदा किया है। वेम्बू ने लिखा है कि वे इस पल को उन इंजीनियर्स को डेडिकेट करना चाहते हैं जो पिछले 20 सालों से हार्ड वर्क कर रहे हैं।

गौरतलब है कि जोहो बेंगलुरू बेस्ड प्राइवेट कंपनी है जिसे श्रीधर वेम्बू ने शुरू किया था। इस कंपनी के पास 45 से ज्यादा प्रोडक्ट्स और सर्विसेज हैं। छोटे बिजनसेज के लिए खास तौर पर कंपनी के पास दर्जनों टूल्स मौजूद हैं। जोहो के पास माइक्रोसॉफ्ट और गूगल के टूल्स के राइवल भी हैं। हाल ही में कंपनी का अराताई एप काफी वायरल हो रहा है।

दाऊद इब्राहिम के करीबियों पर ईडी का छापा

मुंबई। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम को मुंबई से विदेश भागे हुए तीन दशक हो गए हैं। लेकिन दाऊद आज भी मुंबई समेत देशभर में विभिन्न लोगों के जरिए काला कारोबार कर रहा है। सूत्रों की मानें तो भारत में उसका आर्थिक कारोबार आज भी जारी है। दाऊद से जुड़े लोग कई अवैध धंधों में शामिल हैं। दाऊद इब्राहिम के करीबी माने जाने वाले कई गुंडे ड्रग रैकेट में भी सक्रिय हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इन्हीं में से एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्कर सलीम डोला के नेटवर्क पर छापेमारी शुरू कर दी है। खबर है कि बुधवार सुबह को ईडी ने अलग-अलग जगहों पर उसकी संपत्तियों पर छापेमारी शुरू कर दी है। ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत मुंबई में आठ जगहों पर छापेमारी की। सलीम डोला के लिए काम करने वाले फैसल जावेद शेख और अल्फिया फैसल शेख के वित्तीय स्रोतों की भी तलाश की जा रही है। ड्रग तस्करी से प्राप्त धन का सर्कुलेशन कैसे होता है, इसकी भी जांच की जा रही है। फैसल जावेद शेख पिछले कुछ दिनों से एमडी ड्रग के लिए सलीम के संपर्क में था। इस संबंध में जानकारी मिलते ही पुलिस ने सादे कपड़ों में लोगों को तैनात किया। फैसल के आदमियों पर कड़ी नजर रखी गई। इसके बाद छापेमारी शुरू की गई। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने भी घोषणा की है कि वह फैसल जावेद शेख के बारे में सटीक जानकारी देने वाले को पुरस्कृत करेगा। इससे पहले, जून 2025 में सलीम डोला के बेटे को दुबई से निर्वासित किया गया था।

बिलासपुर बस दुर्घटना में मरने वालों की संख्या 16 हुई

शिमला। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर के मरोतन से घुमारवीं जा रही 32 सीटर निजी बस पर पहाड़ से भारी भरकम चट्टानों के साथ मलबा गिर गया। हादसे में 16 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि भाई-बहन दो बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। इन्हीं बच्चों के परिवार के चार सदस्यों की हादसे में मौत हुई है। बस में कुल 18 लोग सवार थे। मृतकों में बख्शी राम (भल्लू), नरेंद्र (छत), कृष्णलाल (थापना नरली), रजनीश, चुन्नी (बरड़), सोनू (कच्युत), शरीफ खान (मलांगण), बिमला (देण), आरव, कमलेश, अंजना, नक्श (फगोग), प्रवीण (डोहग), कांता देवी (सियोथा), संजीव (मैड) शामिल है।

पुलिस के अनुसार, मंगलवार शाम 6:30 बजे मरोतन से घुमारवीं जा रही बस पर अचानक पहाड़ी से मलबा गिर गया। हादसे के बाद चीख पुकार मच गई। पीछे से आ रहे गाड़ी चालकों ने इसकी सूचना पुलिस प्रशासन को दी (पुलिस और स्थानीय लोगों ने सबसे पहले मलबे से आरुषि (10) और शौर्य (8) को निकालकर उपचार के लिए बरठीं अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां से उन्हें एम्स बिलासपुर रेफर कर दिया गया है। बस में मरोतन, बरठीं और बीच के स्टेशनों से लोग सवार हुए थे। फगोग गांव की घायल आरुषि (10) और शौर्य (8) की मां कमलेश कुमारी की भी मौत हो गई है। उनके साथ बस में जा रहे दो चचेरे भाई नक्श और आरव और उनकी मां अंजना कुमारी की भी जान चली गई। एक ही परिवार के चार लोगों की मौत से हर कोई सन्न है। अंजना कुमारी और कमलेश कुमारी का मायका गंगलोह थेह गांव में है।

कुत्तों की सहायता से शवों को ढूंढा

अंधेरा और लगातार मिट्टी गिरने से रेस्क्यू कार्य में भारी परेशानी हुई। साढ़े तीन घंटे तक चले राहत कार्य में एनडीआरएफ की टीम ने कुत्तों की सहायता से शवों को ढूंढ निकाला। देर रात तक जेसीबी और अन्य मशीनों की मदद से मलबा हटाने का काम चलता रहा। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर है। उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने लोगों से अपील की है कि जिन व्यक्तियों को लगता है कि उनके परिजन कल से लापता हैं, वे तत्काल हेल्पलाइन नंबर +91 98168 33137 पर संपर्क करें। इसके अतिरिक्त, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के नंबर 01978-224901 और 94594-57061 पर भी जानकारी दी जा सकती है।

आईएमसी 2025 के 9वें एडिशन में बोले पीएम मोदी...

कभी 2जी के लिए जूझता था भारत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली स्थित यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2025 के 9वें एडिशन का उद्घाटन किया। यह एशिया का सबसे बड़ा टेलीकॉम, मीडिया और टेक्नोलॉजी इवेंट है। पीएम ने कार्यक्रम को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि जब मैंने मेक इन इंडिया की बात कही थी तो कुछ लोग इसका मजाक उड़ाते थे। उन्हें जवाब मिल गया है। जो देश कभी 2जी को लेकर स्ट्रगल करता था, आज उसी देश के सभी जिले में 5जी पहुंच गया है। आज भारत में 1जीबी वायरलेस डेटा की कीमत एक कप चाय से भी कम है।

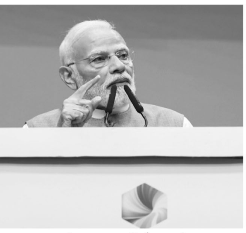

पीएम ने कहा कि भारत ने मेड इन इंडिया 4जी स्टैक लॉन्च किया है। अब भारत उन 5 देशों की लिस्ट में आ गया है, जिनके पास यह क्षमता है। पूरी दुनिया भारत की क्षमता को पहचान रही है। हमारे पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा टेलीकॉम और 5जी मार्केट है। यह भारत में निवेश, नवाचार और निर्माण का सबसे सही समय है।

टेक्नोलॉजी फॉलो करने वाला भारत आज सबसे आगे

क ं द, ी य संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा- आज हमारी दूरसंचार क्रांति चार डी पर आधारित है - डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी, डिजिटल फर्स्ट और डिलीवरी। 2014 में 1जीबी डेटा की कीमत 287 हुआ करती थी। आज उसी 1जीबी डेटा की कीमत केवल 9.11 है। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा- यह सिर्फ दूरसंचार क्रांति नहीं है। यह विकसित भारत की क्रांति है। कौशल हमें शक्ति देता है, सुरक्षा हमें आत्मविश्वास देती है और संप्रभुता हमें आत्मनिर्भर बनाती है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत दुनिया पर निर्भर देश से आत्मनिर्भर भारत में बदल रहा है। केंद्रीय संचार मंत्री ने कहा- आज दुनियाभर के बीस देश भारत के डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) मॉडल को अपनाने के लिए चर्चा कर रहे हैं। दूसरे देशों से टेक्नोलॉजी लेने और फॉलो करने वाला भारत आज विश्व का डिजिटल ध्वजवाहक बन गया है।

सबरीमाला मंदिर से 4.50 किलो सोना गायब

तिरुवनंतपुरम। केरल के सुप्रसिद्ध सबरीमाला अय्यप्पा मंदिर की मूर्तियों में सोने की परत चढ़ाने में 4.5 किलो सोने की गड़बड़ी हुई है। इस मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। केरल हाईकोर्ट ने स्वयं संज्ञान लेते हुए इस मामले की जांच के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने इस मामले में स्वयं संज्ञान लेते हुए चिंता व्यक्त की है। मूर्तियों पर लगे सोने की परत को बेच दिया गया। दान में मिले हुए सोने की चोरी की गई है। हाईकोर्ट में इस बात का उल्लेख किया गया है। द्वारपालक की प्रतिमाओं पर सोने की प्लेटिंग के स्पॉन्सर उन्नीकृष्णन पोट्टी ने 2019 में बचे हुए सोने की मांग की थी।

दिल्ली में ‘ग्रीन पटाखों’ की बिक्री पर सुप्रीम कोर्ट अब 10 अक्टूबर को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों के निर्माण और बिक्री से जुड़े मामले की सुनवाई को 10 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दिया है। बुधवार को यह मामला मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ के सामने आया, लेकिन केंद्र सरकार की ओर से समय की मांग किए जाने के बाद अगली तारीख तय कर दी गई।

सुप्रीम कोर्ट में ग्रीन पटाखों के कुछ प्रमाणित निर्माताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील बलबीर सिंह ने दलील दी कि दिवाली नजदीक है, इसलिए इस मुद्दे पर जल्द सुनवाई जरूरी है। अदालत ने उनकी बात से सहमति जताई और कहा कि मामले पर शुक्रवार 10 अक्टूबर को फिर से विचार किया जाएगा।

यहां बताते चलें, कि इससे पहले 26 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने एनईईआरआई और पीईएसओ द्वारा प्रमाणित निर्माताओं को ग्रीन पटाखे बनाने की अनुमति दी थी, लेकिन यह शर्त रखी थी, कि निर्माता दिल्ली-एनसीआर जैसे प्रतिबंधित क्षेत्रों में इन पटाखों की बिक्री नहीं करेंगे। इसके साथ ही, कोर्ट ने कहा था कि यह अनुमति अस्थायी होगी और आगे के आदेश तक मान्य रहेगी।

केंद्र से पुनर्विचार का निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा था कि वह दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर लगे पूर्ण प्रतिबंध पर फिर से विचार करें और अंतिम निर्णय लेने से पहले दिल्ली सरकार, निर्माता संघ और विक्रेताओं से सुझाव ले।

क्या हैं ‘ग्रीन पटाखे’?

'ग्रीन पटाखे' वे पटाखे हैं जिनमें पारंपरिक पटाखों की तुलना में 30 प्रतिशत तक कम प्रदूषणकारी तत्व होते हैं। इन्हें नेशनल एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट और पेट्रोलियम एंड एक्सप्लोसिव्स सेफ्टी ऑर्गनाइजेशन से प्रमाणित किया जाता है। दिल्ली-एनसीआर में पिछले कुछ वर्षों से वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर के कारण पारंपरिक पटाखों की बिक्री और जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा हुआ है। हर साल दिवाली से पहले इस मुद्दे पर अदालत में सुनवाई होती है, जहां ग्रीन पटाखों की सीमित अनुमति देने या पूर्ण प्रतिबंध जारी रखने पर बहस होती है। अब सबकी नजरें 10 अक्टूबर की सुनवाई पर टिकी हैं, जब यह तय होगा कि इस साल दिवाली पर दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों की बिक्री और जलाने की अनुमति मिलेगी या नहीं।

सिंगर जुबीन गर्ग मौत केस में चचेरा भाई गिरफ्तार

हादसे के समय जुबीन के साथ मौजूद था, अभी असम पुलिस में डीएसपी

गुवाहाटी। सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले में बुधवार को असम पुलिस के डीएसपी संदीपन गर्ग को अरेस्ट किया गया है। संदीपन, सिंगर के चचेरे भाई हैं। हादसे के वक्त वह सिंगापुर में साथ थे। अधिकारी ने बताया कि संदीपन से जुबीन की मौत के सिलसिले में पिछले कुछ दिनों से पूछताछ की जा रही है। उनके खिलाफ गैर इरादतन हत्या, आपराधिक षडयंत्र और लापरवाही से मौत का कारण बनने का केस दर्ज किया गया है। जुबीन की मौत के मामले में यह पांचवीं गिरफ्तारी है। इससे पहले, नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के मुख्य आयोजक श्यामकानु महंत, गायक के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा और उनके दो बैंड सदस्यों - शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृत प्रभा महंत को अरेस्ट किया गया था। जुबीन गर्ग का निधन सिंगापुर में 19 सितंबर को हुआ था। सिंगर 20 सितंबर को होने वाले नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के लिए सिंगापुर गए हुए थे, जहां उन्होंने वाटर एडवेंचर एक्टिविटी में हिस्सा लिया था। दावा किया गया कि उनकी मौत स्कूबा डाइविंग के दौरान एक हादसे में हुई थी।

कुछ ना कहना

बुजुर्ग नागरिकों, दिव्यांगजनों और सेवा मतदाताओं के लिए डाक मतपत्र सुविधा

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने घोषणा की है कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव और छह रा'यों व केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की आठ विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों में बुजुर्ग नागरिकों, दिव्यांगजनों और सेवा मतदाताओं के लिए डाक मतपत्र सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

यह प्रावधान जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 60(सी) के अंतर्गत किया गया है। इस सुविधा के तहत 85 वर्ष या उससे अधिक आयु के मतदाता और मानक दिव्यांगता वाले मतदाता अपने घर से ही मतदान कर सकेंगे। इन मतदाताओं को चुनाव अधिसूचना जारी होने की तारीख से पांच दिनों के भीतर फॉर्म 12डी

भरकर बूथ लेवल ऑफिसर के माध्यम से अपने रिटर्निंग ऑफिसर को जमा करना होगा। इसके बाद नामित मतदान दल उनके घर जाकर डाक मतपत्र एकत्र करेंगे।

निर्वाचन आयोग ने यह सुविधा उन मतदाताओं तक भी बढ़ाई है जो मतदान दिवस पर आवश्यक सेवाओं में तैनात होंगे। इसमें दमकल सेवा, स्वास्थ्य सेवा, बिजली आपूर्ति, यातायात प्रबंधन, एम्बुलेंस सेवा, उड्डयन क्षेत्र और सरकारी लंबी दूरी की सड़क परिवहन सेवाएं शामिल हैं। इन क्षेत्रों में कार्यरत योग्य मतदाता अपने विभाग के नामित नोडल अधिकारी के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे।

सेवा मतदाताओं के लिए डाक मतपत्र इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलेट सिस्टम के माध्यम से भेजे जाएंगे। यह प्रक्रिया उम्मीदवारों की अंतिम सूची प्रकाशित होने के तुरंत बाद शुरू की जाएगी। सेवा मतदाताओं को डाक वितरण का कोई शुल्क नहीं देना होगा।

आंध्र प्रदेश की पटाखा फैक्ट्री में आग, छह की मौत

रायवरम। आंध्र प्रदेश के डॉ. बीआर अंबेडकर कोनासीमा जिले के रायवरम में बुधवार को एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। कई लोग घायल हैं। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस ने बताया कि पटाखा फैक्ट्री में लापरवाही के कारण हादसे की आशंका है। घटना के कई वीडियो सामने आए हैं। एक वीडियो में पूरी फैक्ट्री आग की लपटों से घिरी दिखी। एक अन्य वीडियो में एक व्यक्ति का शव पूरी तरह जला हुआ पड़ा है। वहीं, दूर से रिकॉर्ड किए एक वीडियो में फैक्ट्री से धुएं का गुबार काफी ऊंचाई तक उठता हुआ दिखा। इस दौरान कई धमाके भी हुए।

पुलिस ने पटाखा फैक्ट्री में लापरवाही के कारण हादसे की आशंका जताई है। पूरे इलाके में आग लगने के बाद धमाके की आवाज से हड़कंप मच गया है। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को घटनास्थल पर जाने के निर्देश दिए हैं। सीएम ने एक्स पर लिखा- इस दुर्घटना में कई लोगों की जान जाने की खबर से गहरा दुख हुआ है। मैंने अधिकारियों से दुर्घटना के कारणों, वर्तमान स्थिति, राहत कार्यों और चिकित्सा सहायता के बारे में बात की है। मैंने अधिकारियों को घटनास्थल पर जाने और राहत कार्यों में शामिल होने का निर्देश दिया है।

पारिवारिक विवाद में पत्नी ने खाया सल्फास, उपचार के दौरान हुई मौत

मायके पक्ष के लोगों ने ससुराल पक्ष पर लगाया प्रताड़ित करने का आरोप, ससुराल पक्ष ने आरोपो को बताया बेबुनियाद, कहा ऐसी कोई बात ही नहीं, खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम भोरगढ़ का मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच उपजा विवाद इतना अधिक बढ़ गया कि परेशान पत्नी ने मानसिक तनाव और आवेश में आकर जहर का सेवन कर लिया जिससे उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।मामला खैरलांजी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम भोरगढ़ का है जहां सल्फास(जहर) के सेवन से भोरगढ़ निवासी 28 वर्षीय महिला ममता पति निलेश तीतरमारे की उपचार के दौरान मौत हो गई। जिसके शव का बुधवार को जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है।तो वही मामले की जांच के लिए डायरी खैरलांजी थाना पहुंचाई गई है।इस मामले में जहां मायके पक्ष के लोगों ने महिला के पति निलेश तितरमारे पर ममता को पैसों के लिए परेशान करने और अक्सर वाद-विवाद कर झगड़ा करने का आरोप लगाया है, तो वही ससुराल पक्ष के लोगों ने मायके पक्ष के लोगों द्वारा लगाए गए सभी आरोपो को झूठा व बेबुनियाद बताते हुए इसे सिरे से खारिज कर दिया है। हालांकि महिला ने जहर का सेवन क्यों किया फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है जिसकी जांच खैरलांजी पुलिस द्वारा की जा रही है।

पैसों का विवाद बना मौत की वजह

प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2017 के 16 अप्रैल को लालबर्रा क्षेत्र के पिपरिया निवासी ममता का ब्याह, खैरलांजी के भौरगढ़ निवासी निलेश तितरमारे के साथ हुआ था। जिससे उन्हें एक 8 वर्षीय बेटी भी है। ममता, घर में महिला टेलर के साथ ही ब्यूटी पार्लर भी चलाती थी। यहां वह महिलाओं के हेयर डेसर का काम करती थी। परिजनों की माने तो, शादी के बाद पति के पिकअप वाहन बेच दिए जाने और पैसो के लिए, ममता को परेशान किया जाता था। विगत कुछ दिनों से, पति निलेश, नागपुर जाने, पत्नी ममता से पांच हजार रूपए की मांग कर रहा था। बताया गया कि यही वजह विवाद का कारण बनी और् महिला ने सल्फास खाकर जान दे दी।

मारपीट से परेशान होकर 3 वर्ष पूर्व मायके चले गई थी ममता

बताया गया कि शादी के बाद से ही ममता और नीलेश की पैसों को लेकर अनबन होती रहती थी।आए दिन विवाद झगड़े और मारपीट से तंग आकर ममता करीब 3 वर्ष पूर्व मायके चले गई थी।जहां करीब 1 माह बाद दोनों पक्ष के लोगो की बैठक हुई थी,आपसी समझाइश के बाद नीलेश ने ममता को अपने साथ भोरगढ़ ले जा लिया था।

माँ 2 दिन के लिए गई थी ममता के घर, दोनो दिनों तक होता रहा विवाद

महिला के परिजनों ने बताया कि 2 दिन पूर्व ममता की मां सुरजन बाई पति सोहनलाल सार्वे ममता से मिलने के लिए भोरगढ़ गई हुई थी। जहां माँ 2 दिन रुकी थी इन दो दिनों में भी पति-पत्नी के बीच झगड़ा होता रहा बताया जा रहा है कि पति निलेश ममता से नागपुर जाने की बात कहते हुए 5000 रु की मांग कर रहा था जो ममता ने उसे नहीं दिए। जिस पर दोनों के बीच कहां सुनी हो गई और इसी बात को लेकर करीब 2 दिनों तक झगड़ा चलता रहा। जब ममता की मां सुरजन बाई भोरगढ़ से 3 किलोमीटर दूर अपनी बहन से मिलने के लिए कुम्हाली गई तभी मंगलवार की शाम उसे खबर मिली कि उसकी बेटी ने सल्फास खा लिया है जिसे खैरलांजी के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रताड़ना से तंग आकर बहन ने दी है जान- कमलेश

मायके पक्ष से भाई कमलेश सार्वे ने बताया कि मां, बहन के घर में ही थी। दो दिनों से मां के सामने, जीजा और बहन का विवाद हो रहा था। वह नागपुर जाने 5 हजार रूपए मांग कर रहा था। अच्छा घर और पिकअप वाहन होने से अपनी बहन के ब्याह, जीजा के साथ किया था, लेकिन वह शादी के बाद से लगातार प्रताड़ित करता था। बीच में गांववालों के हस्तक्षेप के बाद बहन, मायके से अपने ससुराल गई थी। दो दिनों से मेरी मां, बहन के घर में ही थी, तकरीबन तीन घंटे पहले, मां, बहन के घर से अपनी बहन से मिलने गई थी। मेरी बहन ने रोज-रोज की प्रताड़ना से तंग आकर जान दी है उसकी जांच होनी चाहिए।

हमे खुद नही पता कि उसने सल्फास क्यो खा ली- धनीराम

निलेश के पिता धनीराम तितरमारे ने बताया कि बेटा और बहु के बीच खाने को लेकर विवाद हुआ था। जिसके बाद मैं ऑफिस चला गया। मुझे ऑफिस में जानकारी मिली कि बहु ने सल्फास खा लिया है। जिसे खैरलांजी अस्पताल लेकर आए। जिसके बाद उसे बालाघाट लाया गया और यहां उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि विवाद की कोई वजह नहीं है बेटा बहू बहुत अच्छे से रहते थे। उनके बीच कभी लड़ाई झगड़ा मारपीट नहीं होती थी। करीब 3 वर्षों पूर्व थोड़ा मनमुटाव हुआ था लेकिन वह भी दूर हो चुका था। ऐसी कोई बात ही नहीं थी कि जिससे वह सल्फर खाकर जान दे। मायके पक्ष लोगों द्वारा जो आरोप लगाए जा रहे हैं वह झूठे हैं ,हमें खुद समझ नहीं आ रहा है कि उसने सल्फास क्यों खा ली।

अग्रिम जांच खैरलांजी पुलिस करेंगी- पटले

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान अस्पताल चौकी प्रभारी शिव दयाल पटले ने बताया तहरीर पर शव बरामद कर पंचनामा कार्यवाही के बाद शव का पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मामले की अग्रिम जांच, खैरलांजी पुलिस करेगी।

शरद पूर्णिमा पर भरवेली में खोजागिरी कार्यक्रम सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत भरवेली में खोजागिरी कार्यक्रम शरद पूर्णिमा के अवसर पर मनाया गया । यहां परमात्मा एक सेवक मंडल संस्था द्वारा शरद पूर्णिमा कार्यक्रम के बाद भजन कीर्तन और आर्केस्ट्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमें परमात्मा एक मानव धर्म के पदाधिकारी राधेश्याम कनौजिया ने बताया कि वह प्रतिवर्ष ग्राम भरवेली में शरद पूर्णिमा के अवसर पर खोजागिरी कार्यक्रम का आयोजन करते हैं । जिसमें भरवेली के ग्रामीण बड़ी संख्या में इस शरद पूर्णिमा के कार्यक्रम में पहुंचते हैं और इस कार्यक्रम को बड़े ही धूमधाम और हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाता है । इस बार भी रात्रि के समय बड़ी संख्या में ग्रामीण कार्यक्रम में पहुंचे और यहां समाज के सभी सामाजिक लोगों के साथ एक बैठक की गई और बैठक के बाद भजन कीर्तन और आर्केस्ट्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां आए कलाकारों द्वारा आर्केस्ट्रा के माध्यम से एक से बढ़कर एक देवी गीत की प्रस्तुति दी गई ।

In The Court Of Additional Judge To I District Judge Waraseoni, District Court,Balaghat

Presiding Officer-कविता इवनाती
(प्रक्रिया संहिता 1908 के आदेश 5 नियम 20 के अंतर्गत प्रकाशनार्थ)
(MJC GW/0000005/2025)

महेन्द्र रामटेके...............................वादी
Vs
सर्वसाधारण... . प्रतिवादी

Process Id-35/2025
पेशी दिनांक - 11/11/2025

प्रेषिती-
सर्वसाधारण पता- निरंक

यह कि प्रार्थी महेन्द्र रामटेके ने आपके विरूद्ध गाडियन एंड वॉइस एक्ट 1890 की धारा 07 एवं 10 के अंतर्गत अभिभावक नियुक्ति हेतु याचिका के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 07 October 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

श्रीमती कविता इवनाती
प्रथम जिला न्यायाधीश
वारासिवनी
जिला-बालाघाट (म.प्र.)

कृपया ध्यान दें-
1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

(पेज 12 का शेष..)

इसी तरह 1990 में, खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र में कुल 86394 मतदाता थे। कुल वैध मतों की संख्या 64048 थी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विश्वेश्वर भगत इस सीट से विजयी हुए और विधायक बने। उन्हें कुल 27755 मत मिले। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के उम्मीदवार डोमन सिंह नागपुरे 27432 मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। वे 323 मतों से हार गए।

1993 में, खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र में कुल 88774 मतदाता थे। कुल वैध मतों की संख्या 64441 थी। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (कांबले) के उम्मीदवार डोमनसिंह नागपुरे उर्फ बाबा पटेल इस सीट से विजयी हुए और विधायक बने। उन्हें कुल 22351 मत मिले। निर्दलीय उम्मीदवार श्रवण डोंगरे 14235 मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। वे 8116 मतों से हार गए।

1998 में, खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र में कुल 86384 मतदाता थे। कुल वैध मतों की संख्या 63108 थी। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के उम्मीदवार डोमनसिंह नागपुरे उर्फ बाबा पटेल इस सीट से विजयी हुए और विधायक बने। उन्हें कुल 26800 वोट मिले। भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार बोधसिंह राधेलाल भगत 21945 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। वे 4855 वोटों से हार गए।

वर्ष 2003 के अंतिम विधानसभा चुनाव में बोधसिंह भगत विजयी हुए उसके बाद इस सीट का भी परिसीमन कर दिया गया और सीट खत्म हो गयी।

लाँजी सीट में ऋषि पटेल का नाम

उल्लेखनीय है कि अगर 2028 के विधानसभा चुनाव परिसीमन उपरांत होते हैं तो लाँजी विधानसभा सीट कांग्रेस की परम्परागत उम्मीदवार सुश्री हिना कावरे सीट छोड़ देंगी और वे अपनी पुरानी सीट से उम्मीदवार होंगी. जो ज्यादा सुरक्षित और पहचान और पहुंच की वजह से भी ज्यादा आसान है, ऐसे में लाँजी सीट कांग्रेस के लिए खाली हो जाएगी जहां पर कांग्रेस को नया उम्मीदवार चेहरा तलाशनी पड़ेगी. जनसमुदाय के बीच लाँजी क्षेत्र में चल रही चर्चा के अनुसार अधिकांश कांग्रेसी कार्यकर्त्ता और जनमानस क्षेत्रीय कांग्रेसी नेता ऋषि कुमार दशरिया (पटेल) को उम्मीदवार बनाए जाने की वकालत करता दिख रहा है वहीं दूसरा कोई सर्वमान्य और सक्षम चेहरा फिलवक्त नजर नहीं आ रहा है।

भाजपा के लिए वहाँ पर कोई संशय की स्थिति नहीं है. वर्तमान विधायक के अलावा पूर्व विधायक रमेश भटेरे वहाँ राजनीतिक परिवेश में उपस्थित हैं।

खैरलाँजी में भाजपा को चेहरा तलाशनी होगी

इसी तरह जिले की दूसरी सीट खैरलाँजी में लाँजी के मुकाबले स्थिति एकदम उलट है . यहाँ पर कांग्रेस के पास कद्दावर नेताओं की कमी नहीं है किन्तु भाजपा के पास बदले राजनीतिक सन्दर्भ में कद्दावर चेहरा वाला जिताऊ नेता की कमी है. कांग्रेस में जहां पूर्व सांसद और खैरलाँजी के पूर्व विधायक बोधसिंह भगत पूरे दम खम के साथ सक्रिय हैं वहीं भाजपा खेमे में एकमात्र चेहरे के रूप में पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष राकेश बनोटे ही नजर आते हैं. दूसरी पंक्ति में जनपद पंचायत की जनप्रतिनिधि श्रीमती मधु शुक्ला भी मौजूद हैं।

दूसरी तरफ खैरलाँजी विधानसभा सीट में कांग्रेस के दिग्गज नेता पूर्व सांसद और पूर्व विधायक विश्वेश्वर भगत भी एक चिरपरिचित चेहरा बन सकते हैं. इस तरह उनकी रूचि चुनाव लड़ने की होगी तो खैरलाँजी का राजनीतिक परिदृश्य बदल सकता है।

प्रकारान्तर से यह भी कहा जा सकता है कि इन दोनों विधानसभा सीटों के अस्तित्व में आने के बाद तेजी से बालाघाट जिले का राजनीतिक बनावट में बदलाव आना तय है. क्योंकि बोधसिंह भगत जैसे सक्रिय और कद्दावर नेता की जहां कांग्रेसी खेमे में मौजूदगी है वहीं भारतीय जनता पार्टी में एक तरह से खालीपन अथवा रिक्तता की स्थिति है. यही स्थिति दूसरी तरफ लाँजी विधानसभा सीट पर कांग्रेसी खेमे में है. वहाँ पर भी भाजपा चेहरों से लैस है. किन्तु कांग्रेस नए चेहरे के भरोसे रहेगी।

बाबा साहब अंबेडकर पर की गई टिप्पणी को लेकर युवाओं ने सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के बारे में ग्वालियर के अधिवक्ता अनिल मिश्रा द्वारा विवादित बयान दिए जाने और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइव आकर की गई बयान बाजी को लेकर पहले डॉ आंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह समिति के पदाधिकारी द्वारा महामहिम राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार भूपेंद्र सिंह अहिरवार को ज्ञापन दिया गया । मांग की गई की बाबा साहब पर अभद्र टिप्पणी किए जाने और विवादित बयान देने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए । बीते दिनों संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर पर ग्वालियर हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल मिश्रा द्वारा टिप्पणी करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइव आकर विवादित बयान बाजी की गई थी, जिसको लेकर जिले में बीते कुछ दिनों से सामाजिकबंधु और संगठन द्वारा अलग-अलग तरीके से विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है और शहर में धरना प्रदर्शन कर ,विवादित बयान देने और टिप्पणी करने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो इसलिए धरना आंदोलन किया जा रहे हैं। इसी क्रम में फूले डॉक्टर भीमराव अंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह समिति के युवा पदाधिकारी द्वारा महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सोपा गया जिसमें समिति के जिला अध्यक्ष दयाल वासनिक द्वारा बताया गया कि आज पूरे भारत वर्ष में अनुसूचित जाति के व्यक्तियों एवं उनके महापुरुषो के उपर कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा जो मनोवादी सोच को लेकर भारत देश में जातिगत व्यमनव्यवस्था फैला रहे है, जिसका जीता जागता उदाहरण म.प्र. के ग्वालियर जिले के एक वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल मिश्रा जो मनो स्मृति को फालो करके कट्टरपंती विचार धारा रखते है। उनके द्वारा डॉ. भीमराव आम्बेडकर जो कि एक सविधान निर्माता है। एस.सी, एसटी समाज के उत्थान के लिये हमेशा काम किया है, उनको अंग्रेजो का एजेंट बताकर और अंग्रेजो की चापलुसी करने वाले व्यक्ति बताकर उन्हें अपमानीत करने का प्रयास किया गया एवं विगत दिन पूर्व भारत के उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायधीश बी. आर. गवई के उपर असामाजिक तत्व जो कि एक वरिष्ठ अधिवक्ता है राकेश किशोर निवासी दिल्ली के द्वारा भारत के उच्चतम न्यायलय मे कार्यवाही के दौरान जूता उतारकर उन्हें जान से मारने एवं अपमानित करने का प्रयास किया गया। यह बताता है कि देश में अनुसूचित जाति, अनूसूचित जन जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय के प्रति ऐसी हिन भावना रखते है ये कट्टर पंती विचार धारा रखने वाले की सोच को दर्शाता है। जिसकी हम सभी समाज के लोग कड़ी निन्दा करते है और मांग करते है। कि विकलांग मानसिकता रखने वाले

व्यक्ति के खिलाफ देश द्रोह (रासुका) की कार्यवाही ,02 अप्रैल 2018 में नुसूचित जाति, अनूसूचित जन जाति निवारण अधिनियम 1989 के तहत पूर्व में मामले होने पर गिरफ्तारी होती थी, उस नियम को पुनः बहाल कर गिरफ्तारी किया जाये। वर्तमान परिवेश में हुये दोनो अधिवक्तागणो के विरुध रासुका की कार्यवाही करते हुये इन दोनो का अधिवक्ता सनद भारत के बार काउंसिल ऑफ इंडिया के द्वारा निरस्त किया जाये। इन सब मांग को लेकर आज उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति के नाम बालाघाट तहसीलदार भूपेंद्रसिंह को ज्ञापन दिया है और इस विषय पर जल्द से जल्द कार्रवाई नहीं होती तो वह आगे जिले में और उग्र आंदोलन करेंगे।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. ००३२/ड-१५४/२०२५-२६
मौजा टेकाड़ी (नवेगांव), रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक वारसिंह इनवाती पिता स्व. कौडू इनवाती जाति गोंड, निवासी ग्राम टेकाड़ी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा टेकाड़ी (नवेगांव), रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने पिता कौडू पिता ज्ञानी का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम १९६९ की धारा १२ (२), म.प्र. मृत्यु पंजीयन १९९९ नियम १२ (२) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक ११.१०.२०११ मृत्यु की घटना स्थल ग्राम टेकाड़ी (नवेगांव) के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक १४.१०.२०२५ के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक ०८.१०.२०२५ को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - ०९.१०.२०२५

आकाश अग्रवाल
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

सांसद खेल महोत्सव में जिला कराटे प्रशिक्षण केंद्र के खिलाड़ी जिला स्तर के लिए चयनित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
जिला कराते प्रशिक्षण केंद्र बालाघाट में सांसद खेल महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत 08 अक्टूबर को चयन कराते स्पर्धा आयोजन का शुभारंभ किया गया। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी के मार्गदर्शन में तथा गणेश अग्रवाल एवं डॉक्टर अक्षय कटरे विधानसभा प्रभारी सांसद खेल महोत्सव की उपस्थित में यह आयोजन किया गया । इस आयोजन में बालका वर्ग में करण चौधरी प्रथम एवं

अरुणय निकूते ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी तरह बालिका वर्ग में वैभवी पिछड़े, साहिल तुमसरे एवं प्रणय लांजेवार ने प्रथम तथा वाणी राऊत ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जिला कराते प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षक सचिंद्र कृष्णन ने बताया कि इन सभी खिलाड़ियों का जिला स्तर में आयोजित प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया है। जिला कराते प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित इस खेल प्रतियोगिता में जिला एथलेटिक संघ के अध्यक्ष नरेश धुवारे, विभाग क्रीड़ा अधिकारी दीपक गिरी गोस्वामी, पीटीआई हरीश धुवारे, कार्यालय से केदारनाथ ठाकरे व अन्य सहभागी उपस्थित थे।

दो मोटरसाइकिलें आपस में टकराई एक युवती सहित तीन लोग घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम वारा में दो मोटरसाइकिल आपस में टकराने से एक युवती सहित तीन

लोग घायल हो गए। तीनों घायल को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। रोशनी पिता दुर्योधन वट्टी 20 वर्ष और अजय पिता हीरालाल उइके 21 वर्ष दोनों ग्राम कोदो बर्रा किन्ही थाना किरनापुर, और राजेश पिता अवध बिहारी असाटी 42 वर्ष ग्राम बिनोरा थाना किरनापुर निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेश असाटी दाल का धंधा करते हैं और गांव-गांव ले जाकर बिक्री करते हैं वही रोशनी वट्टी बीएससी द्वितीय वर्ष की पढ़ाई किरनापुर में कर रही है। और अजय उइके मजदूरी करता है। वह प्रतिदिन मजदूरी करने के लिए मोटरसाइकिल में किरनापुर आते रहता। बताया गया कि 8 अक्टूबर को 10-30 बजे करीब रोशनी वट्टी अजय उइके के साथ मोटरसाइकिल में किरनापुर कॉलेज आ रही थी और राजेश असाटी मोटरसाइकिल में देहात जा रहा था। तभी ग्राम वारा के पास दोनों मोटरसाइकिल आपस में टकरा गई। इस दुर्घटना में रोशनी वट्टी, अजय उइके और राजेश असाटी तीनों घायल हो गए। तीनों घायल को किरनापुर के शासकीय अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से उन्हें बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

5 जिलों के आदिवासियों ने नगर में डाला डेरा, जनसुनवाई में हुए शामिल

विभिन्न मांगो को लेकर नारेबाजी कर, नगर में निकाली रैली, दिया धरना, बालाघाट, सिवनी, मण्डला, डिंडोरी और जबलपुर से आए आदिवासियों ने सुनाई दास्तान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जल जंगल जमीन और अन्य प्रशासनिक मुद्दों को लेकर जन संघर्ष मोर्चा महाकौशल के बैनर तले नगर के अंबेडकर चौक में दो दिवसीय घेरा डालो, डेरा डालो आंदोलन का आयोजन किया गया है। जिसके पहले दिन बुधवार को बालाघाट, सिवनी, मंडला ,डिंडोरी और जबलपुर जिले से करीब 3 से 4 हजार आदिवासी ग्रामीणों ने बालाघाट मुख्यालय में डेरा डालकर आयोजित विशाल जनसुनवाई में भाग लिया। जहां उन्होंने कार्यक्रम के पूर्व उत्कृष्ट विद्यालय मैदान से नगर भ्रमण के लिए एक आक्रोश रैली निकाली।इस रैली में शामिल आदिवासियो ने पारंपरिक ढोल बजाकर, आदिवासी नृत्य पेश किया।वही हाथों में मांगो की तख्ती लेकर उन्होंने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी भी की। यह रैली उत्कृष्ट विद्यालय मैदान से हनुमान चौक ,वहां से मेन रोड होते हुए सीधे यह रैली काली पुतली चौक पहुंची। जहां भारत माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। जहां से यह रैली पीजी कॉलेज होते हुए सीधे अंबेडकर चौक पहुंची जहां बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात विशाल जनसुनवाई का आयोजन किया गया।

आयोजित जनसुनवाई में बालाघाट सिवनी मंडला डिंडोरी और जबलपुर से पहुंचे आदिवासी भाइयों बहनों ने क्षेत्र के लघु ,गौण खनिज संपदा, जल, जंगल जमीन आदि विषयो पर अपने विचार रखें, तो वहीं उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों पर आदिवासियों को परेशान किए जाने का आरोप लगाया है। इसके अलावा विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारी ने अपने-अपने क्षेत्र की समस्याएं पदाधिकारी के समक्ष रखी। जिसमें उन्होंने आदिवासियों को जल जंगल जमीन से बेदखल करने, संवैधानिक अधिकारों के खिलाफ नियम कायदे व नीति बनाकर उन्हें परेशान करने सहित अन्य जानकारियां दी, तो वही उन्होंने बैहर क्षेत्र के 55 वन वनखंडों में रिजर्व फॉरेस्ट में रह रहे आदिवासियों को जमीनों का कब्जा देने के बजाय उन्हें जमीन से बेदखल करने का आरोप लगाया है। इसके अलावा इस जनसुनवाई के दौरान आदिवासी ग्रामीणों ने प्राकृतिक संपदा को पूंजीपतियों के हाथों में सौपने, श्रमिकों का शोषण करने ,आदिवासियों को झूठे मामलों में फसाने, घर व खेती के पट्टे जारी ना करने सहित अपनी विभिन्न परेशानियां मंच के माध्यम से पदाधिकारी को बताई। जिस पर उपस्थित पदाधिकारी ने इन सभी मुद्दों को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपने और 9 अक्टूबर को प्रशासनिक अधिकारियों को जनसुनवाई में बुलाकर समस्या का निराकरण किया जाने की बात कही। इस दौरान मप्र आदिवासी एकता महासभा, चुटका परमाणु विरोधी संघर्ष समिति, मप्र किसान संगठन, मप्र आदिवासी विकास परिषद, बरगी बांध विस्थापन और प्रभावित संघ, पेसा सशक्तिकरण मिशन मप्र टीम,बालाघाट और सर्व आदिवासी समाज संगठन सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी सदस्य भारी मात्रा में सामाजिक बंधु प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इन मांगों को लेकर भरी हुंकार सौपा ज्ञापन

वन अधिकार कानून 2006 के अन्तर्गत व्यक्तिगत और सामुदायिक वन संसाधनों पर समुदाय के अधिकारों को सुनिश्चित करने,वन भूमि पर काबिज दावेदारों के दावा परिक्षण निष्पक्ष रूप से किया जाकर बेदखली को रोका जाने, आदेश के कियान्वय में वन विभाग के एकतरफा हस्तक्षेप को रोका जाने, बैहर, बिरसा विकास खण्ड के 55 वन खण्डों को रिजर्व फारेस्ट घोषित करने में 40 गांव प्रभावित होकर 36833.672 हेक्टेयर वन भूमि को रिजर्व फारेस्ट घोषित किया जा रहा है। जो कि आदिवासियों और वनों के अंतसंबधों पर हमला है। इससे आदिवासियों सहित स्थानीय समुदाय के जीवन में अनेकों कठिनाईयां पैदा होगी। इन वनखण्डों को डि-नोटिफाई किया जाने, विस्थापन नीति रद्द करने, परसवाड़ा विख के लौगुर जंगल में 250 हेक्टर वन भूमि खनिज के लिए आबंटित किया जा रहा है। इस आदेश को निरस्त करने, कान्हा नेशनल पार्क के कोर क्षेत्र के छः गांवों (मुक्की, पटवा, छतरपुर, कदला, धनियाझोर, जगलीखेडा) को राजस्व ग्राम घोषित करने की कार्यवाही को वन विभाग ने रोक दिया है,इसमे हस्तक्षेप कर इसके बेहतर कियान्वयन की बाधा को दूर करने,विभिन्न परियोजनाओं (बांध, नेशनल पार्क व टाइगर रिजर्व आदि) से विस्थापित परिवारों की आर्थिक स्थिति का सर्वे कराकर पुनर्वास का लाभ देने, 25-30 वर्ष पूर्व कान्हा नेशनल पार्क के कोर क्षेत्र से विस्थापितों का व्यवस्थापन नहीं किया गया है और न ही कोई मुआवजा दिया गया है, उन्हें मुआवजा देकर उन परिवारों का पुनर्वास करने,बालाघाट में बैहर और परसवाड़ा तहसील के दूरस्थ ग्राम चालिसबोड़ी, कावेली क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क नहीं होने की वजह से भूमि, आधार एवं अन्य दस्तावेजों की के. वाय. सी. नहीं हो पा रही है! यहां निवासरत बैगा, गोंड जनजाति के लोग विभिन्न योजनाओं से वंचित रहते है उक्त समस्या अतिशीघ्र समाधान करने,बालाघाट जिला अस्पताल का निजीकरण रोकने,पलायन रोकने के लिए किसान के खेतों तक नर्मदा और अन्य नदियों से सिंचाई हेतु पानी देने, बीजाडांडी और नारायणगंज के काश्तकारों द्वारा बरगी जलाशय से पानी खेतों तक पहुंचाने की मांग को तत्काल पूर्ण करने,बरगी जलाशय में लगातार घटते मत्स्य उत्पादन का अध्ययन कराकर उत्पादन बढ़ाने का प्रयास करने,15 जून से 15 अगस्त बंद ऋतु में पिछले दो साल का बचत सह राहत योजना का लंबित राशि का भूगतान करने, बरगी जलाशय में प्रस्तावित फ्लोटिंग सोलर प्लांट योजना को तत्काल रद्द करने,नर्मदा के भूकंप संवेदन और कान्हा टाईगर रिजर्वे के पारिस्थिकीय संवेदनशील आदिवासी क्षेत्र में प्रस्तावित घातक चुटका परमाणु परियोजना को रद्द करने और विकास परियोजनाओं के नाम पर आदिवासी क्षेत्रों में भूमि अधिग्रहण और विस्थापन बंद करने, सहित अन्य मांगो को लेकर महामहिम राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री, राज्यपाल, और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा है।

कल की बैठक में नही बनी बात, तो बनेगी रणनीति

जिला मुख्यालय पर आयोजित रैली धरना प्रदर्शन और जनसुनवाई को लेकर उपस्थित पदाधिकारी ने बताया कि आज दिनांक 8 अक्टूबर को बालाघाट जिला मुख्यालय पर जिला रैली और जनसुनवाई के दौरान प्राप्त विभिन्न मुद्दों, शिकायतो, समस्या और मांगों पर चर्चा की गई है।महाकौशल में इन मुद्दों पर कार्यरत संगठन उचित कार्रवाई की मांग करते हुए ज्ञापन सौपा गया है। आदिवासी जनता से प्राप्त सभी शिकायतो मांगो और समस्याओं पर विचार आमंत्रित किए गए हैं. मांग के जरिए शासन प्रशासन को अवगत भी कर दिया गया है। कल प्रशासनिक अधिकारियों के साथ अपनी मांगों प्रस्तावो व समस्याओं पर चर्चा की जाएगी।यदि बैठक में बात नहीं बनती तो फिर संगठन के बैनर तले आगामी रणनीति बनाई जाएगी।

अब तक 10 वाहनों पर की गई जीएसटी की कार्यवाही

4 वाहन मालिकों से वसूला गया 2 लाख 4 हजार का शुल्क
6 वाहनों में भरे माल के खंगाले जा रहे जीएसटी दस्तावेज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बिना जीएसटी शुल्क अदा किया ही सरकार को राजस्व की चपत लगाए जाने के मामले में, जीएसटी विभाग ने कार्यवाही करते हुए अब तक 2 लाख 4 हजार रु पेनाल्टी शुल्क वसूल किया है। जहां बिना जीएसटी अदा किए माल का परिवहन किए जाने वाले मामले में जीएसटी विभाग ने अब तक 10 वाहनों को पुलिस अभिरक्षा में लेकर जीएसटी की कार्यवाही की है। जिसमें से 4 वाहन मालिक ने कार्यवाही के दौरान जीएसटी के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाए, जिसके चलतेउनसे करीब 2 लाख 4 हजार रु का जीएसटी शुल्क वसूला गया है।तो वही पुलिस अभिरक्षा में खड़े अन्य 6 वाहनों में लोड माल के जीएसटी दस्तावेज खगांले ले जा रहे हैं। बताया गया कि जीएसटी विभाग द्वारा जिले के अलग-अलग स्थानो पर, वाहनों से परिवहन किए जा रहे माल पर जीएसटी की यह कार्यवाही की गई है। जिसमें गर्रा हाइवे चौकी में 04, भरवेली में 02, कटंगी में 01, किरनापुर में 01 और नवेगांव में 02, ऐसे कुल 10 वाहनों को अभिरक्षा में लेकर उन वाहनों से परिवहन किए जा रहे माल की जीएसटी शुल्क के दस्तावेज तलाशे गए है। जिसमें से चार वाहनों पर पेनल्टी लगाकर 2 लाख 4000 रु का पैनाल्टी शुल्क वसूल कर वाहनों को छोड़ा गया है।जबकि अन्य 6 वाहनों के दस्तावेजों की जांच की जा रही है। पिछले तीन दिनों से जारी इस कार्यवाही के दौरान जीएसटी विभाग असिस्टेंट कमिश्नर सरिता सिरसाम, स्टेट टैक्स ऑफिसर डीएल. पटले, क्लर्क हरि कुंभरे सहित प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बताया जा रहा है कि जीएसटी का शुल्क अदा किए बिना ही बालाघाट से बाहर, तो वहीं बाहर से बालाघाट में माल का परिवहन ट्रक वाहनों किया जा रहा था। जिसपर वरिष्ठ अधिकारियों से मिले निर्देशन पर जीएसटी विभाग द्वारा उक्त कार्रवाई की गई है जो अब भी जारी है। वहीं विभाग द्वारा आगामी समय में भी यह कार्यवाही जारी रहने की बात कही गई है।

कलेक्टर का फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर ठगी का आरोपी युवक राजस्थान से गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम में नगर अधीक्षक वैशाली सिंह द्वारा प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया और बताया गया कि बीते दिनों कलेक्टर बालाघाट के नाम की फेक आईडी बना कर अधिकारी सहित उनके करीबियों से, सामान बेचने के नाम पर ठगी की जा रही थी। जिसकी शिकायत कलेक्टर बालाघाट द्वारा एसडीएम गोपाल सोनी के माध्यम से करवाई गई थी, जिस पर कोतवाली पुलिस ने कुछ ही दिनों में कार्रवाई करते हुए राजस्थान क्षेत्र के युवकों को पकड़ लिया है और संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया है। नगर अधीक्षक वैशाली सिंह ने बताया कि जिला दण्डाधिकारी बालाघाट के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर लोगो से रूपये की मांग करने वाले एक आरोपी को बालाघाट पुलिस की स्पेशल टीम ने राजस्थान के डीग जिले से गिरफ्तार किया। पुलिस की टीम ने राजस्थान, हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश की सीमाओं में फैले मेवाती क्षेत्र में लगातार दबिश दी। करीब 06 दिनों में 1400 किलोमीटर से अधिक दूरी तय की गई। इस कठिन अभियान के बाद आरोपी को तीनो राज्यों के सीमावर्ती जिले डीग के ग्राम खेड़ा से गिरफ्तार किया गया। लगभग 80 मोबाइल नंबरों, 30 आईएमईआई तथा कई बैंक खातों का गहन विश्लेषण किया गया। साइबर सेल टीम ने लगातार कई मोबाईल नंबर की लोकेशन एवं आईएमईआई सर्विलेंश तथा संदेहास्पद मोबाइल नंबरों का बारीकी से परीक्षण किया, जिससे आरोपी तक पहुँचना संभव हो सका। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि यह अंतर्राज्यीय गिरोह भारत के कई राज्यो में भी इसी प्रकार के ऑनलाइन फ्रॉड़ की वारदातों को अंजाम दे चुका है। अनुविभागीय दण्डाधिकारी महोदय, बालाघाट द्वारा थाना कोतवाली में एक लिखित आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसमें उल्लेख किया गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा जिला दण्डाधिकारी बालाघाट, मृणाल मीना के नाम से फेसबुक पर एक फर्जी आईडी बनाई गई है। फर्जी आईडी में कलेक्टर कार्यालय, बालाघाट की फोटो का भी उपयोग किया गया है। आवेदन में बताया गया कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा विभिन्न मोबाइल नंबरों से लोगों को फोन कर रुपयों की मांग की जा रही है। शिकायत पर थाना कोतवाली में तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर अज्ञात आरोपी की तलाश एवं पतासाजी प्रारंभ की । वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में साइबर सेल और पुलिस टीमों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक बड़े ऑनलाइन गिरोह का पर्दाफाश किया है। सक्रियता दिखाते हुए पुलिस टीम ने राजस्थान से गिरोह के एक सदस्य जावेद पिता कासम मुसलमान (मेवाती), निवासी ग्राम खेड़ा, जिला डीग (राजस्थान) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी परवेज के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार की। आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल फोन जब्त किया गया है।

इस प्रकार करते थे फ्रॉड़

आरोपी इंटरनेट और सोशल मीडिया का उपयोग कर किसी व्यक्ति का नाम और फोटो लेकर उसकी नकल या फर्जी आईडी बनाते हैं। इस फर्जी आईडी से जुड़े लोगों को मैसेज या कॉल करके विभिन्न प्रकार के झांसे में डालकर पैसे बुलवाये जाते हैं। आरोपियों द्वारा नकली सिम कार्ड, फर्जी मोबाइल और फर्जी बैंक खाता इस्तेमाल किए जाते हैं ताकि उन्हे ट्रेस ना किया जा सके ।

पुलिस ने की कार्यवाही

पुलिस ने साइबर क्राइम पोर्टल (1930) के माध्यम से बैंक खातों को फ्रीज कराया। लगभग 80 मोबाइल नंबरों व 30 आईएमईआई तथा बैंक खातों का गहन विश्लेषण किया गया। कलेक्टर बालाघाट की फेसबुक आईडी से जुड़े सदस्यों को सायबर सेल टीम के द्वारा संपर्क कर सायबर अलर्ट भेजा गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर नगर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में गठित विशेष पुलिस टीम ने उत्तर प्रदेश, राजस्थान एवं हरियाणा के सीमाओं में फैले मेवात क्षेत्र के कई थाना क्षेत्र में दबिश दी। लगातार प्रयासों से जावेद पिता कासम मुसलमान (मेवाती) उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम खेडा थाना कैथवाड़ा जिला डीग, राजस्थान से गिरफ्तार किया गया

राजस्थान पुलिस ने किया सहयोग

आरोपी की गिरफ्तारी में जिला डीग थाना कैथवाड़ा, राजस्थान पुलिस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विशेष रूप से पुलिस अधीक्षक जिला डीग एवं थाना कैथवाड़ा पुलिस टीम द्वारा सक्रिय सहायता की गई। बालाघाट पुलिस, राजस्थान जिला डीग पुलिस का इस महत्वपूर्ण सहयोग के लिए आभार व्यक्त करती है। इस कार्यवाही में महत्वपूर्ण भूमिका नगर पुलिस अधीक्षक सुश्री वैशाली सिंह एवं उनकी पुलिस टीम का. निरीक्षक कामेश कुमार धूमकेती, उनि सतेंद्र सिंह भदौरिया, उनि अभिलाष मिश्रा, सउनि. दिनेश पंचेश्वर एवं साइबर नोडल थाना से आर. सुभाष देवासे, मआर. मेधा तिवारी, मआर, शिखा मिसारे, आर. गौरव बारसागड़े, आर. भूपेंद्र पटले, आर. रविशंकर की रही।

वृद्धा माँ के साथ बेटा-बहु ने की मारपीट

मलाजखंड थाने के ग्राम भीमजोरी की घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम भीमजोरी एक वृद्धा को उसके बेटे बहु ने हाथ बुक्के और लकड़ी से मारपीट कर घायल कर दिये। घायल वृद्धा फूलमत बाई पति सुद्धू सिंह केराम 75 वर्ष को बिरसा के अस्पताल में भर्ती किया गया। इस महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके बेटे चंदनसिंह केराम और बहू समली बाई केराम के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फुलमत बाई ग्राम भीमजोरी निवासी घरेलू काम करती है।जिसके दो बच्चे हैं। बड़ी बेटी चंद्रकला तेकाम की गांव में ही शादी हुई है।। बेटा चंदन सिंह केराम की शादी हो चुकी है जो अपने परिवार के साथ अलग रहता है। फूलमत बाई अपनी बेटी चंद्रकला तेकाम के साथ में रहती है। जिनका कच्चा मकान गिर गया है। 8 अक्टूबर को 11 बजे फुलमत बाई अपने गिरे हुए मकान के कवेलू को उठाने के लिए मजदूर लगवाई थी और मजदूर कवेलू उठा रहे थे। तभी उसका बेटा चंदनसिंह केराम और बहू समली बाई केराम आए और बोलने लगे कि यह मेरा मकान है किससे पूछ कर कवेलू उठाने का काम करवा रही है। यह कहकर फूलमत बाई को दोनो को अश्लील गालियां देने लगे। फुलमत बाई ने अपने बेटे बहु को गाली देने से मना की तो तभी फुलमत बाई को उसकी बहू समली बाई ने हाथ बुक्के से मारपीट करने लगी और बेटा चंदनसिह केराम ने आंगन में पड़ी लकड़ी उठाया और अपनी मां फूलमत बाई को लकड़ी से मारपीट करने लगा। मारपीट करने से फुलमत बाई की पीठ कमर में चोंटे आई। मकान में काम करने वाले मजदूर मंगलू और संपत्त परते ने भी बचाव कर छुड़ाएं।इसके बाद फूलमत बाई रिपोर्ट करने जाने लगी। तब चंदनसिंह केराम और उसकी पत्नि ने समली। बाई ने रिपोर्ट करने जाने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। जिसके बाद फुलमत बाई अपने नाती भूपेंद्र तेकाम और राकेश तेकम के साथ रिपोर्ट करने के लिए मलाजखंड पुलिस थाना पहुंची मलाजखंड पुलिस ने मारपीट में घायल फुलमत बाई को बिरसा के अस्पताल में भर्ती करवाए और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके बेटे चंदनसिंह केराम और बहू समली बाई केराम के विरुद्ध धारा 115(2) 296 351(3) 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

58 वर्षीय वृद्धा की संदिग्ध स्थिति में मौत

कीटनाशक के सेवन से हुई या बीमारी से स्पष्ट नहीं

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिला अस्पताल में भर्ती एक वृद्धा की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। मृतिका केरा बाई पति स्व. मेहतलाल यादव 58 वर्ष ग्राम टेकाड़ी थाना भरवेली निवासी है। इस वृद्ध की कीटनाशक दवाई के सेवन से मौत हुई या बीमारी से अधिक पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। जिला अस्पताल पुलिस ने शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौप दिये है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम टेकाड़ी में केरा बाई यादव अपने परिवार के साथ रहती थी और मजदूरी करती थी। जिसके परिवार में एक बेटा और तीन बेटी है। तीनों की शादी हो चुकी है। परिवार में अन्य लोग मिलाकर करीब सात आठ लोग हैं। 8 अक्टूबर 11.30 बजे केरा बाई अपने घर के आंगन में धूप में खाट में सो रही थी। तभी परिवार के लोगों ने देखे केरा बाई के मुंह से झाग निकल रही थी। और कुछ बोल नहीं रही थी। परिवार के लोगों ने केरा बाई को पानी पिलाने के लिए खाट के नीचे रखी गिलास उठाये। गिलास मैं नीले रंग के दाने दिखाई दिए ।परिवार के लोगों ने केरा बाई को तुरंत 108 एंबुलेंस में जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जहां उपचार के दौरान 2.30 बजे उसकी मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही पश्चात केरा बाई का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये है। केरा बाई की मौत कीटनाशक दवाई के सेवन से हुई या फिर बीमारी से अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होने की संभावना है। जिला अस्पताल पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना भरवेली भिजवा दी है।

चरित्र शंका पर पत्नि को मारपीट कर घर से निकला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

एक शराबी व्यक्ति ने अपनी पत्नी के चरित्र पर शक करते उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया और घर आने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। यह घटना मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पौनी की है। मलाजखंड पुलिस ने ज्योति पति लोकेश राठौर 30 वर्ष वार्ड नंबर 7 पौनी निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति लोकेश पिता रोहित राठौर के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पौनी निवासी ज्योति राठौर मजदूरी करती है। जिसके परिवार में पति लोकेश राठोर के अलावा दो बच्चे हैं। बताया गया है कि लोकेश राठोर कोई काम धंधा नहीं करता और दिन-रात शराब पीते रहता है और। वह अपनी पत्नी ज्योति के चरित्र पर शक कर उसे आए दिन मारपीट और गालियां देकर उसे घर से निकल जाने कहते रहता था। सोमवार की रात 9-30 बजे ज्योति अपने दोनों बच्चे के साथ खाना खाने के बाद सोने जा रही थी। तभी उसका पति लोकेश राठोर शराब पीकर आया और ज्योति से विवाद करने लगा। लोकेश ने बिस्तर उठाकर फेंक दिया। ज्योति का कहना आया कि बिस्तर क्यों फेंक दिये। तभी लोकेश ने ज्योति को उसके चरित्र पर शक करते हुए उसे अश्लील गालियां देकर हाथ बुक्के से मारपीट करने लगा। ज्योति के चिल्लाने पर उसके दोनों बेटे गोल्डी और शुभ दौड़े और बीच बचाव किया। जिसके बाद लोकेश ने अपनी पत्नी ज्योति को घर से निकल जाने अन्यथा जान से खत्म करने की धमकी दे दी। ज्योति डर के कारण अपने बच्चों के साथ पड़ोस के घर में रात भर रुकी और घटना के संबंध में पड़ोसियों को बताई। लोकेश द्वारा मारपीट करने से ज्योति को हाथ कलाई एवं कान में चोंटे आई थी। मंगलवार को ज्योति रिपोर्ट करने के लिए मलाजखंड पुलिस थाना पहुंची। मलाजखंड पुलिस ने मारपीट में घायल ज्योति का इलाज मुलाहिजा बिरसा के अस्पताल में करवाये और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति लोकेश पिता रोहित राठौर के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में धारा 115(2) 296 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध कर लिया है।

नाबालिग के साथ छेड़छाड़ का फरार आरोपी लोकेंद्र गिरफ्तार

छात्रा को जंगल में ले जाकर की थी हरकत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की गढ़ी पुलिस ने पिछले माह एक नाबालिक छात्रा को जंगल में ले जाकर उसके साथ छेड़छाड़ करके फरार आरोपी को ग्राम नूनका टोला में उस समय गिरफ्तार कर लिये जब यह आरोपी डिंडोरी भागने की फिराक में था। गिरफ्तार आरोपी लोकेंद्र बंजारा उर्फ लोखू पिता कन्हैया बंजारा 28 वर्ष ग्राम परसामऊ थाना गढ़ी निवासी है। जिसे न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भिजवा दिया गया है। गढ़ी पुलिस के मुताबिक यह नाबालिक छात्रा शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला गढ़ी में पढ़ाई करती है। 11 सितंबर 2025 को यह छात्रा प्रैक्टिकल परीक्षा देकर अपने घर लौट रही थी। तभी लोकेंद्र बंजारा अपनी स्कूटी से इस छात्रा के पास आया और उसे घर छोड़ने के बहाने स्कूटी में बैठाकर ग्राम ब्राह्मणटोला कोयलीखापा के मध्य जंगल में बांस के फोटो लेने के बहाने ले गया था। लोकेंद्र बंजारा ने जंगल में इस नाबालिक छात्रा से छेड़छाड़ करने लगा। छात्रा के चिल्लाने पर लोकेंद्र बंजारा जंगल से फरार हो गया। इस छात्रा ने घर आकर इस घटना के संबंध में अपने परिवार वालो को बताई और रिपोर्ट करने के लिए अपने माता-पिता के साथ गढ़ी पुलिस थाना पहुंची थी। इस नाबालिक छात्रा द्वारा की गई रिपोर्ट पर लोकेंद्र बंजारा के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता और लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया था। लोकेंद्र बंजारा घटना दिनांक से फरार था। जिसकी लगातार तलाश की जा रही थी। 8 अक्टूबर को सूचना मिली कि ग्राम नूनका टोला में लोकेंद्र बंजारा देखा गया है और वह डिंडोरी भागने की फिराक में है। मुखबिर की इस सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्रसिह पन्द्रों के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्राम नूनका टोला में घेराबंदी कर लोकेंद्र बंजारा को गिरफ्तार कर लिये। जिससे घटना में प्रयुक्त स्कूटी एवं मोबाइल को जप्त किया गया। गिरफ्तार लोकेंद्र बंजारा को बैहर की अदालत में पेश कर दिया गया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है।

उपभोक्ताओं ने किया स्मार्ट मीटर का विरोध

बिजली विभाग, सरकार एवं कंपनी पर लगाये गंभीर आरोप , बिना उपभोक्ताओं की सहमति के लग रहे हैं स्मार्ट मीटर, आंदोलन की दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।
नगर मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों में बिजली विभाग के द्वारा पुराने मीटर हटाकर नये स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य किया जा रहा है और विद्युत विभाग व कंपनी के द्वारा प्रथम चरण में शासकीय कार्यालयों में स्मार्ट मीटर लगा दिये गये है एवं द्वितीय चरण में दुकानों व मकानों में स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य किया जा रहा है। बुधवार को विद्युत विभाग एवं कंपनी के कर्मचारी लालबर्रा बस स्टैण्ड स्थित दुकानों में स्मार्ट मीटर लगाने पहुंचे थे और कुछ दुकानों में स्मार्ट मीटर लगा भी दिये है। जिसका उपभोक्ताओं ने विरोध करते हुए विद्युत विभाग एवं कंपनी पर स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के बिना सहमति के लगाने, नही लगाने पर कनेक्शन काट देने सहित भाजपा सरकार पर गरीबों के साथ स्मार्ट मीटर लगाकर शोषण करने सहित अन्य आरोप लगाये है। वहीं उपभोक्ता एवं दुकानदारों का कहना है कि स्मार्ट मीटर के जरिए कंपनी न केवल अधिक बिल वसूलेगी बल्कि प्रीपेड व्यवस्था लागू करने की तैयारी में है, जिसमें उपभोक्ताओं को पहले भुगतान करना होगा, उसके बाद ही बिजली आपूर्ति मिलेगी। दुकानदारों व बिजली उपभोक्ताओं ने सरकार पर भी कंपनी के साथ मिलकर जनता के साथ छल करने का भी आरोप लगाया है और सरकार से मांग की है कि बिना सहमति किसी भी उपभोक्ता के घर या दुकान में स्मार्ट मीटर न लगाये और जो उपभोक्ता पुराने मीटर पर ही बिजली आपूर्ति चाहते हैं, उनके मीटर न बदले जाने एवं जिन उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर चाहिए, उनकी लिखित सहमति लेकर ही लगाये जाने की मांग की है। साथ ही बिना सहमति से जबदस्ती स्मार्ट मीटर लगाये जाते है तो आंदोलन करने की चेतावनी भी शासन-प्रशासन को दी है।

बिजली विभाग जबरन लगा रहे है स्मार्ट मीटर - मनीष

उपभोक्ता मनीष कुशवाहा ने बताया कि बिजली विभाग व कंपनी के कर्मचारी उपभोक्ताओं की बिना सहमति के उनके पुराने मीटरों को हटाकर जबरन स्मार्ट मीटर लगा रहे है। जिसका हम विरोध करते है, बिना लिखित स्वीकृति के मीटर को न बदला जाये। साथ ही यह भी बताया कि भाजपा पुंजीपतियों की सरकार है और कंपनी से मिलकर गरीबों के घरों में स्मार्ट मीटर लगाकर अधिक बिल वसूली कर गरीबों के जेब पर डाका डालने का काम कर रही है। श्री कुशवाहा ने बताया कि शासन के द्वारा प्रदेश के हर घर, प्रतिष्ठान में स्मार्ट मीटर लगाने के इस अभियान को ३१ मार्च २०२८ तक टाल दी गई है, मीटर में तकनीकी समस्याओं के चलते क्योंकि बिजली बिल में बेतहाशा वृध्दि हुई है और यह बिजली खपत मापने का एक यंत्र नही बल्कि वृहद विद्युत प्रणाली है, जिसका हम विरोध करते है।

धमकी देकर लगा रहे मीटर - रविन्द्र

रविन्द्र बिसेन ने बताया कि बिजली विभाग के द्वारा बिना सूचना दिए दुकानों में स्मार्ट मीटर लगाये जा रहे है एवं मना करने पर कर्मचारियों के द्वारा धमकी दी गई कि यदि आप दुकान में नहीं लगाओगे तो हम आपके नाम से खंबे में मीटर लगाकर चले जायेगें। इस तरह से मनमानी कर जबरन स्मार्ट मीटर लगा रहे है। यह मीटर लगने से प्रीपेड व्यवस्था लागू हो जायेगी, पहले बिल का भुगतान करना पड़ेगा उसके बाद ही बिजली मिलेगी जिससे उपभोक्ताओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

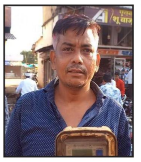

भाजपा सरकार लुटेरी सरकार है - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि प्रदेश की भाजपा सरकार लुटेरी सरकार है, जिनके द्वारा उपभोक्ताओं से मनमाना बिजली बिल वसूला जा रहा है और वर्तमान में उपभोक्ताओं के पुराने मीटर को बदलकर नये स्मार्ट मीटर लगाये जा रहे है। जिससे उनकी मनमानी और अधिक बढ़ जायेगी, साथ बिजली बिल भी अधिक आयेगा। यही वजह है कि उपभोक्ता इस स्मार्ट मीटर का विरोध कर रहे है और उनका विरोध करना पुरी तरह से जायज है। श्री खान ने बताया कि विद्युतकर्मी जबरन उपभोक्ताओं के घरों व दुकानों में स्मार्ट मीटर लगाये जा है जिसकी शिकायत करने पर उनके विरूध्द कार्यवाही हो सकती है। वही मेरे द्वारा जिला पंचायत की बैठक में इस बात को उठाया गया था तो जानकारी प्राप्त हुई थी कि शासकीय कार्यालयों के मीटर बदले जायेगे, ग्रामीण क्षेत्र के नही। लेकिन वर्तमान में सभी के पुराने मीटर बदलकर नये स्मार्ट मीटर लगाये जा रहे है जो गलत है, विद्युत विभाग से मांग है कि स्मार्ट मीटर लगाना तत्काल बंद करे।

स्मार्ट मीटर लगने से बिलिंग में आयेगी पारदर्शिता - सरफराज

दूरभाष पर चर्चा में कनिष्ठ यंत्री सरफराज कुरैशी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार प्रथम चरण में शासकीय कार्यालयों में स्मार्ट मीटर लगाये गये है और इस स्मार्ट मीटर लगाने के बारे में पूर्व में प्रचार-प्रसार भी किया गया है। साथ ही द्वितीय चरण में दुकानों एवं घरों में स्मार्ट मीटर लगाये जा रहे है, स्मार्ट मीटर लगने से बिलिंग में पारदर्शिता आयेगी। साथ ही यह भी बताया कि स्मार्ट मीटर एप के माध्यम से उपभोक्ता को यह भी पता चल जायेगा कि उनके द्वारा प्रतिदिन कितनी बिजली खपत की गई है और १५० यूनिट बिजली जलाने पर उन्हे सब्सिडी का लाभ भी शासन से मिलेगा। श्री कुरैशी ने बताया कि पुराने मीटर के स्थान पर नये मीटर लगाने के कार्य में अगर कोई व्यवधान उत्पन्न करते है तो उनके खिलाफ नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही भी की जायेगी। साथ ही स्मार्ट मीटर के प्रति भ्रामक जानकारी फैलाने वाले लोगों से उपभोक्ता सावधान रहे।

अखिल विश्व गायत्री परिवार लालबर्रा की बैठक संपन्न

बैठक में दिव्य ज्योति कलश यात्रा, भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा की तैयारी सहित अन्य बिन्दुओं पर की गई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर स्थित गायत्री प्रज्ञापीठ में मंगलवार को अखिल विश्व गायत्री परिवार की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक अखिल विश्व गायत्री परिवार लालबर्रा के ब्लाक समन्वयक विरेन्द्र बिसेन सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में वर्ष २०२६ में परम पूज्य गुरूदेव के आध्यात्मिक जन्म, शांतिकुंज में प्रज्वलित अखंड दीप के १०० वर्ष पूर्ण होने पर शांतिकुंज से दिव्य ज्योति कलश यात्रा निकाली जा रही है। यह दिव्य ज्योति कलश यात्रा ११ दिसंबर को लालबर्रा विकासखंड में पहुंचेगी और तीन दिन पूरे क्षेत्र का भ्रमण करेगी। इस यात्रा का जगह-जगह स्वागत करने, २६ से २८ अक्टूबर को भोपाल में आयोजित युवा चिंतन शिविर, ७ नवंबर को भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा आयोजित करने, पिछले वर्ष आयोजित की गई भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण करने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। वहीं सभी को संगठित होकर ११ दिसंबर को लालबर्रा विकासखण्ड में प्रवेश करने वाली शांतिकुंज की दिव्य ज्योति कलश यात्रा को गांव-गांव तक ले जाकर अखंड ज्योति के संस्थापक आचार्य पं. श्रीराम शर्मा की शिक्षा, विश्व शांति एवं मानव कल्याण के संदेश को हर व्यक्ति तक पहुंचाने की बात कही गई। अखिल विश्व गायत्री परिवार ब्लाक समन्वयक विरेन्द्र बिसेन ने बताया कि परमपूज्य गुरूजी पं. श्रीराम शर्मा जी के द्वारा वर्ष १९२६ में आरंभ की गई दिव्य ज्योति कलश के १०० वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शांतिकुंज से दिव्य ज्योति कलश यात्रा निकलने वाली है जो आगामी ११ दिसंबर को लालबर्रा विकासखण्ड में पहुंचेगी और तीन दिनों तक पूरे क्षेत्र में यह कलश यात्रा भ्रमण करेगी एवं जिस ग्राम से दिव्य ज्योति कलश भ्रमण करेगी उस स्थान पर गायत्री परिवार के द्वारा स्वागत किया जायेगा। साथ ही ७ नवंबर को भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा आयोजित की जायेगी इसलिए बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की गई है और इस दिव्य ज्योति कलश के माध्यम से गुरूदेव की शिक्षाओं और संदेश को हर व्यक्ति तक पहुंचाना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है। इस अवसर पर विरेन्द्र बिसेन, ठानुराम ठाकरे, बुध्दसिंह पारधी, चूड़ामन पटले, सालिगराम पटले, धनीराम बिसेन, सरवन चौहान, राजाराम कटरे, शिवलाल भगत, अरूण शुक्ला, जे.के.नीलबंशी, रोशनलाल, बालकिशोर ठाकरे, अरूण गोयल, अशोक तुरकर सहित अन्य गायत्री परिवार के सदस्यगण उपस्थित रहे।

महिला के गले से मंगलसूत्र छीनकर फरार हुए नाकाबपोश लुटेरे

पीड़ित महिला ने थाने में शिकायत कर अज्ञात लूटेरों को पकड़कर सख्त कार्यवाही करने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा थाने से ५०० मीटर दूर ग्राम अमोली स्थित जनपद स्कूल के आगे मोटरसाइकिल में सवार दो नाकाबपोश लुटेरों ने महिला के गले से सोने का मंगलसूत्र (पेंडल) छीनकर फरार हो गये। पीड़िता महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाकर अज्ञात नाकाबपोश लुटेरों को पकड़कर सख्त कार्यवाही करने एवं मंगलसूत्र वापस दिलवाने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमोली निवासी श्रीमती अनिता पंचेश्वर अपने परिवार के साथ मंगलवार को अपने रिस्तेदारी में बिभारी गई थी और रात ८ बजे बस से वापस लालबर्रा बस स्टैण्ड पहुंचने के बाद पैदल अपने पति व बेटी के साथ अमोली जा रहे थे। तभी करीब ८.३० बजे जनपद स्कूल के आगे बसंत चौबे के मकान के समीप पल्सर वाहन में खडे दो नाकाबपोश लुटेरों ने सुनेपन का फायदा उठाते हुए महिला के गले से मंगलसूत्र (पेंडल) छीनकर फरार हो गये। जिसके बाद महिला ने चोर-चोर चिल्लाने लगी तभी उनका पति एवं बेटी पीछे पलट कर देखे तो पल्सर वाहन में दो व्यक्ति नाकाब पहने हुए थे और तेज गति से मंगलसूत्र छीनकर फरार हो गये थे। जिनका पीछा महिला का पति ने किया लेकिन तेज गति में मोटरसाइकिल होने के कारण वे भागने में सफल हो गये। जिस समय यह लूट की वारदात घटित हुई है उस समय बारिश होने के कारण मार्ग सूनसान था और लुटेरे पहले से ही नाकाब बांधकर वारदात को अंजाम देने के लिए तैयार थे। जैसे ही महिला उस सड़क से अपने घर की ओर जा रही थी तभी नाकाबपोश लुटेरों के द्वारा मौके का फायदा उठाकर महिला के गले से मंगलसूत्र छीनकर दो पहिया वाहन से फरार हो गये और लूट के बाद महिला ने जोर-जोर से चिल्लाने लगी तो आसपास के लोग एकत्रित हो गये। जिसके बाद महिला ने उसके साथ घटित घटना की जानकारी दी एवं परिजनों के साथ थाने पहुंचकर अज्ञात लुटेरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। वहीं पुलिस ने अज्ञात नाकाबपोश लुटेरों के खिलाफ मामला पंजीबध्द कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

थाने से ५०० मीटर दुर हुई लूट की वारदात

वहीं शिकायत में महिला ने लूटकर ले गये मंगलसूत्र (पेंडल) की अनुमानित कीमत ७० हजार रूपये बताई है। इस तरह से थाने से महज ५०० मीटर की दुरी पर एवं घनी आबादी वाले क्षेत्र में अज्ञात नाकाबपोश लुटेरों के द्वारा इस लूट की वारदात को अंजाम दिया गया है। जिससे ऐसा लग रहा है कि लूटेरों को पुलिस का कोई डर नही है। स्थानीयजनों एवं पीड़िता महिला ने पुलिस प्रशासन से मार्ग किनारे लोगों के घरों में लगे सीसीटीव्ही कैमरे के फुटेज की मदद से नाकाबपोश लुटेरों को पकड़कर सख्य कार्यवाही करने की मांग की है।

आरोपियों को गिरफ्तार कर कठोर कार्यवाही करें पुलिस प्रशासन - अनिता

श्रीमती अनिता पंचेश्वर ने बताया कि मंगलवार की सुबह परिवार के साथ बिभारी गई थी और रात करीब ८.३० बजे लालबर्रा बस स्टैण्ड पहुंचने के बाद घर अमोली जा रहे थे। तभी जनपद स्कूल के आगे बसंत चौबे के मकान के समीप गली में मोटरसाइकिल में दो नाकाबपोश व्यक्ति खडे थे। जिनके द्वारा अचानक मेरे सामने आकर मेरे गले से मंगलसूत्र छीनकर भाग गये। जिनका पीछा भी किये लेकिन वे भागने में सफल हो गये। जिससे मुझे करीब ७० हजार रूपये का नुकसान हुआ है। पुलिस प्रशासन से मांग है कि नाकाबपोश लुटेरों को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करें।

सीसीटीव्ही कैमरे के फुटेज की जांच की जाये - बालकरण

पूर्व सरपंच, जनपद सदस्य प्रतिनिधि बालकरण पंचेश्वर ने बताया कि लालबर्रा थाने से ५०० मीटर दुर स्थित जनपद स्कूल के आगे रहवासी क्षेत्र में नाकाबपोश लुटेरों ने एक महिला के गले से मंगलसूत्र छीनकर भाग गये और लुटेरे पल्सर वाहन में थे एवं मुंह बंधा हुआ था इसलिए महिला पहचान नही पाई और वे काले कपड़े पहने हुए थे। जिससे ऐसा लग रहा है कि उन्होने सुनियोजित तरीके से इस घटना को अंजाम दिये है। श्री पंचेश्वर ने बताया कि यह लूटपाट की घटना मंगलवार की रात करीब ८.३० बजे की है, पुलिस प्रशासन से मांग है कि लालबर्रा बस स्टैण्ड से घटना स्थल के बीच में सड़क किनारे निवासरत कुछ लोगों के मकानों के सामने सीसीटीव्ही कैमरे लगे हुए है, उसकी फुटेज की जांच कर नाकाबपोश लुटेरों को गिरफ्तार कर कठोर कार्यवाही करें। इस घटना के बाद से ग्रामीणजन दहशत में है।

बोट्टा हुड़की में अवैध शराब विक्रय पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर महिलाओं ने किया चक्काजाम

पुलिस प्रशासन की समझाईश के बाद महिलाओं का आक्रोश हुआ शांत, अवैध रूप से शराब बेचने वाले पर कठोर कार्यवाही करने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग स्थित बोट्टा हुड़की में एक व्यक्ति के द्वारा अवैध रूप से शराब विक्रय किया जा रहा है। जबकि ग्राम को नशा मुक्त बनाने के लिए महिलाओं के द्वारा नशा मुक्ति समिति का गठन बोट्टा में किया गया है जिनके द्वारा ग्राम को नशा मुक्त बनाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। नशा मुक्ति समिति की महिलाएं बुधवार को बोट्टा हुड़की में अवैध रूप से शराब बेचने वाले दिलीप उइके के निवास पहुंचकर उसे शराब का विक्रय न करने समझाईश देने पहुंचे थे। लेकिन उसके द्वारा महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार कर एक महिला से मारपीट कर दिया गया। जिससे सभी महिलाएं आक्रोशित हो गई और लालबर्रा से सिवनी हाईवे मार्ग बोट्टा हुड़की में चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन कर अवैध रूप से शराब विक्रय करने वाले श्री उइके पर कठोर कार्यवाही की मांग पुलिस प्रशासन से की है। वहीं पुलिस को बोट्टा हुड़की में शराब विक्रय के विरोध में महिलाओं के द्वारा विरोध प्रदर्शन करने की जानकारी लगने पर तत्काल थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी पुलिस बल के साथ घटना स्थल पहुंचे और आक्रोशित महिलाओं को समझाईश दी कि वैधानिक कार्यवाही की जायेगी, विरोध प्रदर्शन समाप्त करें। लेकिन महिलाएं अवैध शराब विक्रय करने वालों पर कठोर कार्यवाही करने की मांग पर अड़े रहे। जिसके बाद थाना प्रभारी ने आक्रोशित महिलाओं को कार्यवाही करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद उनका आक्रोश शांत हुआ। वहीं महिलाओं के द्वारा अवैध शराब विक्रय के विरोध में किये गये चक्काजाम एवं विरोध प्रदर्शन के चलते लालबर्रा से सिवनी हाईवे मार्ग करीब आधे घंटे तक बंद रहा। ऐसी स्थिति में दोनों साईड चौपहिया सहित अन्य वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। जिससे आने-जाने वालों को कुछ परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। वहीं पुलिस प्रशासन के समझाईश के बाद महिलाओं का आक्रोश शांत हो गया है और आवागमन सुचारू रूप से प्रारंभ हो चुका है।

इनका कहना है

बोट्टा हुड़की में नशा मुक्ति समिति की महिलाएं अवैध रूप से शराब विक्रय न करने की मांग को लेकर एक व्यक्ति के पास गये थे तभी महिलाओं एवं उक्त व्यक्ति के बीच विवाद की स्थिति निर्मित हो गई थी। जिसके चलते महिलाएं आक्रोशित थी, जिसकी जानकारी लगने पर तत्काल घटना स्थल पहुंचकर महिलाओं को कार्यवाही करने आश्वास्त किया गया है। वहीं महिलाओं का आरोप है कि दिलीप उइके नामक व्यक्ति अवैध रूप से शराब विक्रय करता है, जिसे समझाने गये थे तो उसने मारपीट किया है, महिलाओं की शिकायत पर मामले की जांच कर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

सुनिल चतुर्वेदी
थाना प्रभारी
लालबर्रा।

आज बकोड़ा सांई मंदिर में निकलेगा सांई बाबा का डोला (पालकी)

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग ४ किमी. दूर ग्राम पंचायत बकोड़ा स्थित श्री शिरडी सांई नाथ मंदिर में सांई समिति बकोड़ा के तत्वाधान में ८ अक्टूबर से दो दिवसीय सांई बाबा की १०७ वीं पुण्यतिथि महोत्सव कार्यक्रम प्रारंभ हो चुका है। वहीं आज ९ अक्टूबर को शाम में मंदिर से सांई बाबा का डोला (पालकी) की शोभायात्रा निकाली जायेगी एवं रात ९ बजे से हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है। चर्चा में सांई समिति सांई ग्राम बकोड़ा के उपाध्यक्ष श्रीराम नागेश्वर ने बताया कि बकोड़ा स्थित श्री शिरडी सांई नाथ मंदिर में ८ अक्टूबर से दो दिवसीय सांई बाबा की १०७ वीं पुण्यतिथि महोत्सव कार्यक्रम प्रारंभ हो चुका हैं। जिसमें प्रथम दिन प्रातः ५ बजे सुप्रभातम, नगर संकीर्तन, अभिषेक पुजन, शाम ६ बजे सांई भजन एवं रात में पीएम श्री हाई स्कूल बकोड़ा का सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न हुआ है। श्री नागेश्वर ने बताया कि ९ अक्टूबर को प्रातः ५ बजे सुप्रभातम, नगर संकीर्तन, अभिषेक पुजन, दोपहर १२ बजे से हवन-पूजन के बाद महाप्रसादी का वितरण किया जायेगा एवं शाम में सांई बाबा का डोला (पालकी) की शोभायात्रा निकलेगी एवं रात ९ बजे से हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है। जिसमें कवि अंतु झकास, मुकेश मनमौजी, माधुरी किरण, प्रदीप स्वामी, लक्ष्मीचंद ठाकरे, दिनेश मानसुन, संजय अश्क के द्वारा एक से बढ़कर एक हास्य व्यंगों की प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील सांई समिति सांई ग्राम बकोड़ा के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष श्रीराम नागेश्वर सहित अन्य पदाधिकारियों ने की है।

मटन मार्केट स्थानांतरण के विरोध में सड़क पर उतरे वार्डवासी

वारासिवनी में विरोध : अंयन्त्र स्थान पर मार्केट बनाए जाने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
नगर के वार्ड नंबर ९ अयोध्या बस्ती स्थित बोड़ी तालाब के किनारे मटन मार्केट निर्माण का वार्ड वासियों के द्वारा ८ अक्टूबर को विरोध किया गया। मौके पर सफाई कार्य करने पहुंचे जेसीबी को रुकवा कर काम कर रहे लोगों रोक दिया गया। इसमें मटन मार्केट के निर्माण के बाद उनको होने वाले नुकसान के बारे में बताते हुए अपना आक्रोश भी व्यक्त किया जाता रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पालिका के द्वारा बोडी तालाब वार्ड नंबर ९ अयोध्या बस्ती के किनारे कुछ मकान बने हुए हैं जहां लोग निवास करते हैं। उन मकान के आगे खाली स्थान है और उसके ठीक पीछे लाइन से लोगों के मकान है और पूरी बस्ती बसी हुई है। उस आधे खाली स्थान पर परिसर बनाकर मटन मार्केट वर्तमान स्थान से स्थानांतरित करने के लिए निर्णय लिया गया है। जिसके लिए ८ अक्टूबर की सुबह नगर पालिका के माध्यम से जेसीबी को भेज कर साफ सफाई करवाने का कार्य किया जा रहा था। इसी दौरान वार्ड वासियों के द्वारा उक्त कर्मचारियों से पूछताछ की गई जिनके द्वारा मटन मार्केट इस स्थान पर निर्माण किए जाने की बात बताने पर वार्डवासी आक्रोशित हो गए और उनके द्वारा कार्य को बंद करवारकर मौके पर जमकर आक्रोश व्यक्त किया गया। इसके बाद कर्मचारियों के द्वारा जेसीबी खड़ी कर वह सभी वापस लौट गए।

हमें गंदगी नहीं चाहिए मटन मार्केट यहां पर नहीं बनना चाहिए-राधिका करकाड़े

वार्डवासी राधिका करकाड़े ने बताया कि हमें गंदगी नहीं चाहिए मटन मार्केट यहां पर नहीं बनना चाहिए। पीछे हमारा घर है छोटे छोटे बच्चे हैं उनके स्वास्थ्य पर खराब प्रभाव पड़ेगा आवारा कुत्ते घूमते हैं। पहले यहां पर भवन बनाने की बात कही गई थी अब मटन मार्केट खोलने की बात बोल रहे हैं जब भवन बोला है तो भवन बनाएं। हमें मार्केट से परेशानी होना है छोटे.छोटे बच्चे हैं गंदगी बनी रहेगी स्वास्थ्य पर असर पड़ेगा।

नपा यहां पर मटन मार्केट ला रही है जो गलत है-प्रमिला वाल्मीक

वार्डवासी श्रीमती प्रमिला वाल्मीक ने बताया कि हम यहां पर आपत्ति उठा रहे हैं कि नगर पालिका यहां मटन मार्केट ला रही है। पहले से यहां पर नाली नहीं है साफसफाई नहीं होती है आगे जब मटन मार्केट आ जाएगा तो गंदगी और ज्यादा हो जाएगी लोग बीमार होंगे उसके लिए कौन जिम्मेदार होगा। यहां पर बुलडोजर वाले आए थे उन्होंने हमें बताएं की मटन मार्केट यहां बनना है इन्हें नगर पालिका के द्वारा भेजा गया था। पार्षद का कहना है कि हमें यह नहीं पता है प्रवीण डोंगरे हमारा पार्षद है। हम गरीब लोग हैं यहां पर सामुदायिक भवन बने ताकि हम अपने बच्चों के सामाजिक कार्यक्रम कर सकें। ऐसे में हमें सहायता होगी परंतु मार्केट बनाने से हमें परेशानी ही है।

रहवासी स्थान पर नही बनने देंगे मटन मार्केट-नंदकिशोर पांडे

नंदकिशोर पांडे ने बताया कि नगर पालिका ने तीन जगह निर्धारित की थी मटन मार्केट के लिए पहले मछली मार्केट के पीछे फिर आंगनबाड़ी के पास और अब यह रहवासी स्थान पर लाये हैं। यहां हमारे बच्चे आना.जाना करते हैं मटन मार्केट में ७० कुत्ते घूमते हैं यदि मार्केट यहां पर आएगा तो गंदगी भी आएगी। जब मार्केट बंद रहेगा तो यह कुत्ते हमारे बच्चों को दौड़ाएंगे अभी भी यही स्थिति है बाद में भी यही स्थिति होना है। नगर पालिका की यह जमीन बताते हैं कोई रजिस्ट्री की जमीन बताते हैं अभी स्पष्ट नहीं है हमारा पट्टे का भी विवाद यहां चल रहा है।

लापता ८ वर्षीय अर्श खैरो दूसरे दिन भी नहीं मिला

एसडीआरएफ का सर्च ऑपरेशन जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
नगर की चंदन नदी में चंदन घाट और कबीर घाट के बीच नदी में नहाने के दौरान लापता हुए युवक अर्श खैरो का पता दूसरे दिन भी पता नहीं चल पाया। लगातार एसडीआरएफ टीम, वारासिवनी पुलिस टीम ,रामपायली पुलिस टीम तीनों टीम के द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाया गया। किंतु २४ घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी कोई सफलता प्राप्त नहीं हो पाई है । मामले में टीम बढ़ाकर सघंन सर्च अभियान चलाने की बात पुलिस अधिकारियों के द्वारा कही जा रही है।

४ बालक साथ में नदी नहाने गये थे

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के किनारे से गुजरने वाली चंदन नदी में नगर के वार्ड नंबर ११और १२ के चार बालक ७ अक्टूबर की दोपहर में स्नान करने के लिए गए हुए थे। जहां अचानक एक बालक लापता हो गया यह देख उसके साथी तीनों बालक अपने कपड़े पहनकर और लापता बालक के कपड़े पड़कर दौड़कर चंदन नदी के चंदन घाट पर पहुंचे। जहां कपड़े धुल रही महिला के पास कपड़े फेंक कर बालक दिखने की बात पूछी इसके बाद वह बचाव बचाव कहकर भागने लगे। यह घटना महिला के द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष पति मनोज दांदरे को बताई गई थी। जिसके बाद से पुलिस विभाग एवं बालाघाट से पहुंचे एसडीआरएफ के द्वारा देर शाम तक सर्च ऑपरेशन चलाया गया। परंतु लापता बालक का कोई पता नहीं चल पाया इस दौरान बालकों के द्वारा फेके गए कपड़े से शिनाख्त की गई तो वह वार्ड नंबर ११ बेरबन मोहल्ला निवासी नदीम खैरो के द्वारा उसके बालक अर्श खैरो के कपड़े होने की पुष्टि की गई। ऐसे में अंधेरा होने पर सर्च ऑपरेशन बंद कर ८ अक्टूबर को पुनः सुबह से सर्च ऑपरेशन किया गया जिसमें पूरा दिन बीते जाने के बाद भी कोई सफलता प्राप्त नहीं हो पाई है।

२७ घंटे बाद भी हाथ खाली

नदी में युवक के लापता होने की घटना ७ अक्टूबर की दोपहर करीब ३ बजे की बताई जा रही है। जिसके बाद घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस विभाग के द्वारा मौके पर जांच और तलाश अभियान प्रारंभ कर दिया गया था। तो वहीं नगर पालिका अध्यक्ष पति मनोज दांदरे के द्वारा मौके पर वार्ड के ढीमर और मरार समाज के गोताखोरों से तलाश पतासाजी की जा रही थी। इसके बाद एसडीआरएफ ने मोर्चा संभाला पहले दिन पता नही चलने पर ८ अक्टूबर को पुन: सर्च ऑपरेशन चालू किया गया। जिसमें घटना स्थल के आसपास ३ किलोमीटर तक सघंन चेकिंग की गई परंतु कोई पता नही चलने पर इस चेकिंग का दायरा भी आगे बढ़ाया गया। इसमें पहले फेस मेहंदीवाड़ा से मेहदोली तक जांच की गई और दूसरे फेस मे मेहदोली से सिंगोड़ी ,रामपायली के करीब तक सर्च किया गया। इस दौरान पुलिस प्रशासन के द्वारा नदी के पूरे रास्ते में आस पड़ोस में आवारा श्वान या किसी जानवर के द्वारा शव को क्षति पहुंचाने के विषय को ध्यान में रखते हुए भी झाड़ियां सहित विभिन्न स्थानों की जांच की जाती रही। परंतु वहां भी कुछ नहीं मिल पाया ऐसे में एसडीआरएफ के द्वारा शाम होते ही सर्च अभियान बंद कर दिया गया। ९ अक्टूबर की सुबह से पुन: यह सर्च अभियान प्रारंभ किया जाएगा।

इनका कहना है

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि सूचना के बाद से लगातार लापता युवक की तलाश की जा रही है। एसडीआरएफ को अभी तक सफ्लता नहीं मिली है मेहदोली और रामपायली के पास तक के जांच की जा चुकी है। परंतु नदी में कुछ नहीं मिला है वहीं नदी के आसपास भी लगातार जांच की जा रही है इसमें तीन टीम लगाई गई थी। एसडीआरएफ की टीम बढ़ाई जाएगी इस सर्च ऑपरेशन में बोट और गोताखोर दोनों के माध्यम से तलाशी की जा रही है।

अभिषेक चौधरी
एसडीओपी वारासिवनी

अधिष्ठा और अनुष्का के भजन संध्या का हुआ आयोजन

दोनों गायिका बहनों ने दी भजनों की शानदार प्रस्तुति

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
नगर के जय स्तंभ चौक पर मां अंजनी पुत्र सेवा दल वारासिवनी के तत्वाधान में संगीतमय भजन संध्या का कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, चोला धारण कर्ता शिवम् बुधरानी ,अध्यक्ष अमन पटेल की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। यह आयोजन पानीपत की परंपरा के तहत हनुमान जी के स्वरूप के तीन वर्ष सफलता पूर्वक पूर्ण होने पर किया गया। जिसमें भगवान सालासर बालाजी और खाटू श्याम का दरबार लगा कर विधि विधान से पूजा अर्चना करने के बाद कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। तत्पश्चात देश में भजन संध्या के लिये ख्याति प्राप्त अधिष्ठा और अनुष्का के द्वारा संगीतमय प्रस्तुती दी गई। जहां उन्होंने संगीतमय भजनो का वाचन करने के साथ बाबा के दरबार में हाजरी लगाकर अन्य भजनों की शानदार एवं मनमोहक प्रस्तुती दी गई। कार्यक्रम के अंत में आरती कर कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नगर वासियों सहित गणमान्य नागरिकों ने उपस्थिति दर्ज कराकर देर रात्रि तक कार्यक्रम का आनंद उठाया।

खाटू श्याम सालासर बालाजी के भजनों से गूंजा नगर

ख्याति प्राप्त भजन गायिका दोनों बहने अधिष्टा और अनुष्का के द्वारा प्रारंभ से ही बाबा खाटू श्याम और बाबा सालासर बालाजी के भजनों की प्रस्तुती प्रारंभ की गई। जिसमें उनके द्वारा लगातार अनेकों भजनों कि मनमोहन पर शानदार प्रस्तुती बारी बारी से दी जाती रही। इस दौरान पूरा नगर उनके भजनों की गूंज से गुंजायमान होता रहा कार्यक्रम में उपस्थित लोगों के द्वारा भी तालियां बजाकर हाथ उठाकर भजनों को दोहराया जाता रहा। पूरे कार्यक्रम में सबसे ज्यादा युवाओं के उत्साह को देखकर प्रतीत हुआ की नगर में अब धर्म के विषय में एक नयी बहार देखने को अवश्य मिलेगी।

बालाजी और बाबा श्याम का लगा दरबार

कार्यक्रम के स्टेज पर सालासर बालाजी और बाबा खाटू श्याम का मनमोहन दरबार लगाया गया। जहां पर ऊपर एक बड़ी सी बालाजी का छायाचित्र और नीचे खाटू श्याम का छायाचित्र लगाया गया। जहां विधि विधान से पूजा अर्चना कर हवन की आहुति दी जाती रही। ऐसे में भजनों के कलाकार अधिष्टा और अनुष्का के द्वारा लगातार भजन के माध्यम से बाबा खाटू श्याम सालासर बालाजी बाबा महाकाल राधा कृष्ण सहित अन्य भगवानों के दरबार में अर्जी लगाकर उनके मनमोहन भजनों की शानदार प्रस्तुति दी गई। जहां कार्यक्रम के अंत में उक्त दरबार में विधि विधान से आरती करने के उपरांत कार्यक्रम का समापन किया गया।

युवाओं ने जमकर किया नृत्य

मां अंजनी पुत्र सेवादल के द्वारा आयोजित संगीतमय भजन संध्या कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में युवाओं के द्वारा कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कराकर भजनों पर जमकर नृत्य भी किया जाता रहा। वहीं भजनो के द्वारा समस्त भक्तों को उनके स्थान पर ही हाथ उठाकर आनंद लेने और भक्ति की धारा में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जाता रहा।

विपरीत परिस्थिति में भी सफल हुआ कार्यक्रम

जय स्तंभ चौक पर मां अंजनी पुत्र सेवादल के सफलतम ३ वर्ष होने पर ख्याति प्राप्त भजन गायिका अधिष्टा और अनुष्का का कार्यक्रम आयोजित किया गया । परंतु इस दौरान शाम को पूरी तैयारी होने के बाद वरुण देव की आमद हुई और तेज बारिश का दौर करीब २ घंटे तक चला। इसके बाद कार्यक्रम पोस्टपोन करने की बात कही जा रही थी। तभी रात्रि करीब १०.३० बजे देर से कार्यक्रम प्रारंभ किया ११ बजे तक भारी संख्या में लोग कार्यक्रम में उपस्थित हो चुके थे। जिन्होंने पूरे कार्यक्रम को सफल बना दिया और विपरीत परिस्थितियों का एहसास भी होने नहीं दिया। जहां मंच के माध्यम से अधिष्टा और अनुष्का के द्वारा करके इशारों में बुलाई गई रे बरसाने की छोरी, हारा हूं बाबा पर तुझ पर भरोसा है, जो भी दिल से पुकारे तुझको उसकी विपदा पल में टली जय जय जय बजरंगबली सहित अन्य भजनों की प्रस्तुती दी जाती रही।

युवाओं को धर्म से जोड़ने का किया जा रहा कार्य

नगर के युवाओं के द्वारा ३ वर्ष पूर्व पानीपत की परंपरा हनुमान जी महाराज के स्वरूप दशहरे के अवसर पर निकालने की चालू की गई। बालाघाट में यह परंपरा पहले से है जिसे देखने के लिए जाते थे परंतु अब स्थानीय स्तर पर हनुमान जी महाराज के स्वरूप को निकाला जाता है। जिसमें समिति सदस्यों ने बताया कि यह आयोजन का और इस परंपरा को प्रारंभ करने का उद्देश्य है कि युवा पीढ़ी धर्म से जुड़े और भगवान से जुड़े रहे। जिसके चलते बहुत ज्यादा प्रतिसाद मिल रहा है लगातार नगर सहित क्षेत्र के युवा मां अंजनी पुत्र सेवा दल से जुड़ते जा रहे हैं। जो भक्ति भाव के साथ अपने कार्यों में लगे रहते हैं हम चाहते हैं कि युवा वर्ग गलत रास्ते में ना जाये।

नगर के युवा सही दिशा में चल रहे है-प्रदीप जायसवाल

प्रदीप जायसवाल ने कहा कि पिछली बार देखा हमने घनघोर बादल थे बालाजी का भजन चालू हुआ और कार्यक्रम सफल रहा। इस वर्ष भी हमारी दोनों बहनों ने बालाजी और बाबा श्याम के भजन चालू किया बदल साफ हो गए चंद्रमा स्पष्ट दिखाई दे रहा है। शरद पूर्णिमा आज है चांद की शीतलता और मां लक्ष्मी का आशीर्वाद आप सभी तक पहुंचे। भाई अमन पटेल और मां अंजनी पुत्र सेवा दल के सभी सदस्यों को बधाई शिवम बुधरानी एक माह की तपस्या कर हनुमान बने थे। उनकी तपस्या का भी परिणाम रहा की सफल कार्यक्रम हुआ और हनुमान जी यहां अवतरित हुए। अधिष्टा और अनुष्का ने बेहतर कार्यक्रम दिया यह तीसरा वर्ष है सभी को बधाई हमारे नगर के ५०० से अधिक बच्चे इस कार्यक्रम से जुड़े हुए हैं। नगर में सकारात्मक शक्ति काम कर रही है यह हर क्षेत्र में लगे हुए हैं हम निश्चित है कि हमारे युवा सही दिशा में चल रहे हैं।

सम्राट नगर दुर्गा उत्सव का लक्की कूपन ड्रा आज

प्रसिद्ध भजन गायिका शहनाज अख्तर देंगी भजनों की प्रस्तुति

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
नगर के सिविल क्लब मैदान में ९ अक्टूबर को सम्राट नगर दुर्गा उत्सव समिति के लक्की कूपन ड्रॉ खोला जायेगा है। यह कार्यक्रम देश की ख्याति प्राप्त प्रसिद्ध भजन गायिका शहनाज अख्तर के कार्यक्रम के साथ किया जाएगा। जिसमें प्रसिद्ध भजन गायिका के द्वारा शानदार मनमोहक अपने भजनों की प्रस्तुती दी जाएगी। सम्राट नगर दुर्गा उत्सव समिति का यह ३६ वॉ वर्ष है जिसे ऐतिहासिक बनाने का कार्य समिति के द्वारा किया जा रहा है।

नवरात्र महोत्सव का हुआ आयोजन

सम्राट नगर दुर्गा उत्सव समिति के द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी हर्ष उल्लास के साथ नवरात्र पर्व मनाया गया। जिसमें माता रानी का विशाल दरबार सजाकर आकर्षक मां भगवती की प्रतिमा विराजित की गई। जिसमें नवदुर्गा के रूप में मां भगवती की ९ प्रतिमाएं विराजित की गई थी जो आकर्षण का केंद्र रही। तो वहीं २३ सितंबर से २ अक्टूबर २०२५ तक लाइव गरबा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बाहर के कलाकारों ने प्रस्तुती दी और नगर के लोगों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर गरबे के माध्यम से आराधना कर धर्म लाभ अर्जित किया। जहां ३ अक्टूबर को मां भगवती की प्रतिमा विसर्जन कर नवरात्र पर्व का समापन किया गया।

किसे मिलेगा माता रानी का आशीर्वाद

सम्राट नगर दुर्गा उत्सव समिति के द्वारा यह दूसरी बार लक्की ड्रा का आयोजन किया गया है। जिसमें आकर्षक इनामो की श्रृंखला रखी गई है जो लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। इसमें प्रथम इनाम स्पोर्ट बाइक ,दूसरा इनाम स्कूटर सहित अन्य इनाम जैसे कूलर ,टीवी ,फ्रिज ,वाशिंग मशीन ,मिक्सर, प्रेस एवं अंत में १११ संतावना पुरस्कार शामिल है। यह लक्की ड्रॉ शहनाज अख्तर के कार्यक्रम के माध्यम से खोला जाएगा जिसमें बच्चों के हाथों से नंबर निकाल कर भाग्यशाली विजेता की घोषणा की जाएगी।

शहनाज अख्तर का वारासिवनी में आज होगा आगमन

समिति सदस्यों ने बताया कि नवरात्र पर्व उत्साह के साथ मनाया गया २२ सितंबर को माता की स्थापना कर नौ रूपों की आराधना लगातार की गई। १ अक्टूबर को हवन पूजन और भंडारा कर ३ अक्टूबर को माता का विसर्जन किया गया। इस दौरान १० दिन भव्य गरबे का आयोजन हुआ भव्य पंडाल का निर्माण किया गया । बड़ी संख्या मे दूर दराज से लोग माता रानी के दर्शन के लिए पहुंचते रहे ऐसे में लक्की ड्रा भी रखा गया । यह दूसरी बार कूपन रखा गया है इसके पहले वर्ष २०१८ में लक्की ड्रा रखा गया था जिसमें शहनाज अख्तर का कार्यक्रम रखा गया था। इस बार पुन: दूसरी बार लक्की ड्रा रखा गया है जिसमें शहनाज अख्तर को पुन: आमंत्रित किया गया है। ऐसे में समिति के द्वारा यह दूसरी बार भजन गायिका शहनाज अख्तर को बुलाया गया है। नगर सहित क्षेत्र के लोगों से अपील है कि वह आधिकाधिक संख्या में कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम का आनंद ले।

संपादकीय

कानून के घर में इतनी जुर्रत!

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जिन लोगों से संविधान और कानून की रक्षा, उसकी मजबूती के लिए काम करने की उम्मीद की जाती है, वही अपनी कुंठाओं का प्रदर्शन करते हुए सारे नियम-कायदे ताक पर रख दें।

सर्वोच्च न्यायालय में बीते सोमवार के दिन प्रधान न्यायाधीश के साथ एक वकील ने जो किया, उससे यह तीखा सवाल उठा है कि ऊंची पढ़ाई-लिखाई करके वकालत का पेशा चुनने वाला एक व्यक्ति कैसे अपने दुराग्रहों की वजह से कानून और न्याय-प्रक्रिया को अपमानित कर सकता है। गौरतलब है कि एक वकील ने कार्यवाही के बीच में ही प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की ओर सिर्फ इसलिए जूता उछालने की कोशिश की कि उसके दिमाग पर सोशल मीडिया पर फैलाई गई कोई बात हावी हो गई थी। सरकार की ओर से हर स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था एक मुद्दा दिखने के बावजूद अदालत के भीतर इसका ढांचा कैसा था कि एक व्यक्ति अपनी मनमानी को लेकर बेखौफ था। गनीमत बस यह रही कि आरोपी की हरकत सीमित थी, वरना वहां कुछ भी हो सकता था।

> दरअसल,आजकल सोशल मीडिया पर प्रधान न्यायाधीश के एक बयान की मनमानी व्याख्या करके उसे फैलाया गया और उसके प्रभाव में आए लोगों ने इस पर सोचने-समझने या विवेक का उपयोग करने की जरूरत नहीं समझी।

सवाल है कि जिस व्यक्ति के भीतर विवेक इस कदर अनुपस्थित हो गया हो कि वह अदालत में ही प्रधान न्यायाधीश के प्रति आक्रामक हो गया, वह इससे ज्यादा हिंसक नहीं होगा, इस बात की क्या गारंटी है। इस मसले पर सोशल मीडिया पर फैलाई गई बातों के असर में इस तरह बेलगाम और आक्रामक होना इस बात का भी सूचक है कि ऐसे व्यक्ति का विवेक सामान्य तरीके से काम नहीं कर पा रहा है और वह कानून के तंत्र एवं शासन के बजाय हिंसा का रास्ता अख्तियार करना ज्यादा सही मानता है। शायद यही वजह है कि प्रधान न्यायाधीश ने भले ही उदारता दिखाते हुए आरोपी व्यक्ति के प्रति नरमी बरती, लेकिन सुप्रीम कोर्ट बार काउंसिल ने आरोपी वकील का लाइसेंस (सनद)जब्त कर उसे निलंबित कर दिया। मगर इस घटना की गंभीरता को समझते हुए ही खुद प्रधानमंत्री सहित अन्य कई बड़े नेताओं ने इसे निंदनीय बताया और चिंता जाहिर की।

हैरानी की बात है कि उस सिरफिरे आरोपी ने अपनी मनमानी करने का जो कारण बताया, उससे यह साफ है कि वकील होने के बावजूद उसकी नजर में कानून या न्याय प्रणाली की कोई अहमियत नहीं है। दरअसल,आजकल सोशल मीडिया पर प्रधान न्यायाधीश के एक बयान की मनमानी व्याख्या करके उसे फैलाया गया और उसके प्रभाव में आए लोगों ने इस पर सोचने-समझने या विवेक का उपयोग करने की जरूरत नहीं समझी। आरोपी वकील ने जिस सनातन के कथित अपमान की बात की, क्या वह उसे आक्रामकता और हिंसा का सहारा लेने का संदेश देता है? इस समूचे मामले में सोशल मीडिया की जैसी भूमिका सामने आई, वह भी बेहद चिंताजनक और बहसतलब है। विवाद के संदर्भ में प्रधान न्यायाधीश ने साफ कहा था कि उनकी बातों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया, लेकिन अफसोसनाक है कि उसी मनमानी से प्रभावित होकर कुछ लोगों ने उनके खिलाफ धारणा बना ली। आजकल सोशल मीडिया पर जिस तरह बिना कुछ सोचे-समझे किसी बात की गलत व्याख्या करने और उसके जरिए व्यापक स्तर पर धारणा बनाने का चलन देखा जा रहा है, उसके घातक नतीजे सामने आ रहे हैं। एक ऐसा माहौल बनाया जा रहा है, जिसमें विचार, बहस और विवेक के उपयोग की जगह हिंसक मनोवृत्ति का उभार देखा जा रहा है। यह स्थिति देश के लोकतंत्र और कानून के लिहाज से बेहद चिंताजनक है।

कहां गए वे दिन

कभी-कभी भी-कभी लगता है कि काश, फिर से अपने पुराने दिन लौट आते। ये दिन, जय गांव या मोहल्ले के कोई बुजुर्ग राह चलते किसी साइकिल सवार को रोक कर उसे साथ बिठा कर ले चलने का आदेश दे देते थे। आज किसी से निवेदन करते हुए भी डर लगता है कि कहीं वह मना न कर दे। अगर बैठा भी लिया तो दिमाग में यह चलता रहता है कि किसी सही आदमी के साथ बैठे हैं या नहीं। जबकि उस समय ज्यादातर साइकिल वाले खुद ही रोक कर बाबा या चाचा बोल के बैठा लेते थे। ये मंजर कम से कम आज से बीस साल पहले तक मौजूद रहा। अब यह गांव में तो दिखता ही नहीं है, और शहर तो शहर ही है! आज जब किसी किशोरी को स्कूल जाते समय कुछ लोगों द्वारा अगवा कर लिया जाता है, किसी से छेड़खानी या फिर बलात्कार की खबर आती है, तब भी अपने पुराने दिन याद आते हैं, जब पूरे मोहल्ले के या गांव के लड़के-लड़कियां साथ पैदल या साइकिल से स्कूल जाते थे। सभी के बीच बस एक ही संबंध होता था, भाई और बहन का या फिर एक दूसरे का खयाल रखने का। ऐसे में मजाल या कि कोई उसे छेड़ दें। अगर किसी को किसी से इश्क या प्यार जैसा कुछ महसूस भी होता था तो समाज के वरिष्ठ उसे संभाल लेते थे।

आज के दौर में किसी बच्ची या किशोरी के अपहरण या उससे छेड़खानी या बलात्कार की खबर आती है तो पुराने दौर में कम संसाधनों और तकनीक के बावजूद व्यवस्था के काम करने के तौर-तरीके याद आते हैं। एक घटना की याद आती है, जिसमें एक बार अपने मोहल्ले के कक्षा आठ में पढ़ने वाला छात्र और कक्षा बारह की छात्रा साथ में कालेज गए। उस दिन छात्रा से एकतरफा प्यार के चलते दूसरे मोहल्ले के एक लड़के ने अपने प्यार का इजहार कर दिया। इसकी सूचना दूसरे दिन कालेज जाते समय सभी लड़के, लड़कियों को पता चली। सबने मिल कर एक तयशुदा कार्यक्रम के तहत उस लड़के की 'खातिरदारी' कर दी। सबसे दिलचस्प बात यह रही कि इस बात को लड़कों या लड़कियों ने अपने घर में किसी को नहीं बताया। हालांकि घर वालों को यह बात पता चल गई। पर किसी के अभिभावक ने इसकी बाबत बच्चों से बात नहीं की, क्योंकि उन्हें लगा था कि बच्चों ने जो किया सही किया है।

प्रशंसा सुनना मनुष्य की खूबी है या कमी? इसे समझाना थोड़ा मुश्किल है। यह कभी-कभी व्यक्ति के लिए जहां जरूरी होती है, वहीं कभी-कभी घातक भी। अक्सर प्रशंसा से बढ़िया काम करने वालों के हौसले बढ़ते हैं, वहीं इसके उलट जब कोई काम समाज को तोड़ने, अंधविश्वास बढ़ाने या मूढ़ बनाने के लिए हो, तब इसका निषेध आवश्यक हो जाता है। इन दिनों चाटुकारिता और झूठी प्रशंसा सर्वत्र देखी जा सकती है। यहां इसका इतना प्रभाव पड़ चुका है कि सरकार बदलते ही अफसरों की निष्ठा रातोंरात बदल जाती है तो सामाजिक संगठनों के उद्देश्य भी। सत्ता में बिराजे दल के नेताओं को जो भी पसंद हो, उसी के अनुरूप नौकरशाही काम करने लगती है। ऐसे चलन के चलते सबसे ज्यादा नुकसान कर्मठ लोगों को उठाना पड़ रहा है, क्योंकि उन्हें बिना मतलब किसी के सामने खुशामद नहीं करनी नहीं आता।

ऐसा भी नहीं कि इस तरह के अपनेपन के आवरण में लिपटी चालाकी लोगों को पता नहीं चलती। फिर भी कुछ लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं। इसी बड़प्पन के चलते ऐसे स्वार्थी तत्वों का हौसला चढ़ जाता है। वे मान बैठते हैं कि सामने वाला मूर्ख है। उससे जो चाहे, काम करवाया जा सकता है। सहृदयता के साथ निस्वार्थ भाव अभी भी दुर्लभ नहीं है। दुर्लभ है तो व्यक्तिगत वैर्य की सीमा, जिसके चलते सभी को सब कुछ तुरंत चाहिए।

- संजय दुबे

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने हाल में अपनी स्थापना के सौ साल पूरे होने का जश्न मनाया है। इस अवसर पर, संघ ने अपनी पिछली उपलब्धियों पर चिंतन किया और अगले एक सौ वर्षों के लिए अपनी भावी योजनाओं को भी स्पष्ट किया। यह विश्व का सबसे बड़ा ऐसा संगठन बन गया है, जो सीधे तौर पर राजनीति में नहीं है, लेकिन उसका व्यापक असर है। देश भर में संघ की शाखाओं की संख्या 40,000 से बढ़कर 83,000 से ज्यादा हो गई है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इसके कई ऐतिहासिक लक्ष्य धारा 370 का उन्मूलन और राम मंदिर निर्माण सड़क पर हुए आंदोलन से नहीं, बल्कि सरकारी कार्रवाई से पूरे हुए हैं, जो संघ और भाजपा के बीच सहज संवाद और समन्वय का संकेत है। संगठन अब पीढ़ीगत बदलाव के बीच आगे बढ़ाने का रास्ता निकालने की तैयारी में पारदर्शिता के साथ जुटा है। इसी विषय पर जायजा लेता सरोकार -

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : सौ बरस संघर्ष के

राजनीति में मजबूत दखल, खुलेपन के साथ पीढ़ीगत बदलाव की पारदर्शी तैयारी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे कर लिए हैं। संघ अब विश्व का सबसे बड़ा ऐसा संगठन बन चुका है जो प्रत्यक्ष रूप से राजनीति में तो नहीं है, लेकिन दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाता है। संघ के सदके सरकार है देश में। यह संगठन अपने विरोधियों और समर्थकों, दोनों की सोच के केंद्र में है।

संघ का वर्तमान नेतृत्व मोहन भागवत और उनके निकटतम सहयोगी दत्तात्रेय होसबाले- 'निरंतर विकास' के सिद्धांत में दृढ़ विश्वास रखते हैं। भागवत ने कई बार कहा है कि संघ में सब कुछ परिवर्तनशील है, सिवाय इस मूलभूत विश्वास के कि भारत हिंदू राष्ट्र है। होसबाले ने इसे मूल सिद्धांतों से समझौता किए बिना विकास का प्रकटीकरण कहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में अरुण कुमार सह-सरकार्यवाह के पद पर हैं। यह पद संघ के प्रमुख कार्यों और निर्णय लेने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्हें अक्सर संघ और भारतीय जनता पार्टी के बीच समन्वय स्थापित करने वाली कड़ी के रूप में भी देखा जाता है, जो राजनीतिक और संगठनात्मक मामलों पर बातचीत करते हैं। संघ के प्रचारक रहे बीएल संतोष भाजपा के महासचिव हैं। यह पद भाजपा और संघ के बीच एक प्रमुख कड़ी के रूप में कार्य करता है।

दरअसल, संघ ने कभी खुद को केवल धार्मिक, सांस्कृतिक या सामाजिक संगठन के ढांचे तक सीमित नहीं रखा। यह लगभग हर जगह मौजूद रहा है। सार्वजनिक जीवन के हर क्षेत्र में, संघ ने अपने समानांतर संगठन स्थापित किए। साथ ही, इसने अपनी मजबूती भी सुनिश्चित की। संघ एक पंजीकृत संगठन नहीं है। इसका राजनीतिक प्रभाव व्यापक है। संघ का कहना है कि वह आत्मनिर्भर संगठन है और इसके काम के लिए संगठन के बाहर से कोई पैसा नहीं लिया जाता। उसके स्वयंसेवक समाज सेवा की गतिविधियां करते रहे हैं। सामाजिक कार्यों के लिए स्वयंसेवकों ने ट्रस्ट बनाए हैं, जो कानून के दायरे में रहकर पैसा इकट्ठा करते हैं और बैंक खाते चलाते हैं।

वर्ष 1925 में, केशव बलिराम हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। धीरे-धीरे शाखा की परिकल्पना सामने आई। 28 मई, 1926 को नागपुर के मोहिते वाडा में, 15-20 युवकों का एक समूह एक मैदान में इकट्ठा हुआ। वे खाकी वर्दी पहने, पंक्तियों में खड़े थे और अनुशासित एकता में ऐसे अभ्यास कर रहे थे, जो देश में सत्याग्रह और विरोध की राजनीति के लिए अपरिचित थे। इस नवोदित प्रयोग के केंद्र में हेडगेवार थे, जो गांधीवादी आदर्शवाद और क्रांतिकारी राष्ट्रवाद दोनों से प्रभावित थे, लेकिन उनका मानना था कि भारत की असली समस्या कहीं और है। वह है, हिंदुओं की फूट और कमजोरी।

एक सदी बाद अब संघ भारत की सबसे शक्तिशाली ताकतों में से एक है, जिसकी बड़ी राजनीतिक ताकत है। दशकों के संदेह, प्रतिबंधों और हाशिए पर होने के दौर से होते हुए सत्तारूढ़ व्यवस्था के वैचारिक केंद्र के रूप में वर्तमान भूमिका 'तक, संघ का सफर उल्लेखनीय रहा है।

बाल गंगाधर तिलक से प्रेरित और अनुशीलन समिति से जुड़े एक चिकित्सक के रूप में हेडगेवार उत्साही कांग्रेसी कार्यकर्ता थे। गांधीजी के असहयोग आंदोलन के दौरान उन्हें गिरफ्तारी भी दी थी। लेकिन खिलाफत आंदोलन के प्रति महात्मा गांधी के समर्थन और हिंदू मुस्लिम एकता पर कांग्रेस के जोर देने से वे निराश हुए।' 'डा हेडगेवार, परिचय एवं व्यक्तित्व में', सीपी भिशीकर ने लिखा है, 'मुसलमानों को जरूरत से ज्यादा सहयोग देने की गांधीजी की नीति डाक्टर साहब को स्वीकार्य नहीं थी। उन्होंने यह बात गांधी जी को भी बताई।' भिशीकर के मुताबिक, हेडगेवार इस निष्कर्ष पर पहुंचे, 'अगर अलगाववाद का रास्ता अपनाने वाले कट्टरपंथी मुसलमानों और उनके भड़काने वाले अंग्रेजों का सफलतापूर्वक मुकाबला करना है, तो इसका एकमात्र उपाय यह है कि हिंदू समाज, जो (भारत का) असली राष्ट्रीय समाज है, संगठित हो।' विद्वान वाल्टर के एंडरसन और श्रीधर दामले ने 'द ब्रदरहुड इन सैफ्रन' (1987) में लिखा है, 'हेडगेवार ने एक प्रशिक्षण प्रणाली तैयार की, जिसका उद्देश्य ऐसा भाईचारा स्थापित करना था जो समुदाय की भावना की खोज में संकीर्ण विरोध और सामाजिक अव्यवस्था से ऊपर उठ सके।'

हेडगेवार के नवाचारों में ऐसी भर्ती रणनीति बनाना शामिल था जो राजनीतिक अभिजात वर्ग से संरक्षण प्राप्त करने के बजाय, शिक्षित मध्यम वर्ग को ध्यान में रखती थी। हेडगेवार ने संगठन के भावी नेतृत्व को भी तैयार किया। 1940 में हेडगेवार के निधन के बाद उनके उत्तराधिकारी माधव सदाशिव गोलवलकर ने संगठन को राष्ट्रीय शक्ति में बदल दिया। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में प्राणीशास्त्र के व्याख्याता गोलवलकर, या गुरुजी, मात्र 34 वर्ष की आयु में संघ के प्रमुख बन गए। उनकी रचनाओं 'वी आर अवर नेशनहुड डिफाइंड' (1939) और 'बंच आफ थाट्स'(1966) ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को बौद्धिक आधार प्रदान किया।

दत्तात्रेय होसबाले

गोलवलकर के नेतृत्व में, संघ केवल कुछ राज्यों में शाखाओं से बढ़कर अखिल भारतीय स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में सफल रहा। उन्होंने अविवाहित, पूर्णकालिक मिशनरियों की प्रचारक प्रणाली को देखा समझा। यह प्रणाली संघ की रीढ़ बन गई। 1973 तक, इस प्रणाली ने ऐसे नेताओं को जन्म दिया जो आगे चलकर भारतीय राजनीति में प्रमुख पदों पर आसीन हुए, जिनमें अटल बिहारी वाजपेयी और बाद में नरेंद्र मोदी के नाम उल्लेखनीय हैं।

अनिवार्य अनुशासन ने संगठन को मजबूत किया। संघ ने कई सहयोगी संगठनों को जन्म दिया, जिनमें भारतीय जनसंघ भी शामिल था, जो सीधे राजनीति से जुड़ा था। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी), वनवासी कल्याण आश्रम, भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस), विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और भारतीय शिक्षण मंडल (बीएसएम) जैसे अन्य सहयोगी संगठनों ने आकार लिया। इन सभी ने संघ की पहुंच नए सामाजिक क्षेत्रों तक बढ़ाई।

अगला निर्णायक बदलाव मधुकर दत्तात्रेय देवरस उर्फ बालासाहेब देवरस के नेतृत्व में आया, जिन्होंने 1973 में कार्यभार संभाला। तब तक, संघ ने मोटे तौर पर राजनीतिक अलगाव बनाए रखा था। लेकिन आपातकाल (1975-77) ने सब कुछ बदल दिया। पहली बार, संघ ने खुद को एक राजनीतिक आंदोलन में झोंका। जयप्रकाश नारायण के आंदोलन में शामिल होकर संघ मुख्यधारा में आ गया। प्रभाव ऐसा रहा कि तब विपक्ष का चेहरा रहे जयप्रकाश नारायण ने खुद यह प्रसिद्ध घोषणा की थी, %अगर आरएसएस फासीवादी है, तो मैं भी फासीवादी हूं।

आपातकाल ने संघ के सत्ता के साथ पहले रिश्ते का सूत्रपात किया जनसंघ के माध्यम से, जो जनता पार्टी सरकार का हिस्सा था। 1980 तक देवरस ने जनसंघ को भंग कर दिया और भारतीय जनता पार्टी का गठन कर लिया। वैचारिक रूप से, देवरस ने हिंदुत्व की अपील को व्यापक बनाया। 1974 में उन्होंने घोषणा की-'अस्पृश्यता को जड़ से समाप्त कर देना चाहिए।' देवरस के दौर में संघ नागरिक राष्ट्रवाद की ओर उन्मुख हुआ। संविधानवाद, लोकतंत्र और सामाजिक कल्याण को भी इसमें शामिल किया गया। साथ ही, संघ ने विश्व हिंदू परिषद के जरिए शक्तिशाली और लोकप्रिय हिंदू प्रतीक की तलाश की जो उन्हें भगवान राम में मिला। इसने एक ऐसे आंदोलन को गति दी, जिसकी परिणति ने भारतीय राजनीति में आमूल-चूल परिवर्तन आया।

वर्ष 1994 में राजेंद्र सिंह यानी रज्जू भैया ने संघ के प्रमुख का पदभार संभाला। परमाणु भौतिक विज्ञानी और प्रोफेसर सिंह ने संघ में पारदर्शिता को संस्थागत रूप दिया, लिखित रपट और काम के सांख्यिकीय विवरण की परिपाटी लागू की। पत्रकारों और बुद्धिजीवियों से संपर्क साधा।

रज्जू भैया ने कल्याण सिंह, राजनाथ सिंह, अशोक सिंघल, उमा भारती, केएन गोविंदाचार्य और मोहन भागवत जैसे नेताओं की एक पीढ़ी को मार्गदर्शन दिया। विभिन्न दलों के नेताओं के साथ उनके तालमेल ने वाजपेयी सरकार को गठबंधन की राजनीति में राहत दी।

उनका कार्यकाल भाजपा के सत्ता में आने के पहले दौर के साथ ही शुरू हुआ। 1998 के परमाणु परीक्षण ने नीतिगत मुद्दों पर संघ की बढ़ती शक्ति का विरोध किया और स्वदेशी पर अपना ध्यान केंद्रित किया। वाजपेयी सरकार के साथ प्रतिदिन टकराव होता रहा था। इनमें सुदर्शन कैबिनेट की नियुक्ति को प्रभावित करने के लिए अंतिम समय में हस्त करना, भारतीय मजदूर संघ और स्वदेशी जागरण मंच के द्वारा सरकार आर्थिक नीतियों पर प्रतिदिन हमला, यह घोषणा करना कि भार संविधान को ब्रिटिश मूल्यों पर आधारित होने के कारण खारिज कर जाना चाहिए, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचारक गोविंदाचार्य का वाजपेयी को मुखौटा कहना और अंतत: 2005 में सुदर्शन द्वारा यह घो करना शामिल था कि वाजपेयी और आडवाणी को युवा नेतृत्व के रास्ता बनाना चाहिए।

वर्ष 2009 में मोहन भागवत संघ प्रमुख बने। वे गोलवलकर के सबसे युवा नेताओं में से एक थे। उनके कार्यकाल में संघ को सबसे राजनीतिक विजय मिली, नरेंद्र मोदी का उदय हुआ और केंद्र की सत्त भाजपा पूर्ण प्रभुत्व में आई।

भागवत ने संघ के स्वरूप को आधुनिक बनाया है। उन्होंने बद और जरूरत को देखते हुए कई कदम उठाए। मसलन, गोलवलकर लेखन के पुराने अंशों से दूरी बनाना, मनुस्मृति के जातिवादी अंशों खारिज करना, एलजीबीटी अधिकारों को मान्यता देना, हिंदुओं से मस्जिद के नीचे शिवलिंग न ढूंढने का आग्रह करना (काशी और मथुरा छोड़कर), पुरुष-प्रधान -प्रधान संघ में महिलाओं की भागीदारी की अपील क और जातिगत भेदभाव के विरुद्ध सामाजिक समरसता कार्यक्रम शुरू कर उन्होंने अगस्त 2025 की अपनी व्याख्यान श्रृंखला में कहा, 'हिंदुस्तान हिंदू राष्ट्र होना संघ का स्थिर मत है, लेकिन वह अन्य सभी विषयों अपने विचारों को संशोधित करने के लिए तैयार है।

उनके नेतृत्व में, देश भर में संघ की शाखाओं की संख्या 40,00 बढ़कर 83,000 से ज्यादा हो गई है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इसके ऐतिहासिक लक्ष्य धारा 370 का उन्मूलन और राम मंदिर निर्माण सा पर हुए आंदोलन से नहीं, बल्कि सरकारी कार्रवाई से पूरे हुए हैं, जो और भाजपा में सहज संवाद और समन्वय का संकेत है।

भागवत अब संगठन को पीढ़ीगत बदलाव के बीच आगे बढ़ाने रास्ता निकालने की तैयारियों में जुटे हैं। हिंदी पट्टी में व्याप्त हिंदुत्वन आख्यान ने हिंदू हित के कई असंबद्ध ध्वजवाहकों को जन्म दिया जैसे-जैसे संघ भारतीय राजनीति पर हावी होता जा है, भागवत के लिए ऐसी ताकतों पर लगाम लगाना चुनौती होगी।

इस साल मोहन भागवत की व्याख्यान श्रृंखल संगठन के विचार और संस्कृति में आ रहे परिवर्तन स्पष्ट रूप से चित्रित किया है। पिछले 25 वर्षों में भाग का सबसे महत्वपूर्ण योगदान पहले सरकार्यवाह के में और फिर सरसंघचालक के रूप में संगठनात गतिविधि में अधिक खुलापन लाना रहा है।

आज संघ का 90 फीसद हिस्सा शाखा से बाहर का है। इसके व्यापक समाज के साथ अधिक जुड़ाव और सामंजस्य की आवश्यकता एक ऐसी आवश्यकता जिसे भागवत ने पूरी लगन से समझा और कार्यान्वि किया। देवरस और बाद में केएस सुदर्शन जैसे नेता मुस्लिम और नेताओं से मिलते थे। भागवत ने इसे औपचारिक और अनौपचा मुलाकातों के माध्यम से आगे बढ़ाया।

भागवत का भारत के लिए दृष्टिकोण संघ के 21वीं सदी के विस को दर्शाता है। अपनी शताब्दी के अवसर पर जब यह संगठन राष्ट्र मंच पर केंद्र में है, इसकी आवाज आत्मविश्वास से भरी है इसका दृष्टिकोण सभी 1.45 अरब भारतीयों को शामिल करने के विस्तृत हो रहा है।

जब उठे सवाल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को कई दफा विवादों का सामना करना पड़ा है। बड़ा विवाद महात्मा गांधी की हत्या से जुड़ा है। गांधीजी की हत्या नाथूराम गोडसे ने की थी। आरोप लगा कि संघ से गोडसे का पुराना संबंध था। हालांकि, इस संगठन और हत्या की साजिश के बीच सीधा संबंध अदालत में साबित नहीं हुआ। सरकार ने प्रतिबंध लगाया और कहा कि यह प्रतिबंध घृणा और हिंसा की ताकतों को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए था। वर्ष 1949 में प्रतिबंध हटा लिया गया, जब आरएसएस ने भारत के संविधान और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति उसकी निष्ठा की पुष्टि की।

आपातकाल के दौर में भी प्रतिबंध लगा। चर्चा हालांकि, यह प्रतिबंध व्यापक विपक्षी समूहों पर लागू किया गया था। संघ ने इस दौरान नए गठबंधन बनाने और अपना राजनीतिक प्रभाव फैलाने के लिए काम किया। संघ पर अयोध्या में विवादित स्थल पर राम मंदिर निर्माण के अभियान के तहत भीड़ को इकट्ठा करने का आरोप लगाया गया था। ढांचा गिराने के बाद संघ का यह दृष्टिकोण को बढ़ावा देती है जो धार्मिक अल्पसंख्यकों को हाशिए पर धकेलती है। संघ ने अपने मुखपत्र 'आर्गनाइजर' के 17 जुलाई 1947 के 'राष्ट्रीय ध्वज' शीर्षक वाले संपादकीय में भगवा ध्वज को राष्ट्रीय ध्वज के तौर पर स्वीकार करने की मांग की। आलोचक आरोप लगाते हैं कि संघ भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में तिरंगे के स्थान पर भगवा ध्वज को स्वीकार करने का पक्षधर था। हाल के वर्षों में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने स्कूली पाठ्यपुस्तकों से गांधीजी की हत्या से संबंधित एकाधिक बार मोहन भागवत के नेतृत्व संघ और सरकार के बीच टकराव की दिखी। कई दफा सरकार हिलती दिखी। के अहंकार वाले बयान की मीडिया में चर्चा हुई। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 20 कहा कि पार्टी उस समय से आगे बढ़ चु जब उसे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की जरूर इसपर भागवत ने कहा था, 'सेवक (जन सेवा करने वाले) में अहंकार नहीं होना च आरक्षण का सवाल हो, जनसंख्या का मुद्दा सेवानिवृत्ति की उम्र को लेकर भागवत के सरकार और संगठन में खटास दिखी। भागवत ने एक दफा कहा कि राम निर्माण के बाद कुछ लोगों को लगता है नई जगहों पर इसी तरह के मुद्दे उठाकर के नेता बन सकते हैं, यह स्वीकार्य नहीं अभी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के को लेकर सवाल उठ रहे हैं। कहा जा कि किसी भी नाम पर संघ के साथ र नहीं बन पा रही है। जेपी नड्डा का अध्य रूप में कार्यकाल जनवरी 2023 में खत्म।

-अरुण कुमार

संगठन का सफरनामा

1925 – स्थापित।

1926 – 17 अप्रैल को संगठन को 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ' नाम मिला।

1926 – पहली नित्य शाखा नागपुर में 28 मई से शुरू हुई।

1929 – नवंबर में हेडगेवार को सरसंघ चालक, बालाजी हुद्दार को सरकार्यवाह और मार्तंडराव जोग को सरसेनापति चुना गया।

1930 – कांग्रेस ने पूर्ण स्वराज की घोषणा की। हेडगेवार ने 26 जनवरी को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाने का निर्देश दिया और जंगल सत्याग्रह में भाग लिया, गिरफ्तार हुए। काली टोपी को गणवेश के हिस्से के रूप में अपनाया गया।

1940 – ब्रिटिश सरकार ने संघ गणवेश और रूट मार्च पर प्रतिबंध लगा दिया। संस्कृत प्रार्थना शुरू की गई। हेडगेवार का 21 जून को निधन हो गया। माधव सदाशिव गोलवलकर को तीन जुलाई को सरसंघचालक चुना गया।

1948 – गांधीजी की हत्या के बाद प्रतिबंध।

1949 – सरकार ने 12 जुलाई को प्रतिबंध हटा लिया। संघ का संविधान तैयार किया गया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की स्थापना की गई।

1954 – दादरा नगर हवेली को पुर्तगालियों के कब्जे से मुक्त कराने में मदद।

1955 – गोवा मुक्ति संग्राम में सहभागिता। भारतीय मजदूर संघ की स्थापना।

1963 – 26 जनवरी को दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड में तीन हजार स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश के साथ भाग लिया।

1964-विश्व हिंदू परिषद की स्थापना हुई।

1973 – पांच जून को गोलवलकर का निधन हो गया। छह जून को बालासाहब देवरस तृतीय सरसंघचालक बने।

1975 – 25 जून को आपातकाल। चार जुलाई को संघ पर दूसरी बार प्रतिबंध लगा दिया गया।

1977 – भारतीय जनसंघ का नवगठित जनता पार्टी में विलय हो गया और वह सत्ता में आई। सरकार ने 22 मार्च को संघ पर से प्रतिबंध हटाया।

1980 – भारतीय जनता पार्टी का गठन हुआ।

1992 – अयोध्या में बाबरी मस्जिद गिराए जाने के बाद 10 दिसंबर को केंद्र ने तीसरी बार प्रतिबंध लगा दिया।

1993 – सरकार के न्यायाधिकरण ने चार जून को संघ पर प्रतिबंध को गलत ठहराया।

1994 – 11 मार्च को प्रो राजेंद्र सिंह उर्फ रज्जू भैया सरसंघचालक बने।

1998 –भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने केंद्र में सरकार बनाई।

2000 – सुदर्शन 11 मार्च को पांचवां सरसंघचालक बनाया गया।

2009 – सुदर्शन ने मोहन भागवत को संघ का सरसंघचालक बनाया।

2016 – स्वयंसेवकों की वर्दी के लिए खाकी निकर की जगह भूरे रंग की पतलून को अपनाया।

2021 – दत्तात्रेय होसबाले आरएसएस के सरकार्यवाह चुने गए।

2025 – शताब्दी वर्ष।

इंदौर बाजार भाव –

इंदौर। आवकों के दबाव से बुधवार को किराना जिंसों में नारियल दबाकर बोला गया। शक्कर में सुर्खी कायम रही। खाद्य तेल मजबूत रहे। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। दलहनों में चना मजबूत रहा।

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार नारियल में आवकों के दबाव से भावों में नरमी आयी। शक्कर में बाजार मजबूती पर रहे। खाद्य तेलों में व्यापार मजबूत रहा। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। दलहनों में चने में पूछपरख से मजबूती बनी। मसूर बाजार ऊँचाइयों पर रहे। भाव इस प्रकार रहे –

किराना – शक्कर 4260-4310, खोपरा गोला 320-375, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 235-240, ऊंझा हल्का 245-255, मीडियम 245-255, बेस्ट 265-285, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारि?क 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-775, गरबल 720-725, मटरदाना 795-810, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 3250-3300, विरूद्ध नगर 3150-3200, मीडियम 3350-3400, एक्स्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1550-1750, बेस्ट1800-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-980, काजू (320) 870-890, काजू एस. डब्ल्यू 840-845, काजू एस.एस. डब्ल्यू 820-825, टुकड़ी 790-870, बादाम मगज 845-870, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्स्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3750-3800, (160) 4400-4500, (200) 4900-5000, (250) 5300-5400

तेल – सींगदाना 1330-1340, मुम्बई 1360, राजकोट तेलिया 2100, सोया साल्वेंट 1180-1185, सोया रिफाइंड 1265-1270, कपास्या 1240-1245, धूलिया 1250, कड़ी 1250,

रात की धारणा – गुजरात लुज 1315-1320, मुम्बई पाम 1270, मुम्बई सोया 1275,

खली – कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्वि?टल)

तिलहन – सरसो 6900-7000, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 4200-4300, नया सोयाबीन 3700-4000, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन – चना कांटेवाला बेस्ट 5850-5900, एवरेज 5400-5500, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशि?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6400-6500, हल्की 6200-6300, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल – चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज – गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल – चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा – इन्दौर 380, उज्जैन 280, रतलाम 34.0 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार –

इन्दौर। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। किन्तु दोनों ही कीमती धातुओं में बाजार जोरदार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे –

चाँदी (9999) 154200, चाँदी (99) 154300, टंच 153000, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 125300,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया दो पैसे की बढ़त के साथ ही 88.76 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 88.78 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण भी स्थानीय मुद्रा दबाव में है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.72 पर थोड़ा मजबूत खुला लेकिन जल्द ही यह एक पैसे टूटकर 88.75 प्रति डॉलर पर आ गया। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.74 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने ने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ 97.86 पर आ गया।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए कामकाज के मामले में बढ़िया रहने वाला है। नौकरी को लेकर परेशान चल रहे लोगों को कोई बेहतर अवसर हाथ लगेगा। आप भविष्य को लेकर कोई बड़ा इन्वेस्टमेंट करने की सोचेंगे। आप अपने घर-परिवार में जिम्मेदारियों से बिल्कुल पीछे न हटे। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आपको खटपट हो सकती है। माताजी आपको आज कुछ पारिवारिक मामलों को लेकर बातचीत करेंगे, जिनको लेकर आप कोई बेहतर सलाह दें, तो ही बेहतर रहने वाला है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। नौकरी में अधिकारियों को आपकी दी गई सलाह आपको पसंद आएगी, लेकिन परिवार में किसी सदस्य की ओर से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है। आपको अपनी आर्थिक स्थिति को लेकर एहतियात बरतनी होगी। आपकी सेहत नरम-गरम रहेगी। आप अपनी आय-व्यय में भी संतुलन बनाकर चलेंगे, तो आपके लिए बेहतर रहेगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। छोटे बच्चों के साथ आप कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। आपको अपने लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के भी प्रयासों में तेजी लानी होगी। आपको कामों को लेकर व्यस्तता बनी रहेगी, जिससे जीवनसाथी आपसे नाराज हो सकते हैं। आप संतान के करियर को लेकर कोई निर्णय बहुत ही सोच विचारकर लें।

कर्क- आज आपको अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलना होगा और आप बुद्धि और विवेक से कोई निर्णय लेंगे, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। पारिवारिक संपत्ति से जुड़ा यदि कोई विवाद था, तो वह भी दूर होता दिख रहा है। वरिष्ठ सदस्यों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। विभिन्न क्षेत्रों में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आपकी भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी। आज आपको अपने मन में किसी बात को लेकर संशय नहीं रखना है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए शांतिपूर्ण रहने वाला है। आप अपनी ऊर्जा को सही कामों में लगाएं, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आपकी किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। आप अपने मन में नकारात्मक विचारों को न रखें और जरूरत के हिसाब से खर्च करें। किसी प्रॉपर्टी की डील यदि अटकी हुई थी, तो उसके भी फाइनल होने की संभावना है। आप मौज-मस्ती के मूड में रहेंगे। पिताजी आपको कोई जिम्मेदारी दे सकते हैं।

कन्या- आज आप किसी जोखिम भरे काम में हाथ ना डालें, नहीं तो आपका कोई नुकसान होने की संभावना है। राजनीति में कार्यरत लोगों के कामों की सराहना होगी और उन्हें किसी सम्मान से भी नवाजा जा सकता है। आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा और आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आप अपने अनावश्यक खर्चों को भी कंट्रोल करने की पूरी कोशिश करेंगे। प्रेम जीवन जी रहे लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है, उनकी साथी से बॉन्डिंग अच्छी रहेगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। नौकरी की तलाश में लगे लोगों को कोई अच्छा अवसर हाथ लगेगा। आपके प्रभाव और प्रताप में वृद्धि होगी। वाहनों के प्रयोग से आप सावधानी बरतें और आपको अपनी संतान की कोई बात बुरी लग सकती है, लेकिन फिर भी आप उनसे कुछ नहीं कहेंगे। कुछ नए संपर्कों से आपको लाभ मिलेगा। आपको सेहत के प्रति थोड़ा एहतियात बरतनी होगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आप अपने शौक मौज की चीजों को भी पूरा करने की पूरी कोशिश करेंगे। जीवनसाथी की भावनाओं का आपको सम्मान करना होगा। आप अपने परिवार में कुछ महत्वपूर्ण निर्णयों को शांति से निपटाने की कोशिश करें। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी। आप अपने बेवजह के खर्चों को कंट्रोल करके चलेंगे, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा।

धनु - आज आप अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। जीवनसाथी के साथ आप कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। जो विद्यार्थी विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं, उन्हें कोई अच्छा अवसर हाथ लगेगा। आप किसी बचत की योजना में धन लगाएंगे।

मकर - आज का दिन आपके लिए असमंजस भरा रहने वाला है। नौकरी में कार्यरत लोगों को भी कुछ तनाव बना रहेगा। आप कोई फैसला जल्दबाजी में न लें, नहीं तो बाद में आपको उसके लिए पछतावा होगा। संतान आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकती है, जिसे आप पूरा अवश्य करेंगे।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में बेहतर रहने वाला है। परिवार में बड़े सदस्य आपको काम को लेकर कोई सलाह दे सकते हैं। आप कार्यक्षेत्र में किसी बड़ी जिम्मेदारी के मिलने से थोड़ा परेशान हो सकते हैं। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा।

मीन- आज आपको किसी दूसरे के मामले में बेवजह बोलने से बचना होगा। किसी धार्मिक आयोजन में आपको सम्मिलित होने का मौका मिलेगा। विद्यार्थी भी शिक्षा से संबंधित समस्याओं को लेकर अपने गुरुजनों से बातचीत कर सकते हैं। आप अपने रुके हुए कामों को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे, जिसके लिए भागदौड़ भी अधिक रहेगी, लेकिन आपको वाहनों का प्रयोग सावधान रहकर करना होगा और किसी से गुस्से में कोई बात ना करें।

शब्दजाल - 8044

ग	दि	न	ल	बे	म	ज	ब	न	र	क
र	बा	बु	ल	आ	वा	जी	द	इ	ल	ल
म	व	दे	पू	ह	जी	स्म	न	का	क	हो
म	ची	न	श	ट	ज	प	म	पा	त	न
सा	त	ई	पा	में	व	खें	न	भा	र्क	का
ला	मे	म	सु	प	गं	र	न	ई	र	बु
श	जं	र्म	मे	ता	क	सा	या	न	ज	ल
क	क	ग	ए	सं	ज	प	र	ली	न	ए
ब्रे	बो	र्न	य	त	चि	क	री	जि	प	क्स
त	रा	जु	न	ज	बा	त्र	ट	ब्दा	ता	प्रे
बे	बी	लो	नि	या	ल	र	न	रा	त	स

शब्दजाल में जॉन अब्राहम की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

बाबुल, काबुल एक्सप्रेस, जिन्दा, गरम मसाला, काल, कर्म, एतबार, साया,पाप, जिस्म.

शब्दजाल - 8043 का हल

ह	म	मा	प	र	वा	ना	न	ह	क	र
हा	म	सू	ह	त	ल	जी	स	ल	मी	ज
ग	वी	रा	द	अ	था	त	र	ज	ल	टी.
द	र	दा	ज	ल	क	स्तु	ओ	र	सु	अ
र	आ	न	ष	ल	म	मी	छ	झे	नो	न
प	मी	प	स	जि	स्वा	क	प	ह	स	क
के	ह	बु	की	वी	म	मी	टे	न	सु	ही
न	पू	सु	पा	खा	पं.	सौ	ल	ब	र	स
मों	रे	क	सू	ह	ती	ने	ने	व	जी	त
वा	दा	म	ब	फा	दी	र	ह	ल	क	थ
म	ह	न	प	द	य	ह	है	ज	ल	वा

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

9 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	**तुला**	06.34 बजे से
चंद्र	मेष में	**वृश्चिक**	08.49 ब.से
मंगल	तुला में	**धनु**	11.05 बजे से
बुध	तुला में	**मकर**	13.10 बजे से
गुरु	मिथुन में	**कुंभ**	14.57 बजे से
शुक्र	सिंह में	**मीन**	16.29 बजे से
शनि	मीन में	**मेष**	18.00 बजे से
राहु	कुंभ में	**वृष**	19.40 बजे से
केतु	सिंह में	**मिथुन**	21.38 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		**कर्क**	23.52 बजे से
		सिंह	02.08 बजे से
		कन्या	04.20 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 282 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि तृतीया 22.55 बजे को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 20.03 बजे को समाप्त।
योग वज्र 21.32 बजे को समाप्त।
करण वणिज 12.38 बजे तदनन्तर विष्टि 22.55 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 17.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 06° 17’
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872492
जूलियन दिन 2460957.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1447
महीना रबी उस्सानी
तारीख 16

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक		**अमृत**	05.40 से 07.11 बजे तक	
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक		**चर**	07.11 से 08.43 बजे तक	
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक		**रोग**	08.43 से 10.15 बजे तक	
चर	10.19 से 11.47 बजे तक		**काल**	10.15 से 11.47 बजे तक	
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक		**लाभ**	11.47 से 01.19 बजे तक	
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक		**उद्वेग**	01.19 से 02.51 बजे तक	
काल	02.43 से 04.11 बजे तक		**शुभ**	02.51 से 04.23 बजे तक	
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक		**अमृत**	04.23 से 05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6988

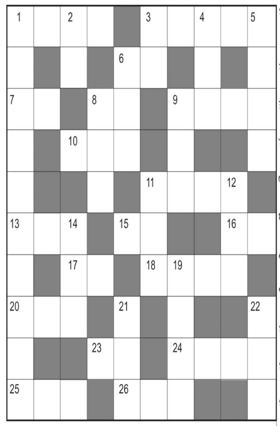

ऊपर से नीचे:-

१. ‘मितवा, कहे धड़कने तुझसे’ गीत वाली अमिताभ, शाहरूख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-२,४,१,३
२. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, ‘कभी नीम नीम कभी शहद शहद’ गीत वाली फिल्म-२
३. ‘एक लड़की बस गई’ गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
४. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की ‘बेचैन मेरा दिल’ गीत वाली फिल्म-३
५. ‘कश पे कश लगाने दे’ गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२
६. ऋषि कपूर, शाहरूख, दिव्या की ‘ऐसी दीवानगी देखी नहीं’ गीत वाली फिल्म-३
८. ‘तुम्हारे प्यार में’ गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-३
९. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की ‘आज मैं ऊपर आसमां नीचे’ गीत वाली फिल्म-३
११. ‘मेरी बन्नो की आएगी’ गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-३
१२. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की ‘सावन बरसे तरसे दिल’ गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म ‘दूध का कर्ज’ में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी ?-३
१९. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की ‘दे दो दे दो मुझे दिल’ गीत वाली फिल्म-४
२१. ‘रहने को घर नहीं है’ गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२२. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की ‘म्हारो गाँव काथिया पारे’ गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की ‘क्योंकि इतना प्यार’ गीत वाली फिल्म-४
३. ‘सौ दर्द हैं सौ राहतें’ गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-२,१,२
६. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की ‘हम प्यार करने वाले’ गीत वाली फिल्म-२
७. ‘आजा गुफाओं में’ गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-२
८. मोहित अहलावत, निशा की ‘धीमी धीमी सी जिंदगी’ गीतवाली फिल्म-२
९. ‘ये मुलाकात एक बहाना है’ गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-४
१०. अनिलकपूर, स्मिता की ‘आसमान छत हो मेरी’ गीत वाली फिल्म-३
११. ‘एक था बचपन’ गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-४
१३. सनी, मीनाक्षी शेशाद्रि की ‘गवाह हैं चाँद तारे’ गीत वाली फिल्म-३
१५. ‘सारे मोहल्ले में हल्ला’ गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-२
१६. नसीर, जैकी, शिल्पा, की ‘लड़का लड़की से’ गीत वाली फिल्म-२
१७. ‘मैं ऐसा क्यों हूँ’ गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, लीना की ‘दुनिया ने मुझको समझा नाकारा’ गीत वाली फिल्म-४
२०. ‘मिली तेरे प्यार की छाँव’ गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-३
२३. संजयदत्त, उर्मिला की ‘ये जान ले ले रे’ गीत वाली फिल्म-२
२४. ‘प्यार मुझसे जो किया’ गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, हेमा मालिनी की ‘दूल्हा दुल्हन की जोड़ी’ गीत वाली फिल्म-३
२६. ‘चोरी चोरी जब नजरें मिली’ गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 6987

म	र्या	दा		ब	व	ड	र		औ
हा		दी	वा	ना		र	ख	वा	ला
न	ई	माँ		र	क्त		वा		द
	श्व		द	स		पा	ले	खाँ	
स	र	ग	म		खा	की			ध
ड़		द		श		जा	न	व	र
क	श्मी	र	की	क	ली		क्शा		ती
			म		ला	खा		ना	
इ	जा	ज	त			मो	ह	रा	
श्क		ख्मी		त	ला	शी		ज	ख्म

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सुख का विस्तार

कर्नाटक के बेलगांव में प्रसिद्ध विद्वान पंडित चिदंबर दीक्षित रहा करते थे। ज्ञान, भक्ति और सेवा कार्यों में उनका कोई सानी न था। आसपास के लोग उनके पास विभिन्न कामनाओं की पूर्ति के लिए आते रहते थे। एक दिन एक महिला दीक्षित जी के घर पहुंची। वह पंडित जी से संतान प्राप्ति का आशीर्वाद लेने आई थी। उसने बताया कि वह सभी व्रत-उपवास करती है, लेकिन इसके बावजूद उसकी मनोकामना पूरी नहीं हो पा रही है। इसलिए उसका जीवन दुखद हो गया है। वह अपने को अकेली और असहाय समझती है। दीक्षित जी ने उसे पास पड़े चने में से दो मुट्ठी चने दिए और एक कोने में बैठकर इंतजार करने को कहा। वह महिला घर के बाहर एक कोने में बैठकर चने खाने लगी, तभी सड़क पर खेल रहे बच्चे उस महिला का मुंह ताकने लगे। कुछ ने चने पाने की आशा में अपने हाथ भी उस महिला के सामने फैला दिए। महिला ने दूसरी तरफ मुंह मोड़ लिया और चुपचाप चने खाती रही। बच्चे मायूस होकर उसे देख रहे थे और उसने देखते ही देखते चने खत्म कर दिए। पंडित जी भी दूर से सारा दृश्य देख रहे थे। उन्होंने महिला को बुलाकर कहा, ‘तुम मुफ्त में मिले चने भी भगवान रूपी बच्चों के साथ मिल बांटकर नहीं खा सकती, तो तुम भगवान से कैसे आशा करती हो कि वे तुम्हें बच्चों का सुख प्रदान करेंगे। तुम संतान चाहती हो लेकिन तुम्हारे भीतर बच्चों के लिए कोई ममता ही नहीं है। तुम यह सोचती हो कि तुम्हारे अपने बच्चे होंगे तभी तुम उन्हें प्यार करोगी। दूसरों के बच्चों से तुम्हें क्या मतलब। यह एक गलत सोच है। तुम अपने हृदय का विस्तार करो। सबको गले लगाओ। सबके ऊपर ममता लुटाओ। दूसरों के बच्चों को भी अपनी ही संतान समझो। तुम देखोगी कि तुम्हारा जीवन एकदम बदल गया है। तुम अपने को अकेली और असहाय समझना बंद कर दोगी।’ महिला ने वचन दिया कि वह अपनी सोच बदलेगी।

सूडोकु नवताल- 7297

★★★★★ कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

- ■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7296 का हल

6	3	8	5	2	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	9	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

शब्द पहेली - 8512

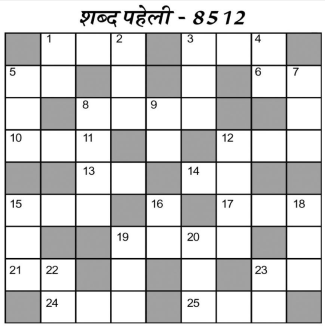

बाएँ से दाएँ

1. सावधान,सचेत-3
3. खूबसूरत-3
5. वचन,प्रतिज्ञा-2
6. हत्या,मर्डर-2
8. तब तक,अवधि में-4
10. चरित्र,लक्षण-3
12. रूस की मुद्रा-3
13. परागकण-2
14. नाखून-2
15. छुटकारा,आजादी-3
17. तट,किनारा-3
19. ईश्वर,भगवान -4
21. अधीन,काबू-2
23. नवीन,नवजात-2
24. लेखनी,पेन-3
25. लाईन,रेखा -3

ऊपर से नीचे

1. हमेशा,सदैव-2
2. विष,जहर-3
3. गर्भ-3
4. नया,नवल-2
5. पुनरागमन-3
7. मस्ती,उछलकूद-3
8. स्वभाव,आदत-4
9. नुकसान,घाटा-2
12. कपोल,गाल-4
15. शान्ति,सन्नाटा-3
16. ताकत,दम,बल-2
18. बोलने का तरीका-3
19. प्रतिज्ञा,वचन-3
20. आज्ञापालन-3
22. वहम,संदेह-2
23. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -8511 का हल

ना	क		जि	रा	फ		ब	ला
ज		बे	ब	स		स	हा	रा
	प	ना	ह		क	री	ना	
क	र	म		दा	स	ता		वि
ले	ख		का	म	ना		दु	ना
जा		व	ज	न		प	ला	श
	म	ह	ल		प	ह	रा	
स	न	म		न	ह	र		जा
जा	न		ह	म	ला		शा	न

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 153 अंक टूटा, निफ्टी 25100 के नीचे

नई दिल्ली। शेयर बाजार बुधवार को लाल निशान पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 153.09 अंक या 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,773.66 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 62.15 अंक या 0.25 प्रतिशत गिरकर 25,046.15 पर आ गया। रुपया सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले तीन पैसे की गिरावट के साथ 88.80 (अनंतिम) पर बंद हुआ।

टाइटन का शेयर 4 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ा है। इंफोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा में भी 2 प्रतिशत तक की तेजी रही। टाटा मोटर्स, एनएसडीएम और जियो फाइनेंस के शेयर्स गिरे हैं। निफ्टी के 50 में से 36 शेयर्स में गिरावट रही। एनएसई के ऑटो, मीडिया,

बैंकिंग और रियल्टी सेक्टर में गिरावट रही। अकेला आईटी इंडेक्स ऊपर रहा।

ग्लोबल मार्केट में भी गिरावट रही

एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 0.45 प्रतिशत गिरकर 47,734 पर और हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.48 प्रतिशत गिरकर 26,829 पर बंद हुआ। कोरिया का कोस्पी राष्ट्रीय अवकाश के चलते बंद है। वहीं, चीन में मिड ऑटम फेस्टिवल के चलते शंघाई कंपोजिट में 8 अक्टूबर तक कारोबार नहीं हुआ। 7 अक्टूबर को अमेरिका का डाउ जोन्स 0.20 प्रतिशत गिरकर 46,602 पर बंद हुआ था। नैस्डेक कंपोजिट में 0.67 प्रतिशत और एसएंडपी 500 में 0.38 प्रतिशत की गिरावट रही थी।

सोना 1.21 लाख पार

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम बुधवार को ऑलटाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (इब्जा) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 1,858 रुपए बढ़कर 1,21,799 रुपए पर पहुंच गए हैं। इससे पहले मंगलवार को ये 1,19,941 रुपए पर था। वहीं, चांदी 2,342 रुपए महंगी होकर 1,50,783 रुपए प्रति किलो के भाव पर पहुंच गई है। कल ये 1,48,441 रुपए पर थी। इस साल अब तक सोने की कीमत करीब 45,637 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,21,799 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 64,766 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,50,783 रुपए प्रति किलो हो गई है।

इनकम टैक्स वेबसाइट में गलती से आधार, बैंक, पैन डिटेल्स लीक!

नई दिल्ली। भारत सरकार की इनकम टैक्स वेबसाइट में सुरक्षा गलती हुई। इस बग की वजह से लाखों टैक्सपेयर्स की निजी जानकारी जैसे आधार नंबर, बैंक अकाउंट डिटेल्स, मोबाइल नंबर और पता कुछ समय के लिए, उजागर हो गया। इस गलती को दो साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने खोजा, जिन्होंने पाया कि वेबसाइट में लॉगिन करने के बाद, अगर कोई यूजर अपने पैन नंबर को बदलता है, तो वह दूसरे व्यक्ति की जानकारी भी देख सकता है यानी बिना किसी पासवर्ड या ओटीपी के किसी और का डेटा खुल सकता था।

खबर सामने आने के बाद सरकार और सीईआरटी-इन (साइबर सिक्योरिटी एजेंसी) को तुरंत इसकी जानकारी दी गई और उन्होंने 2 अक्टूबर को इस खामी को ठीक कर दिया। हालांकि अब सिस्टम सुरक्षित है, लेकिन यह घटना हमें याद दिलाती है कि छोटी-सी तकनीकी गलती भी बड़ी परेशानी बन सकती है। अब यह समझना जरूरी है कि यह गलती कैसे हुई और हमें क्या सावधानी रखनी चाहिए। इनकम टैक्स पोर्टल में एक सॉफ्टवेयर बग था। जब कोई व्यक्ति अपने अकाउंट में लॉगिन करता था, तो वेबसाइट यह चेक नहीं करती थी कि वह किसका डेटा देख रहा है। अगर कोई व्यक्ति अपनी पैन डिटेल बदलकर किसी दूसरे का पैन नंबर डाल देता था, तो सिस्टम बिना किसी रोक-टोक के उस व्यक्ति का सारा डेटा दिखा देता था।

रिपोर्ट के मुताबिक वेबसाइट यह पहचान ही नहीं पा रही थी कि कौन-सा यूजर किस डेटा को देखने का हकदार है। इसे फ्रआईडीओआर बग कहा जाता है यानी एक तकनीकी गलती जिसके कारण बिना अनुमति किसी और का डेटा दिखने लगता है। इस गलती को खोजने वाले विशेषज्ञों ने सरकार को तुरंत बताया और कुछ ही दिनों में यह दिक्कत ठीक कर दी गई।

लांजी में एसडीएम, बीएमओ व स्वास्थ्य अमले ने की दवा दुकानों की जांच

स्वास्थ्य की चिंता : श्रेशन कंपनी की दवाईयों को किया बैन

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में बडी लापरवाही सामने आई है जहां कफ सिरप खांसी की दवा के सेवन से 16 मासूम बच्चों के मृत्यू होने की जानकारी प्राप्त हुई। घटना के बाद से ही प्रशासन एक्शन में आया है तथा ताबड़तोड़ कार्यवाही की जा रही है जिसकी मॉनिटरिंग सीधे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा की जा रही है साथ ही सीएम डॉ यादव ने साफ आदेश जारी किये है कि इस मामले में किसी भी दोषी को छोड़ा नही जायेगा। इन्ही आदेशों को लेकर अब प्रदेश के संपूर्ण जिले में कार्यवाही प्रारंभ की जा चुकी है। जिसके तहत बालाघाट जिले के लांजी तहसील में भी 8 अक्टूबर को एसडीएम लांजी कमलचंद सिंहसार के द्वारा सिविल अस्पताल लांजी से बीएमओ अक्षय उपराडे, चिकित्सा अधिकारी डॉ रूपेन्द्र गिरीया, फार्मोसिस्ट ईमरान खान, संदीप रामटेक्कर, मनीष पाण्डे, आरएस धारणे, अजेन्द्र सिरामे इन सभी के द्वारा लांजी नगर की बारी बारी से सभी दवाई दुकानों की जांच की गई। जाचं के दौरान कुछ दवाई दुकानों से प्रतिबधित प्रोनीट टॉनिक बरामद हुआ है जिन्हे एसडीएम श्री सिंहसार के आदेश पर जप्त कर सिविल अस्पताल लांजी के स्टोर शाखा में रखा गया है। इसके अलावा कुछ ऐसी दवाईया या कफ सिरप खांसी की दवाईयों के संबंध में जांच दल ने बताया कि 4 वर्ष तक के बच्चों को यह सिरफ नही दिया जाये चाहे कोई भी डाक्टर प्रिसक्राईब करे इस बात का विशेष ध्यान रखा जाये। डॉ अक्षय उपराडे के द्वारा सभी दवाई दुकानों के मेडिकल स्टॉक की जांच की गई। पिछले लगभग 6 माह के बिल भी देखे गये ताकि प्रतिबंधित कोन्ड्रीफ सिरप तो लांजी में कही विक्री नही किया गया है यदि किया गया हो तो कार्यवाही की जाती। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा श्रेशन फार्मास्यूटिकल कंपनी की दवाईयों को अग्रिम आदेश तक बिक्री के लिये रोक लगाई गई है।

शासन केनिर्देश के आधार पर कि जा रही जांच- एसडीएम सिंहसार

दवाई दुकानों की जांच को लेकर लांजी एसडीएम कमलचंद सिंहसार ने बताया कि विगत दिनों छिंदवाड़ा में जो घटना घटित हुई जिसको लेकर जिला कलेक्टर के द्वारा निर्देश जारी किये गये है, इसी के तहत लांजी नगर की सभी दवाई दुकानों का निरीक्षण किया गया है।

प्रतिबंधित दवाईयों के बिक्री के लिये मना किया गया है। शासन से जो निर्देश प्राप्त हुये उस आधार पर सभी दवाई दुकानदारों को आदेश जारी किये गये हैं। श्रेशन फार्मस्यूटिकल कंपनी दवाईयों पर भी बिक्री के लिये प्रतिबंधित किया गया। इसके अलावा 4 वर्ष के बच्चो के लिये जो कफ सिरप प्रतिबंधित है उस विषय को लेकर भी दवाई दुकानों के संचालको को समझाईश दी गई है। अग्रिम आदेश तक यह दवाईयों 4 वर्ष तक के बच्चों को ना दी जाये। यह कार्यवाही सतत जारी रहेगी एवं लांजी क्षेत्र के सभी दुकानों की जांच की जावेगी।

श्रेशन कंपनी की दवाईयों को बैन करने की एडवायजरी जारी- बीएमओ

उक्त जांच प्रक्रिया तो लेकर सिविल अस्पताल लांजी के बीएमओ अक्षय उपराड़े ने बताया कि छिंदवाड़ा में हुई घटना के बाद प्रशासन के द्वारा जारी एडवायजरी के निर्देश को पालन करते हुये 8 अक्टूबर को एसडीएम सर के नेतृत्व एवं मार्गदशन में लांजी नगर की सभी रजिस्टर्ड दवाई दुकानों का निरीक्षण किया जा रहा है, जिसके तहत शासन के द्वारा जारी निर्देश पर श्रेशन कंपनी की दवाईयों को बैन करने के एडवायजरी जारी की गई, जिसका परिपालन में सभी रजिस्टर्ड दवाई दुकानों को निर्देश जारी किये गये है। इसके अतिरिक्त कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी पदेन उपसंचालक खाद्य एवं औषधी प्रशासन के द्वारा जारी निर्देश के आधार परक्लोरोफेनिरामाईन,मैलेट,आईपी 2 एमजी फेनिलेफ्राईन एचसीएल आईपी 5 एमजी ड्रॉप एमएल का उपयोग 4 वर्ष से कम आयु के शिशु के उपचार हेतु ना किया जाये। यह भी निर्देश सभी दुकानदारों को दिये गये है। इस सबंध में जारी पत्र के अनुसार नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन मध्यप्रदेश भोपाल ने संदर्भित पत्र द्वारा प्रदेश के समस्त पंजीयकृत चिकित्सा व्यावसायियों को निर्देशित किया गया है कि, भारत सरकार, महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा जारी निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चत करते हुये 04 वर्ष से कम आयु के रोगी शिशु के उपचार हेतु उक्त औषधि प्रीसक्राईब ना की जावे साथ ही संबंधित औषधि दवा के लेबल पर तथा औषधि के प्रचार पाम्प्लेट पर 卐चेतावनी-04 वर्ष से कम आयु के शिशुओं के उपचार हेतु नही जानी यह लेबल भी निर्देशित करे। वही आपने बताया कि उक्त कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी जो कि क्षेत्र के सभी रजिस्टर्ड दवाई दुकानो की जंच कर की जावेगी।

भानेगांव में निःशुल्क महावीर स्वास्थ्य सेवा शिविर 102 लोग मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित

पद्मेश न्यूज। लांजी। महावीर इंटरनेशनल अपेक्स लांजी, जिला बालाघाट, मध्य प्रदेश (रीजन-9) द्वारा भानेगांव में 5 अक्टूबर को निःशुल्क महावीर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में लोगों की सेवा के साथ-साथ सेवा, प्रेम और शांति का संदेश प्रसारित किया गया। 'सबकी सेवा, सबको प्यार' का मूल मंत्र अपनाते हुए महावीर इंटरनेशनल समाज और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित है। इस अवसर पर सभी धर्मों और आयु वर्ग के लोगों से आह्वान किया गया कि वे प्राणिमात्र की सेवा के इस अभियान में सहभागी बनें। यह पहल भेदभाव और सीमाओं को मिटाकर प्रेम और समर्पण का मार्ग प्रशस्त करने के लिए है। शिविर में प्रशिक्षित डॉक्टर कर्मवीर सिंह और सहयोगी इंद्रकुमार राजा भुते के नेतृत्व में निःशुल्क नेत्र जांच की गई, जिसमें मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए 102 लोगों का चयन हुआ। महावीर इंटरनेशनल अपेक्स महाकौशल जोन चेयरमैन व लांजी केंद्र चेयरमैन विशाल राउत खोंगल ने बताया कि प्रत्येक माह की 27, 28, 29 और 30 तारीख को विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित किए जाते हैं। महावीर स्वास्थ्य सेवा केंद्र स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। अब नागरिकों को जांच, परामर्श और मार्गदर्शन के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। केंद्र द्वारा मरीजों को सभी सुविधाएं, जिसमें बस सेवा भी शामिल है, उपलब्ध कराई जाएगी। आइए, मिलकर सेवा, समर्पण और प्रेम का संदेश समाज के हर वर्ग तक पहुंचाएं।

ग्राम रोजगार सहायकों ने की वेतन भुगतान और वित्तीय प्रभार की मांग

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत लॉजी के ग्राम रोजगार सहायकों और सहायक सचिवों को तीन माह का बकाया वेतन, आयुष्मान कार्ड निर्माण का भुगतान तथा शासन के निर्देशानुसार वित्तीय प्रभार प्रदान करने की मांग को लेकर ग्राम रोजगार सहायक सचिव संगठन ने मुख्यकार्यपालन अधिकारी (सीईओ) जनपद पंचायत लांजी को ज्ञापन सौंपा है। संगठन के अध्यक्ष दशरथ उपराडे तथा सचिव भुवन फल्लारे के नेतृत्व में यह मांग पत्र तैयार किया गया है। ज्ञापन में मुख्य रूप से तीन बिंदुओं पर जोर दिया गया है। पहला, जुलाई, अगस्त और सितंबर के तीन माह का वेतन भुगतान शीघ्र किया जाए। संगठन का कहना है कि ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सहायक सचिव लंबे समय से वित्तीय संकट का सामना कर रहे हैं। मध्य प्रदेश में ग्राम रोजगार सहायकों की वेतन देरी की समस्या व्यापक है, खासकर जनपद पंचायत लॉजी में। आयुष्मान भारत योजना के तहत बनाए गए कार्डों का भुगतान है। सहायकों ने बताया कि उन्होंने ग्रामीणों के लिए आयुष्मान कार्ड जारी करने में सक्रिय भूमिका निभाई, लेकिन अब तक इसका पारिश्रमिक नहीं मिला है। यह भुगतान न होने से उनकी प्रेरणा पर असर पड़ रहा है। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण बिंदु मध्य प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के पत्र का पालन है। इस पत्र में निर्देश दिए गए हैं कि जहां पंचायत सचिवों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है, वहां ग्राम रोजगार सहायक या सहायक सचिव को सचिव का वित्तीय प्रभार प्रदान किया जाए। संगठन ने मांग की है कि लॉजी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली पंचायतों में इस निर्देश का तत्काल अनुपालन हो। अध्यक्ष ने कहा कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन आंदोलन की राह अपनाएगा। उन्होंने बताया कि ग्राम रोजगार सहायकों की नियुक्ति महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) और अन्य ग्रामीण विकास योजनाओं के लिए की जाती है, लेकिन वेतन और प्रभार की अनियमितताएं उनकी कार्यक्षमता को प्रभावित कर रही हैं। जिले में पहले भी पंचायत सचिवों और रोजगार सहायकों के बीच प्रभार विवाद की घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

परम्परा के साथ कल मनाया जायेगा सुहाग का पर्व करवा चौथ

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर मनाया जाने वाला यह पर्व विवाहित महिलाओं के लिए समर्पण और प्रेम का प्रतीक बन चुका है। इस साल करवा चौथ का व्रत 10 अक्टूबर 2025, शुक्रवार को रखा जाएगा। पंचांग के अनुसार, चतुर्थी तिथि 9 अक्टूबर रात 10:54 बजे से शुरू होकर 10 अक्टूबर शाम 7:38 बजे तक रहेगी, लेकिन उदय तिथि के आधार पर यह व्रत कल 10 अक्टूबर को ही नगर व क्षेत्र में श्रद्धाभाव से मनाया जावेगा । सुहागन स्त्रियां अपने पति की दिर्घायु के लिए कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को करवा चौथ का व्रत रखेगी । इस अवसर पर सुहागिन महिलाएं निर्जला व्रत रख शाम को चन्द्र दर्शन कर नवग्रहों में एक चन्द्रदेव की पूजा कर अर्घ्य देकर चलनी से चन्द्रदेव व अपने पति के दर्शन कर अपने पति के हाथों जल ग्रहण कर व्रत खोलने की परम्परा है । यह पर्व सुहाग की मंगल कामना से जुड़ा एक लोकप्रिय पर्व है , जिसका इंतजार हर विवाहित स्त्री को बेसब्री से रहता है । क्योंकि इस दिन सुहागिन महिलाएं व्रत रखकर अपने पति व सुहाग की दीर्घायु व सर्व सम्पन्नता की कामनाएं करती हैं । नवविवाहिताओं से लेकर ढलती उम्र तक की स्त्रियां यह व्रत रखती हैं । करवा चौथ के दिन सुबह सुहागिने मांग में सिंदूर , माथे पर बिंदियां व हाथों में रंग - बिरंगी चूड़ियां व आभूषणों के साथ - साथ आकृर्षक परिधानों को धारण करती हैं । वे इस दिन यह व्रत भी लेती है कि वे अपने पति परमेश्वर के प्रति पूरी निष्ठा, त्याग, मन, वचन, से उसको अपना सर्वस्व अर्पण करती है । इस व्रत की महत्ती विशेषता यह है कि सजी - धजी महिलाएं शाम को चंद्र दर्शन कर उसे अर्घ्य चढाकर व पूजा - अर्चना के बाद ही अन्न ग्रहण करती है । करवा चौथ व्रत से पति - पत्नि के मध्य जहां विश्वास व श्रद्धा की डोर मजबूत होती है , वहीं समर्पण की भावना को भी बल मिलता है । इस दिन आपसी मनमुटाव दूर होता है व एक नये संकल्प के साथ जीने का प्रण परस्पर लेते हैं ।

ग्राम भालवा मे नशा मुक्ति अभियान सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। हट्टा। ग्राम पंचायत भालवा मे दिनांक 8 अक्टूबर को ग्राम सरपंच श्रीमती अलकेश्वरी अमृतलाल राहगडाले के नेत्रत्व मे ग्राम मे नशा मुक्ति अभियान चलाया गया जिसमे जिसमे रैली निकालकर लोगों को नशा ना करने के लिए कहा गया और ग्राम मे पूर्ण रूप से शराब बंद किया गया और किसी भी प्रकार का नशा ना करने शपथ ली गई। इस अभियान को ग्राम के सभी नागरिकों ने अपने प्रतिसठान बंद कर अपना समर्थन दिया इस रैली मे ग्राम के सरपंच श्रीमती अलकेश्वरी अमृत राहगडाले, उपसरपंच योगराज पटले , सचिव लक्ष्मीचन्द बाहे , रोजगार सहायक दीपक जामरे, अमृतलाल राहगडाले, चंदन शरणागत, समस्त पंच व समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे ।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक कल

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी की आवश्यक बैठक कल 10 अक्टूबर दिन शुक्रवार को दोपहर 12 बजे से गायत्री शक्तिपीठ लांजी के सभागार में आयोजित की गई है। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी के अध्यक्ष सेवकराम ठाकरे एवं सचिव आई एस चौहान, कोषाध्यक्ष एन एल बसेना ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी सेक्टर प्रभारी लांजी, कारंजा, देवलगांव, भानेगांव, बहेला, टेमनी सभी अपने अपने सेक्टरों से नये पेंशनरों को साथ लेकर आएं, जिनका सम्मान कर सदस्यता दिलाई जाएगी। जिन्होंने ने आजीवन सदस्यता के लिए आवेदन फार्म जमा किए हैं उनके परिचय पत्रों का वितरण किया जाना है। इसके अलावा पेंशनरों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा कर सुझावों पर विचार-विमर्श के साथ संगठन के अन्य विषयों पर भी चर्चा की जाएगी। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी के समस्त पदाधिकारियों ने सभी पेंशनर्स साथियों से आवश्यक रूप से बैठक में उपस्थित होने की अपील की है।

अपनी ही पार्टी के विधायक के कार्यों पर रोक लगाने की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे थे भाजयुमो अध्यक्ष

पद्मेश न्यूज। किरनापुर।

तहसील मुख्यालय ग्राम किरनापुर के बेसिक शाला मैदान मे कराए गए निर्माण कार्यों पर रोक लगाए जाने की मांग को लेकर भाजयुमो मंडल अध्यक्ष एवं वार्ड नंबर 2 के पंच अंकुश पचभैया द्वारा 7 अक्टूबर से भूख हड़ताल प्रारंभ कर दी गई है। इस बाबद वार्ड पंच अंकुश पचभैया द्वारा जिला कलेक्टर को अवैध रूप से कराए जा रहे निर्माण कार्य पर रोक लगाने एवं भूख हड़ताल पर बैठे जाने पत्र के माध्यम से सूचना भी दी गई थी। बावजूद प्रशासन द्वारा इस विषय पर कोई कार्यवाही नहीं किए जाने से उनके द्वारा अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी गई हैं। जिस पर उन्हे यादव गोवारी समाज के लोगों सहित अन्य समाज के लोगों का भी समर्थन प्राप्त हो रहा हैं।

सामुदायिक भवन एवं कृष्ण मंदिर निर्माण कार्य का विधायक राजकुमार कर्राहे ने किया था भूमिपूजन

उल्लेखनीय हैं कि लांजी किरनापुर क्षेत्र के विधायक राजकुमार कर्राहे द्वारा ग्राम पंचायत किरनापुर को अपनी विधायक निधि प्रदान कर उक्त स्थल एवं खसरा नंबर 247- 1/1 पर सामुदायिक भवन निर्माण कार्य करवाएं जाने के लिए भूमिपूजन किया गया था। तथा समीप ही कृष्ण मंदिर निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी यादव गोवारी समाज एवं सर्व समाज के लोगों की उपस्थिति में बड़े ही गर्मजोशी से किया गया था। वही इस भूमिपूजन कार्यक्रम मे स्थानीय स्तर के जनप्रतिनिधियों के साथ भाजयुमो मंडल अध्यक्ष एवं वार्ड नंबर 02 के पंच अंकुश पचभैया स्वयं भी मौजूद थे। यहां सूत्रों से मिली श्री कृष्ण मंदिर बनाने के लिए भूमि हेतु यादव अहीर गोवारी समाज द्वारा आज तक ना तो ग्राम पंचायत और ना ही तहसीलदार और ना हीं एसडीएम ऑफिस में पत्र दिया गया। जिसके कारण भूमि का आबंटन नही हो पाया है।

खसरा नंबर 247-1/1 पर पूर्व कई वर्षो से ही निर्मित है पानी टंकी एवं दो मकान

आपको यह बताना भी लाज़मी है कि बेसिक शाला मैदान के खसरा नंबर 247-1/1 मे शासकीय मद से विशाल पानी टंकी के अलावा यादव परिवार के दो लोगों के मकान कई वर्षो पूर्व से ही बने हुए है। इतना ही नहीं बल्कि बेसिक शाला मैदान के उक्त खसरा नंबर की भूमि पर ग्राम पंचायत के कमरों की भी चाल बनी हुई हैं।लेकिन वार्ड पंच एवं भाजयुमो मंडल अध्यक्ष अंकुश पचभैया द्वारा विधायक राजकुमार कर्राहे द्वारा भूमिपूजन कार्यक्रम के पश्चात् एवं ग्राम पंचायत किरनापुर द्वारा निर्माण कार्य प्रारंभ किए कर लगभग आधा कार्य हो जाने पर उक्त निर्माण कार्य पर रोक लगाने की मांग कर प्रशासनिक अधिकारियों को आवेदन दिया गया था। जिस पर किसी तरह से कोई सुनवाई नहीं हो पाई और वॉर्ड पंच अंकुश पचभैया द्वारा अपने ही पार्टी के विधायक राजकुमार कर्राहे द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों पर रोक लगाने की मांग करते हुए भूख हड़ताल शुरू कर दी है।

28 घंटे मे भूख हड़ताल एवं अनशन हो गया समाप्त

भूख हड़ताल के दूसरे दिन 8 अक्टूबर 2025की शाम को पूर्व विधायक रमेश भटेरे एवं प्रशासनिक अधिकारी अनशन स्थल पर पहुंचे। वार्ड पंच अंकुश पचभैया से चर्चा कर समझाइश दी एवं इस मामले का उचित निराकरण करने का आश्वासन भी दिया। जिसके उपरांत पूर्व विधायक रमेश भटेरे ने अंकुश पचभैया को जूस पिलाकर अनशन समाप्त करवाया।

ओबीसी आरक्षण : हाईकोर्ट को वापस भेज सकता है सुप्रीम कोर्ट

भोपाल। एजेंसी। मप्र में ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण के मामले में सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को फिर सुनवाई नहीं हो सकी। सुप्रीम कोर्ट में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, मप्र के एडवोकेट जनरल प्रशांत सिंह, एडिशनल सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज और स्पेशल काउंसिल एडवोकेट शशांक रतनू सरकार की ओर से मौजूद थे। सुप्रीम कोर्ट ओबीसी आरक्षण के मामले में गुरुवार को बड़ा फैसला दे सकता है।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू होते ही सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मैटर को मेंशन किया। मेहता ने कहा- इसमें बहुत सारे टेक्निकल पक्ष हैं। इसलिए कहीं न कहीं इसकी सुनवाई में समय लग सकता है। इसके समाधान के लिए क्या तरीका निकाला जाए? क्यों न कुछ और तरह का सॉल्यूशन निकाला जाए। इस पर कोर्ट ने कहा कि आप फिर वक्त मांगेंगे तो और समय जाएगा। दिक्कतें बढ़ेंगी। अगले हफ्ते दीवाली है, छुट्टियां हैं। कोर्ट ने कहा, हम ये चाहते हैं कि ये मैटर हाईकोर्ट के फैसले के बाद हमारे पास आए। सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर पिटीशन पहुंची हैं। इस मामले में हाईकोर्ट का कोई फैसला नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि जिस तरह छत्तीसगढ़ में अंतरिम लाभ दिया गया था। हो सकता है कि मप्र के मामले में भी अंतरिम राहत दे दें। इस पर याचिकाकर्ताओं ने आपत्ति जताई तो कोर्ट ने कहा कि इस मामले पर जो उपयुक्त समाधान हो सकता है उस पर बुधवार को विवेचना करके सुनवाई करेंगे।

आज बड़े फैसले का दिन

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप सभी लोग अपने पक्ष बताएं, हो सकता है कि अंतरिम लाभ दे दें या लाभ नहीं भी दें तो हम हाईकोर्ट को डायरेक्ट कर दें। आप सब लोग इस बात पर अपने तर्क दें कि इस मामले का कैसे जल्दी समाधान कर सकते हैं। हम इस मामले को हाईकोर्ट भेज दें या अंतरिम राहत देकर हाईकोर्ट भेज दें। क्योंकि हाईकोर्ट को अपने राज्य के बारे में अच्छे से जानकारी होती है। ये रिजर्वेशन का मामला है, इसमें इंदिरा साहनी की कड़ी जरूर है लेकिन ये राज्य से संबंधित मामला है। इसलिए इस मामले में जो सबसे उपयुक्त समाधान हो सकता है उस पर कल सुनवाई करेंगे। कोर्ट ने कहा हम तो चाहते हैं कि इस मामले को निपटा ही दें।

कोर्ट ने बार-बार टाइम मांगने पर एतराज जताया

सुप्रीम कोर्ट में ओबीसी महासभा के वकील वरुण ठाकुर ने बताया, आज मप्र सरकार ने फिर से टाइम मांगा, जिस पर कोर्ट ने आपत्ति जताई और कहा कि आगे दीवाली की छुट्टी आ जाएगी। हमारे पास काफी सारे महत्वपूर्ण मैटर हैं, क्यों न आप इसकी हाईकोर्ट में ले जाकर सुनवाई कराएं। इस तरीके से आप बार बार टाइम मांग रहे हैं। हम आपको प्रायोरिटी पर सुनने के लिए लिस्टेड कर रहे हैं। उसके बावजूद आप तैयार नहीं रहते हैं। इन सब बिंदुओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट में हमारी ओर से यह कहा गया कि क्योंकि यह मैटर हाईकोर्ट में डिसाइड हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी यह माना कि वहां की डेमोग्राफी, जनसंख्या स्थिति हाईकोर्ट बेहतर तरीके से समझ सकता है। इस सब बिन्दुओं को लेकर सुनवाई आज स्थगित कर दी है अब कल इस मामले पर सुनवाई होगी।

दमोह जिले के दोनी ग्राम में मिले हजारों वर्ष पहले के पुरावशेष

प्राचीन टीले से मिलीं 10वीं-11वीं शताब्दी की उत्कृष्ट प्रतिमाएं

भोपाल। एजेंसी। दमोह जिले के दोनी ग्राम में हाल ही में हुए खोज कार्य के दौरान भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण पुरावशेष प्राप्त हुए हैं। ये पुरावशेष हजारों वर्ष पुराने बताए जा रहे हैं, स्थापत्य कला की अद्वितीय उत्कृष्टता को दर्शाते हैं और क्षेत्र के गौरवशाली अतीत को पुन: जीवित करते हैं। यह ऐतिहासिक खोज संस्कृति राज्य मंत्री धर्मेंद्र लोधी के निर्देशन में हुई है। उनकी पहल पर, पुरातत्व विभाग द्वारा इस प्राचीन टीले पर सफाई और रखरखाव का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया गया है ताकि इन अमूल्य धरोहरों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

प्रमुख प्रतिमाएं और उनका महत्व

प्राप्त पुरावशेषों में कई विशिष्ट और भव्य प्रतिमाएं शामिल हैं। विशेषज्ञों के आकलन के अनुसार ये सभी मूर्तियां लगभग 10वीं से 11वीं शताब्दी की हो सकती हैं और ये किसी विशाल शिव मंदिर का अभिन्न अंग रही होंगी। इनमें प्रमुख रूप से ब्रह्मा, विष्णु, शिव, उमा-महेश्वर, पार्वती, अर्धनारीश्वर, वायुदेव, गज अप्सरा, तथा विभिन्न नायिकाओं की मूर्तियां सम्मिलित हैं। इन प्रतिमाओं की बारीक नक्काशी और कलात्मकता तत्कालीन शिल्प कौशल की उत्कृष्टता को सिद्ध करती है। यह महत्वपूर्ण सफाई कार्य संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय, भोपाल की आयुक्त श्रीमती उर्मिला शुक्ला के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

युकां से जुड़ने वाले पांच लाख रिजेक्ट, पांच लाख होल्ड

66 प्रतिशत की सदस्यता पर मंडरा रहा खतरा

भोपाल। एजेंसी। मप्र में युवा कांग्रेस के चुनाव को लेकर पदाधिकारियों ने आनन-फानन में सदस्यों को संगठन से जोड़ लिया, लेकिन अब तकरीबन 66 प्रतिशत सदस्यों पर सदस्यता पर खतरा मंडराने लगा है। गौरतलब है कि प्रदेश युवा कांग्रेस ने सदस्यता के दौरान मध्य प्रदेश में 15 लाख के लगभग सदस्य बनाएं, सदस्य बनाने के साथ ही प्रदेश अध्यक्ष सहित कई पदों पर वोटिंग भी करवा दी। पहले इनमें से 5 लाख के लगभग सदस्य रिजेक्ट कर दिए और अब पांच लाख के लगभग सदस्यों को होल्ड कर दिया गया है।

गौरतलब है कि युवा कांग्रेस ने जून और जुलाई में ऑनलाइन सदस्यता अभियान चलाया था। सदस्य बनने के साथ ही सभी को प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महामंत्री, जिला अध्यक्ष, जिला महामंत्री, विधानसभा अध्यक्ष और ब्लॉक अध्यक्ष के लिए वोट भी करना था। इस सब में 14 लाख 74 हजार युवाओं ने सदस्यता ली। अब इनमें भी पेंच आ गया है। युवा कांग्रेस ने पहले लगभग पौने पांच लाख युवाओं को रिजेक्ट कर दिया। इसके बाद जब दस्तावेजों की जांच की गई तो पांच लाख के लगभग युवाओं के पूरे दस्तावेज नहीं मिले। ऐसे में प्रदेश में युवा कांग्रेस से जुड़ने वालों में से लगभग 66 प्रतिशत युवाओं की सदस्यता पर अब खतरा मंडरा रहा है।

आज से चलेगा दस्तावेज सही करने का अभियान

बताया जाता है कि पार्टी ने जिन पांच लाख युवाओं की सदस्यता को होल्ड किया है, उन्हें दस दिन में अपने दस्तावेजों को सही करने का मौका दिया है। यह मौका उन्हें 9 से 19 अक्टूबर के बीच में मिलेगा। इन दस दिनों में इन सदस्यों को अपने दस्तावेज सही करना होंगे, जितने युवा अपने दस्तावेज सही कर सकेंगे उन्हें सदस्यता दे दी जाएगी, बाकी को रिजेक्ट कर दिया जाएगा। इन पांच लाख युवाओं पर निर्णय होने के बाद ही युवा कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष सहित अन्य पदों के हो चुके चुनाव की वोटिंग की जाएगी, तक तक वोटिंग तीन महीने की ही तरह होल्ड रहेगी।

कलेक्टर्स-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन मुख्य सचिव जैन ने कहा...

कलेक्टर्स जन कल्याणकारी योजना और विकास कार्यों के प्रचार में करें सहयोग

भोपाल। एजेंसी। कलेक्टर्स-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन का प्रथम सत्र सुशासन में संवाद की महत्ता पर केंद्रित रहा। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने शासन की नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों की सही और समयोजित जानकारी जन सामान्य तक पहुंचाने की महत्ता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सूचनाओं का पारदर्शी प्रसार सरकार की विश्वसनीयता स्थापित करने का मुख्य आधार है। इसके साथ ही जिला प्रशासन को अफवाहों, गलत जानकारी और दुष्प्रचार का खंडन करने के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाने चाहिए। इससे जनहित की रक्षा के साथ सरकार की छवि को बनाए रखने में भी मदद मिलेगी।

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा कि जिला स्तर पर योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में जनभागीदारी को अधिक से अधिक प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर विधानसभा वार विजन डॉक्यूमेंट विकसित किए गए हैं। इसके क्रियान्वयन को सभी जिले प्राथमिकता पर लें। उन्होंने कहा कि समाधान ऑनलाइन में आने वाले प्रकरणों के निराकरण के साथ व्यवस्था में हो रही कमियों पर ध्यान देते हुए उन्हें दूर करने के प्रयास किए जाएं। मुख्य सचिव जैन ने कहा कि जिलों में मुख्यमंत्री के दौरों के दौरान जिलों की सामान्य समस्याओं और जन अपेक्षाओं से अवगत कराना जिला कलेक्टर का दायित्व है।

सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करें

मुख्य सचिव जैन ने कहा कि जिलों में पदस्थ जनसंपर्क अधिकारी की भूमिका को सशक्त करते हुए जिला प्रशासन की सकारात्मक पहल और सफलता की कहानियों का व्यापक प्रसार किया जाए। जिला स्तर के सभी विभागों के अधिकारी जनसंपर्क अधिकारी के संपर्क में रहे तथा उन्हें नियमित रूप से अपने-अपने विभाग की उपलब्धियों से अवगत कराएं। विभागों और जनसंपर्क अधिकारी के मध्य समन्वय के लिए जिला कलेक्टर किसी वरिष्ठ अधिकारी को नोडल ऑफिसर नामांकित करें। मुख्य सचिव जैन ने कहा कि पत्रकारिता महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को इंटर्नशिप पर रखकर जिला स्तर पर हो रही सकारात्मक गतिविधियों और सफलता की कहानियों के संकलन में उनकी सेवाएं ली जाएं।

जनभागीदारी को किया जाए प्रोत्साहित

अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई ने कहा कि जिला स्तर पर योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में जनभागीदारी को अधिक से अधिक प्रोत्साहित किया जाए। समाजसेवियों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों से जिला कलेक्टर्स सतत् सम्पर्क में रहें। इससे जनसामान्य की भावनाओं, क्षेत्र की आवश्यकताओं आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलेगी। जिलों के दौरों के दौरान मुख्यमंत्री जी को जिलों की सामान्य समस्याओं और जन अपेक्षाओं से अवगत कराना जिला कलेक्टर का दायित्व है।

योजनाओं का प्रचार-प्रसार हो

आयुक्त जनसंपर्क दीपक सक्सेना ने जनसंपर्क विभाग द्वारा संचालित गतिविधियों का प्रेजेन्टेशन देते हुए कहा कि सकारात्मक जनमत तैयार करने के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रानिक और सोशल मीडिया के माध्यम से योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जा सकता है। नवीनतम तकनीकों के उपयोग से जनसंपर्क गतिविधियों को अधिक प्रभावी और सुलभ बनाना संभव हुआ है। मीडिया विश्लेषण और जन भावनाओं के अध्ययन से नीतियों में आवश्यक सुधार भी किया जा सकता है। उन्होंने आपदा या संवेदनशील स्थितियों में सटीक और संयमित सूचना का रीयल टाइम में प्रसार के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल और डिजिटल मीडिया पर प्रकाशित प्रसारित होने वाले समाचारों की नियमित मॉनिटरिंग कर संबंधित विभागों को प्रतिदिन रिपोर्ट भी दी जा रही है।

शासन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी कलेक्टर

आयुक्त जनसंपर्क सक्सेना ने कहा कि मैदानी स्तर पर शासन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी कलेक्टर है। कलेक्टर्स, मीडिया से सतत-समन्वय-संपर्क और संवाद में रहें। मीडिया प्रतिनिधियों के साथ नियमित ब्रीफिंग के लिए एक समय का निर्धारण किया जाए।

इंटरनेशनल शिकारियों की जमानत हाईकोर्ट ने की खारिज

भोपाल एजेंसी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने दो राष्ट्रीय वन्यप्राणी बाघ के अवैध शिकार और उनके अवयवों की तस्करी करने वाले आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी हैं। आरोपियों को मध्य प्रदेश स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने फरवरी-मार्च 2025 में गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपी मिजोरम और मेघालय के रहने वाले हैं और अंतर्राष्ट्रीय गिरोह के सदस्य बताए जा रहे हैं। यह गिरोह बाघों के दांत, नाखून, खाल और हड्डियों को विदेश में बेचकर मोटी रकम कमाता था।

मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में 2015-16 से सक्रिय यह गिरोह बाघों का शिकार कर उनके अवशेष अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेचता रहा। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र वन विभागों ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए लगभग 10 अपराधियों को अब तक गिरफ्तार किया है। मेजोरम के आइजोल निवासी जामखानकाप और मेघालय के शिलांग निवासी लालनेसंग हमार को मध्य प्रदेश स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने महाराष्ट्र फॉरेस्ट टीम के सहयोग से 28 फरवरी और 10 मार्च 2025 को उनके गृह ग्राम से गिरफ्तार किया था। निचली अदालत ने दोनों की जमानत याचिकाएं पहले ही खारिज कर दी थीं।

जांच में सामने आया कि यह गिरोह बाघों का शिकार कर उनके अवशेषों को नॉर्थ ईस्ट और म्यांमार के रास्ते चीन भेजता था। चीन में खरीदार हड्डी और खाल की कीमत तय करते थे।

नौरादेही टाइगर रिजर्व विस्थापन में हेरफेर

विस्थापितों की परमिशन के बिना बैंक ने खोली पॉलिसियां

भोपाल एजेंसी। मध्य प्रदेश के सबसे बड़े टाइगर रिजर्व वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में चल रही विस्थापन प्रक्रिया विवादों में आ गयी है। यहां टाइगर रिजर्व के कोर एरिया के एक गांव के विस्थापितों के मुआवजे के लिए निजी बैंक में खोले गए खातों में पैसों में हेरा फेरी की गई है। आरोप है कि निजी बैंक द्वारा विस्थापितों की सहमति के बिना उनकी पॉलिसी खोल दी गयी और उनको इसके बारे में पता ही नहीं चला। इस मामले के खुलासे के बाद बैंक द्वारा की गई हेराफेरी तो सामने आ गयी है। लेकिन जानकार लोग विस्थापन के लिए एनटीसीए द्वारा तय की गई प्रोजेक्ट टाइगर की गाइडलाइन के उल्लंघन पर भी सवाल उठा रहे हैं।

वाइल्डलाइफ एक्टिविस्ट अजय दुबे ने मुख्य सचिव से शिकायत कर गाइडलाइन के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए पूरी विस्थापन प्रक्रिया की जांच की मांग की है। उनका कहना है कि, अगर गाइडलाइन की तहत कलेक्टर और डीएफओ मामले पर नजर रखते और समय-समय पर समीक्षा करते, तो भोले भाले आदिवासियों और अनुसूचित जाति के विस्थापन के साथ बैंक हेरा फेरी कर ही नहीं सकता था।

क्यों उठे विस्थापन प्रक्रिया पर सवाल

वाइल्डलाइफ एक्टिविस्ट अजय दुबे ने मुख्य सचिव से की शिकायत में आरोप लगाया कि नौरादेही टाइगर रिजर्व में जिला प्रशासन सागर और टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा विस्थापितों से अन्याय, छल और आर्थिक गड़बड़ी की जानकारी मिली है। पीड़ितों में ज्यादातर आदिवासी और अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग के लोग हैं। भारत में प्रोजेक्ट टाइगर के तहत टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में विस्थापन प्रक्रिया एनटीसीए गाइडलाइन और एफआरए एक्ट के तहत कलेक्टर और वन विभाग के द्वारा संचालित होती है, जिसका यहां गंभीर उल्लंघन हुआ है। नौरादेही टाइगर रिजर्व में विस्थापितों को प्रदान राशि के लिए बैंक अकाउंट कलेक्टर के साथ खोले जाने थे, लेकिन यहां ऐसा नहीं हुआ है। जिसका नुकसान निर्दोष विस्थापितों को हुआ। ग्राम सभा के अधिकारों का हनन हुआ, जिसकी समय समय पर समीक्षा न सागर कलेक्टर ने की और ना ही वीरांगना दुर्गावती नौरादेही टाइगर प्रबंधन ने की। इस प्रशासनिक आपराधिक लापरवाही के कारण दलालों और निजी बैंक एचडीएफसी ने विस्थापितों की राशि का अनुचित उपयोग करते हुए बीमा में लगाया। इसलिए पिछले 10 वर्षों में टाइगर रिजर्व प्रबंधन और सागर कलेक्टर द्वारा विस्थापन संबंधित अधिनियमों और नियमों का उल्लंघन करने वालों की जांच कर जिम्मेदारी तय हो और स्पेशल वित्त ऑडिट होना चाहिए।

मुख्यमंत्री के पास भी पहुंचा मामला

इस मामले में मुख्य सचिव से शिकायत के अलावा पूर्व मंत्री और रहली विधानसभा के विधायक गोपाल भार्गव ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को भी शिकायत की है। क्योंकि जिस गांव के विस्थापितों के साथ बैंक द्वारा हेराफेरी की गई है, यह गोपाल भार्गव के विधानसभा क्षेत्र रहली के अंतर्गत आता है।वहीं नौरादेही टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. एए अंसारी कहते हैं कि टाइगर रिजर्व के खाप खामगोरिया गांव में 2021 में विस्थापन की प्रक्रिया शुरू हुई थी। इस में सब कुछ एनटीसीए की गाइडलाइन के तहत हुआ है। विस्थापन प्रक्रिया में कलेक्टर अध्यक्ष और वन विभाग सदस्य सचिव होता है। विस्थापन को जो मुआवजा मिलता है, उसका पैसा बिना अनुमति के नहीं निकाला जा सकता है। विस्थापित के लिए सक्षम अधिकारी से अनुमति लेना होती है। इस मामले में पहली नजर में बैंक स्तर पर लापरवाही की गई है। कलेक्टर द्वारा एसडीएम रहली की अध्यक्षता में जांच कमेटी गठित की गई है। कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद कार्यवाही की जाएगी।

कफ सिरप कांड की एसीसी ने मांगी पूरी रिपोर्ट

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आ सकते हैं छिंदवाड़ा

भोपाल। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में जहरीले कफ सिरप से मासूम बच्चों की मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। अब तक 20 बच्चों की जान जा चुकी है, और इस मामले ने पूरे देश को झकझोर दिया है। विपक्ष ने सरकार पर निशाना साधा है, जबकि कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल गांधी कल छिंदवाड़ा पहुंच सकते हैं।

कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कल विदेश दौरे से लौटने के बाद छिंदवाड़ा आ सकते हैं। वे पीड़ित परिवारों से मुलाकात करेंगे और मामले की पूरी जानकारी लेंगे। राहुल गांधी पहले रायबरेली पहुंचेंगे, जहां हाल ही में एक दलित युवक की पीट-पीटकर हत्या का मामला सामने आया है। इसके बाद वे छिंदवाड़ा रवाना हो जाएंगे। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी ने इस मामले पर पूरी रिपोर्ट मांगी है।

सरकार ने कंपनी की सभी दवाओं पर लगाया बैन

छिंदवाड़ा जिले में सितंबर से शुरू हुए इस संकट ने अब भयावह रूप ले लिया है। डॉक्टरों द्वारा सुझाए गए कोल्ड्रिफ कफ सिरप में मिलावट पाई गई है, जिसमें डायएथिलीन ग्लाइकॉल की घातक मात्रा थी। तमिलनाडु लैब की रिपोर्ट में सिरप में 46.2 प्रतिशत जहरीला पदार्थ पाया गया। परासिया के डॉक्टर प्रवीण सोनी, जिन्होंने कई बच्चों को यह सिरप दिया, को गिरफ्तार कर लिया गया है। सिरप बनाने वाली फार्मा कंपनी पर भी एफआईआर दर्ज हुई है, और राज्य सरकार ने कंपनी की सभी दवाओं पर बैन लगा दिया है। पुलिस ने एसआईटी गठित कर जांच तेज कर दी है।

अब तक 20 बच्चों की जा चुकी जान

आंकड़ों की बात करें तो छिंदवाड़ा में 18 बच्चों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि बैतूल में दो और मामले सामने आए हैं। कुल 20 मौतें। कई बच्चे अभी नागपुर के अस्पतालों में भर्ती हैं, जहां किडनी फेलियर का इलाज चल रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रत्येक पीड़ित परिवार को 4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की है, और सरकार इलाज का पूरा खर्च वहन करेगी।

मप्र में ज्यादा नंबर वाले वोटर्स के घर जाएगी कांग्रेस

भोपाल। एमपी के चुनावों में लगातार हार के बाद कांग्रेस अब वोटर लिस्ट सुधार को लेकर तेजी से काम कर रही है। बीजेपी के पन्ना प्रमुखों के मुकाबले कांग्रेस अब हर बूथ पर बीएलए तैनात कर रही है। 2028 के विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस ने प्रदेशभर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2025 को लेकर रणनीति तैयार कर ली है।

ऐसे में कांग्रेस अब ज्यादा नंबर वाले वोटर्स के घर जाएगी, जो भी नए नाम जुड़ेंगे-कटेंगे उन तक भी पहुंचेगी। कांग्रेस अब केवल प्रचार तक सीमित नहीं रहना चाहती बल्कि मतदाता सूची के हर पन्ने और हर नाम पर अपनी निगरानी रखने पर तेजी से काम करेगी।

सीएम विवाह घोटाले में 30 करोड़ का फर्जीवाड़ा, आगे की जॉच में और उधड़ेंगी परतें

एमपी में 52 जिले 428 तहसील केवल एक तहसील में हुआ 30 करोड़ का घोटाला

भोपाल/उमरिया।एजेंसी। कोरोना काल में जब शादियों पर प्रतिबंध लगा था, उस समय एमपी के विदिशा जिले की सिरोंज जनपद पंचायत में मुख्यमंत्री कन्या विवाह और निकाह योजना के तहत 5 हजार से अधिक शादियां कर दी गईं। इस दौरान 30 करोड़ रुपये से ज्यादा बांटने का दावा किया गया। जांच में जो बात सामने आई वह हैरान करने वाली थी, फर्जीवाड़ा करने के लिये कागजो में शादीशुदा बुजुर्ग और भाई-बहन, बच्चों तक की शादी करवा दी गई। मामले में जनपद के सीईओ सहित 3 लोग गिरफ्तार हुए हैं। सूत्रो के अनुसार सीईओ एक ताकतवर मंत्री के रिश्तेदार हैं। मामले को लेकर सियासत भी गर्मा गई है। सूत्रो के मुताबिक करोड़ों का यह घोटाला विदिशा जिले की सिर्फ एक जनपद पंचायत का है, जिसकी जांच का दायरा आगे बढ़ाया जा रहा है। चर्चा है, कि एमपी में 52 जिले 428 तहसील है, और 30 करोड़ का घोटाला केवल एक तहसील में हुआ है, यदि 428 तहसील जनपद पंचायत में हुए सीएम विवाह योजना के मामलों में छानबीन की गई तो फर्जीवाड़ा की रकम का यह आंकड़ा कहां तक पहुंचेगा इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है।

इधर राजनीतिक सूत्रों की माने तो घोटाले को लेकर कांग्रेस पूरी तरह से हमलावार हो गई है, और अंदरूनी तौर पर अन्य जनपद पंचायत में हुए सीएम विवाह योजनाओं के आंकड़े खंगालने के साथ ही मैदानी स्तर पर भी उन आकंड़ो की फफ्दीश करने में जुट गई है। जिसके चलते आने वाले समय में यह घोटाला और गर्मा सकता है, इसमें फर्जीवाड़े की रकम के साथ आरोपियों की संख्या भी बढ़ सकती है।

बता दें कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह और निकाह योजना के तहत भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की बेटियों को विवाह सहायता योजना में 51-51 हजार रुपए स्वीकृत किए जाते हैं। लेकिन सिरोंज में सामने आये फर्जीवाड़े की जांच के दौरान टीम ने पाया कि एक ही हितग्राही को कई बार योजना का लाभ दे दिया गया, जबकि योजना में प्रावधान एक परिवार की अधिकतम दो बेटियों के सहायता देने का है। जिन लोगों को योजना का लाभ देना दिखाया गया है, उन्हें इसकी जानकारी तक नहीं है। उल्लेखनीय है की 30.18 करोड़ के गबन मामले में ईडी ने सिरोंज जनपद पंचायत के पूर्व सीईओ शोभित त्रिपाठी और सहयोगियों के 7 ठिकानों पर सर्चिंग की। भोपाल, विदिशा, कटनी और छतरपुर में की गई कार्रवाई में ईडी ने 21.70 लाख रुपए के बैंक और म्यूचुअल फंड खाते फ्रीज किए। आरोपी शोभित भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री का करीबी रिश्तेदार बताया गया है, तलाशी में बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और आपत्तिजनक कागजात जब्त किए गए।

आज आज आमने-सामने होंगे भारत और दक्षिण अफ्रीका

विशाखापत्तनम। एजेंसी। हला विश्वकप क्रिकेट में गुरुवार को भारतीय टीम का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से होगा। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में भी अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखना रहेगा। भारतीय टीम ने अब तक श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया है और वह अंकतालिका में दूसरे नंबर पर है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम अभी पहले नंबर पर है। भारतीय टीम अगर दक्षिण अफ्रीका को हरा देती है तो वह शीर्ष पर पहुंच जाएगी। भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित शीर्ष क्रम की बल्लेबाज पहले दो मैचों में असफल रही हैं, ऐसे में अब उनका लक्ष्य इस मैच में अधिक से अधिक रन बनाना रहेगा। भारतीय टीम को इस मैच में हरमनप्रीत के अलावा स्मृति मंधाना से भी बड़े स्कोर की उम्मीद रहेगी। ये तीनों ही श्रीलंका और पाक के खिलाफ विफल रहीं थी। अब तक हरलीन देयोल, अमनजोत कौर, रिचा घोष और दीप्ति शर्मा ने अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम को इनसे इस मैच में भी उसी प्रकार का प्रदर्शन करने की उम्मीद रहेगी। पहले दोनो ही मैचों में भारतीय टीम को निचले क्रम के बल्लेबाजों ने अच्छे स्कोर तक पहुंचाया था।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालांकि इस तरह की गलती स्वीकार नहीं की जा सकती और शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को बेहतर रन बनाने होंगे। अगर परिणाम भारत के पक्ष में नहीं रहता तो अंकतालिका में वह नीचे आ सकती है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 12 अक्टूबर को होने वाले मुकाबले के लिए भी टीम पर दबाव बढ़ जाएगा।

पिछले दो मैचों में मुख्य बल्लेबाजों के नहीं चलने पर भी जीत मिलना टीम की गहराई और जुनून को दिखाता है। वहीं दूसरी ओर गेंदबाजों ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्हें यह भी ध्यान रखना होगा कि विशाखापत्तनम की पिच गुवाहाटी या कोलंबो की तरह नहीं है। इसमें बल्लेबाजों को सहायता मिलती है। इसलिए और बेहतर गेंदबाजी करनी होगी।

दीप्ति ने अभी तक छह विकेट लिए है। उन्हें स्पिनरों स्नेह राणा और श्री चरणी से अच्छा सहयोग मिला है। तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है। बीमारी के कारण पाकिस्तान के खिलाफ मैच से बाहर रही ऑलराउंडर अमनजोत कौर भी फिट होने पर इस मैच में खेल सकती हैं। ऐसे में रेणुका सिंह को बाहर बैठना होगा।

दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका ने पिछले मैच में न्यूजीलैंड को छह विकेट से हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। वह वहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 69 रन पर ही आउट हो गयी थी पर उसके बाद संभल गयी है और अब कोई गलती नहीं करना चाहेगी। उसके पास तजमीन ब्रिट्ज और सुने लूस के अलावा कप्तान लौरा वोल्वार्ट, मरियाने काप और एलेके बॉश जैसी बल्लेबाज हैं। तजमीन ने पिछले मैच में शानदार शतक लगाया था और वह ऐसा ही प्रदर्शन इस मैच में भी करना चाहेंगी।

वहीं गेंदबाजी में नोंकु एमलाबा, अयाबोंगा खाका, काप, मसाबाता क्लास और क्लो ट्रायॉन जैसी गेंदबाज हैं जिनसे भारतीय टीम को सावधान रहना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरूंधति रेड्डी, क्रांति गौड़

दक्षिण अफ्रीका - लौरा वोलवार्ट (कप्तान), अयाबोंगा खाका, क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लर्क, मरियाने काप, तजमिन ब्रिट्स, सिनालो जाफ्ता, नॉनकुलुलेको एमलाबा, एनेरी डर्कसन, एनेके बॉश, मसाबाता क्लास, सुने लूस, काराबो मेसो, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगासे।

विराट और रोहित को 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए शायद ही टीम में जगह मिले - गावस्कर

मुम्बई(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलने की संभावनाएं काफी कम हैं। वहीं गावस्कर ने रोहित की जगह पर शुभमन गिल को भी कप्तान बनाये जाने का समर्थन किया है। गावस्कर के अनुसार भविष्य को देखते हुए किसी युवा को कमान दिया जाना सही है। रोहित और विराट दोनो ने ही टी20 और टेस्ट प्रारुप को अलविदा कह दिया है और केवल एकदिवसीय मैच ही खेलते हैं। दोनो ही 2027 विश्वकप खेलना चाहते हैं। गावस्कर का कहना है कि इन दोनो को ही कई कारणों से टीम में जगह मिलना संभव नजर नहीं आता। दोनो की ही उम्र बढ़ रही है जिससे फिटनेस पर भी प्रभाव पड़ता है। इन दोनो को हालांकि ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए रखा गया है पर ये लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते नजर आएंगे। गावस्कर ने कहा, मैं चयन समिति से यहां सहमत हूं क्योंकि हमें विश्वकप की ओर देखने की जरूरत है। हमें एक युवा कप्तान की जरूरत है क्योंकि हमें नहीं पता कि रोहित विश्व कप खेलने के लिए फिट होंगे भी या नहीं।

गावस्कर ने कहा, रोहित और विराट एकदिवसीय ही खेल रहे हैं। वहीं अगर अगर कार्यक्रम देखें तो पायेंगे कि भारत टेस्ट और टी20 के मुकाबले बहुत कम एकदिवसीय खेलेगा। ऐसे में इन दोनो को ही अभ्यास का पर्याप्त अवसर नहीं मिलेगा। उन्होंने आगे कहा, दक्षिण अफ्रीका में होने वाले विश्व कप से पहले हम करीब 20 ओडीआई खेलेंगे और विश्व कप ही हमारा लक्ष्य है। हम जो भी मैच खेलेंगे और उनमें हिस्सा लेने वाले सभी खिलाड़ियों को विश्वकप से पहले अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा।

भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे का कार्यक्रम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम इसी माह होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे में तीन एकदिवसीय और पांच टी20 मैचों के साथ ही कुल आठ मैच खेलेगी। भारतीय टीम का ये दौरा 19 अक्टूबर से शुरू शुरू होगा। इसमें पहले तीन एकदिवसीय मैच खेले जाएंगे। इसके बाद पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। एकदिवसीय सीरीज में शुभमन गिल जबकि टी20 में सूर्यकुमार यादव टीम की कप्तानी करेंगे। सीरीज 19 अक्टूबर से पर्थ में शुरू होगी और दौरे का अंतिम मैच 08 नवंबर को ब्रिस्बेन में खेला जाएगा।

इस सीरीत में अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली भी खेलते दिखेंगे। दोनों लगभग सात महीने के बाद खेलते दिखेंगे। सीरीज के तीन एकदिवसीय मैच सुबह 9ः00 बजे से खेले जाएंगे।

वहीं पहला टी20 मैच 29 अक्टूबर को कैनबरा में जबकि दूसरा टी20 मैच 31 को मेलबर्न में खेला जाएगा। वहीं तीसरा टी20 मैच 02 नवंबर को होबार्ट में जबकि चौथा टी20 छह नवंबर को गोल्ड कोस्ट में खेला जाएगा। पांचवां टी20 मैच 08 नवंबर को ब्रिस्बेन में खेला जाएगा। सीरीज के पांचों टी20 मैच भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 1ः45 बजे से खेले जाएंगे।

रोहित, अय्यर, सैमसन और वरुण को मिला अवार्ड

मुंबई। एजेंसी।पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को यहां सीएट क्रिकेट रेटिंग पुरस्कारों के दौरे कप्तान के रूप में 2025 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के लिए एक विशेष स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया है। वहीं बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को भी इसमें सर्वाधिक रन बनाने के लिए सम्मानित किया गया है। वहीं संजू सैमसन और वरुण चक्रवर्ती को साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष टी-20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज और गेंदबाज का पुरस्कार हासिल किया। वहीं टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज इंग्लैंड के जो रूट को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय पुरूष क्रिकेटर का पुरस्कार दिया गया जबकि. हैरी ब्रूक को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरूष टेस्ट बल्लेबाज घोषित किया गया।

धोनी मुंबई इंडियंस के लोगो वाली टी शर्ट में नजर आये

मुम्बई। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को पांच बार आईपीएल खिताब जिताने वाले महेन्द्र सिंह धोनी के आईपीएल 2026 में खेलने को लेकर अभी तक संशय बना हुआ है। हर बार बढ़ती उम्र को देखते हुए उनके संन्यास की अटकलें लगायी जाती रहीं हैं पर धोनी मैदान में उतरकर सबको हैरान कर देते हैं। वहीं अब एक नई तस्वीर आई है। इसमें धोनी आईपीएल टीम मुम्बई इंडियंस के लोगो लगी ड्रेस में नजर आये। इसके बाद से ही प्रशंसक अटकलें लगाने लगे कि धोनी कहीं मुम्बई इंडियंस में तो नहीं जा रहे। इस तस्वीर में धोनी कुछ क्रिकेटरों और कुछ प्रशंसक के साथ जो टी शर्ट पहने हुए हैं, उस पर मुंबई इंडियंस का लोगो लगा हुआ है। धोनी वैसे तो एक फुटबॉल गेम का हिस्सा बने थे पर फिट पर एमआई का लोगो देख हर कोई अटकलें लगाने लग गया है कि वे अगले सत्र में मुंबई इंडियंस की ओर से खेल सकते हैं। इतना ही नहीं, प्रशंसक ने कहा कि रोहित शर्मा को चेन्नई शामिल करें।

वहीं कुछ प्रशंसक धोनी से नाराज भी दिखे। उनका कहना था कि उन्हें सीएसके टीम के पास ही बने रहना चाहिये। एमएस धोनी से नाराज भी नजर आए। एक यूजर ने लिखा कि धोनी एमआई और रोहित सीएसके जा सकते हैं। इससे पहले धोनी ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ चेन्नई के अंतिम लीग मैच के बाद कहा, मेरे पास आईपीएल खेलने पर फैसला लेने के लिए चार-पांच महीने हैं, इसलिए में कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहता हूं।

श्रीलंकाई प्रीमियर लीग दिसंबर में शुरु होगी, पहली बार भारतीय क्रिकेटरों के शामिल होने की संभावना

कोलंबो। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) क्रिकेट का छठा सत्र इस साल के अंत में खेला जाएगा। इसमें भारतीय क्रिकेटर पहली बार खेलते हुए नजर आयेंगे। श्रीलंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) के आयोजकों ने कहा है कि लीग का छठा सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में कुल 24 मैच होंगे जिसमें 20 लीग मैच और चार नॉकआउट मुकाबले होंगे। ये मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, कैंडी के पाल्लेकल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और दांबुला के रणगीरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। इस लीग में पहली बार भारतीय क्रिकेटरों के भी शामिल होने की उम्मीद है हालांकि ये पता नहीं चला है कि कौन से क्रिकेटर इसमें खेलेंगे। अगर इसमें भारतीय क्रिकेटर खेलते हैं तो लीग का आकर्षण और बढ़ जाएगा।'इस प्रारूप के अनुसार लीग चरण के दौरान सभी पांच फ्रेंचाइजी एक-दूसरे के खिलाफ दो बार प्रतिस्पर्धा करेंगी। राउंड रोबिन चरण के अंत में शीर्ष चार में रहने वाली टीम प्लेऑफ में जगह बनाएंगी।

जोकोविच जीत के साथ ही शंघाई मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

शंघाई। सर्बिया के नोवाक जोकोविच शानदार प्रदर्शन के साथ ही शंघाई मास्टर्स टेनिस के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गये हैं। जोकोविच ने पैर में दर्द के बाद भी स्पेन केजैम मुनार को 6-3, 5-7, 6-2 से हराकर 11वीं बार इस टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी है। दो घंटे 40 मिनट चले इस मुकाबले में जोकोविच को कई बार मेडिकल टाइमआउट भी लेना पड़ा।

जोकोविच को एक उल्टी भी हुई और दूसरे सेट में हार के बाद जमीन पर गिर गये जिससे उन्हें मेडिकल टाइमआउट मिल गया। इस खिलाड़ी ने मुनार को 6-3, 5-7, 6-2 से हराया।

ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय टीम को 2-1 से हार का सामना करना पड़ेगा - फिंच

सिडनी। रोहित शर्मा की जगह पर नये कप्तान शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इसी माह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। इस दौरे में भारतीय टीम तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। इसी को लेकर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच की प्रतिक्रिया सामने आयी है। फिंच का कहना है कि ये सीरीज रोमांचक रहेगी पर इसमें भारतीय टीम को 2-1 से हार का सामना करना पड़ सकता है। फिंच के अनुसार देखने पर दोनो ही टीमें बराबरी पर नजर आती हैं पर ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने घरेलू मैदान होने के कारण हावी रहेगी। फिंच का कहना है कि इस दौरे में सभी की नजरें विराट कोहली को एक बार फिर खेलते हुए देखने पर रहेंगी।

फिंच ने कहा, "यह एक अच्छी सीरीज होगी। भारत के खिलाफ हमेशा ही रोमांचक मुकाबला होता है और मुझे लगता है कि विराट की वापसी से उनके खेल में और निखार आएगा। कागज पर यह मुकाबला हालांकि बहुत ही बराबरी का है लेकिन मैं कहूंगा कि ऑस्ट्रेलिया 2-1 से सीरीज जीत सकता है।

फिंच ने हाल में टेस्ट प्रारुप में गिल की कप्तानी की प्रशंसा की। इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा कि गिल को रोहित और विराट का भी सहयोग मिलेगा जो उन्हें इंग्लैंड दौरे पर नहीं मिल पाया था। फिंच ने कहा. शुभमन ने पहले ही टी20 और टेस्ट क्रिकेट में अपनी नेतृत्व क्षमता दिखाई है, इसलिए मुझे भरोसा है कि यह कोई अलग नहीं होगा। वह एक शानदार खिलाड़ी हैं, खासकर सफेद गेंद के फॉर्मेट में और जिस तरह से उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कप्तानी की। उससे उनकी क्षमताओं का अंदाजा होता है। ये भारतीय टीम लिए एक बड़ा सकारात्मक संकेत है कि वह अगले कदम के लिए तैयार हैं और सभी तीन फॉर्मेट को भविष्य में संभाल सकते हैं। इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में उनके पास सलाह के लिए ज्यादा विकल्प नहीं थे पर इसके बाद भी शुभमन ने अपने बल पर ही शानदार काम किया पर इसके बार रोहित और कोहली के होने से वह और अधिक बेहतर तरीके से कप्तानी कर पायेंगे। वह जानते हैं कि टीम को कैसे आगे ले जाना है।

पृथ्वी शॉ फिर विवादों में, अभ्यास मैच में मुशीर को बल्ला लेकर मारने दौड़े

पुणे एजेंसी। भारतीय टीम से लंबे समय से बाहर चल रहे बल्लेबाज बल्लेबाज पृथ्वी शॉ का विवादों से पुराना नाता रहा है। हाल में मुम्बई छोड़कर महाराष्ट्र टीम से खेल रहे पृथ्वी यहां एक अभ्यास मैच में अपने पुराने साथियों से भिड़ गये। महाराष्ट्र और मुम्बई के बीच खेले गए एक अभ्यास मैच में पृथ्वी मुंबई टीम के मुशीर खान को मारने तक दौड़ गये।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस मैच में पृथ्वी शतक लगाने के बाद मुशीर की गेंद पर आउट हुए। उन्होंने 220 गेंदों पर 181 रन बनाये थे। जैसे ही वह मैदान से बाहर आये। मुम्बई के कुछ खिलाड़ियों ने उनसे अपशब्द कहे। इस पर पृथ्वी भी भड़क गये और मुशीर की ओर बल्ला लेकर आगे बढ़े। तब अन्य खिलाड़ियों और अंपायरों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत किया। पृथ्वी की

पहले सिद्धेश लाड के साथ हुई थी। इसके बाद ये मामला बढ़ गया। पृथ्वी पहले भी कई बार विवादों में रहे है और इससे उनका करियर भी खतरे में पड़ा है। अब जबकि वह पटरी पर आते नजर आये तो एक बार फिर नये विवाद में फंस गये।

पृथ्वी ने भारतीय टीम की ओर से पांच टेस्ट, छह एकदिवसीय और एक टी20 मैच खेला है। भारतीय टीम से बाहर होने के बाद घरेलू क्रिकेट में भी उनका प्रदर्शन गिरा है। इसी कारण उन्हें रणजी ट्रॉफी के लिए भी टीम में जगह नहीं मिली थी। इसके बाद ही वह मुंबई छोड़कर महाराष्ट्र टीम से खेलने लगे थे। इसके बाद से ही उनका प्रदर्शन कुछ सुधरा है। उन्होंने अभ्यास मैच में शतक लगाया जिससे उनकी टीम पहले दिन 400 रनों से ऊपर पहुंचने में सफल रही।

आईसीसी के सितंबर महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की सूची में अभिषेक सहित तीन भारतीय खिलाड़ी शामिल

दुबई । एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के सितंबर महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की सूची में तीन भारतीय खिलाड़ियों को भी जगह मिली है। इसमें अभिषेक शर्मा और कुलदीप यादव को पुरुष वर्ग जबकि स्मृति मंधाना को महिला वर्ग में जगह मिली है। बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक को हाल ही में एशिया कप में सबसे अधिक रन बनाने के कारण आईसीसी की सूची में जगह मिली। अभिषेक ने एशिया में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तीन शतक लगाये। वह टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी रहे।

वहीं स्पिनर कुलदीप ने एशिया में सबसे अधिक विकेट लिए। उन्होंने एशिया कप में 6.27 की इकोनॉमी दर से गेंदबाजी करते हुए 17 विकेट लिए।

वहीं जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की दौड़ में शामिल हैं। उन्होंने सितंबर में नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 497 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 55.22 और स्ट्राइक रेट 165.66 का रहा। वहीं महिला वर्ग में मंधाना ने सितंबर में चार एकदिवसीय मैचों में 308 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 77 और स्ट्राइक रेट 135.68 रहा। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज एक अर्धशतक और दो दशक लगाये। महिला वर्ग में मंधाना के अलावा पाकिस्तान की सिदरा अमीन और दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की दौड़ में शामिल हैं।

धवन पर मुक्के बरसाना चाहता है पाक स्पिनर अबरार

लाहौर। एजेंसी। पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद के एक ताजा वीडियो से भारतीय टीम के प्रति पाक क्रिकेटरों की नफरत का खुलासा हुआ है। अबरार इस वीडियो के दौरान एक साक्षात्कार देते नजर आये। इसमें जब उनसे पूछा गया कि आप किस भारतीय क्रिकेटर से गुस्से में रहते हैं तो अबरार ने सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का नाम लिया और कहा कि वह धवन पर घूंसे बरसाना चाहते हैं। अब पाक क्रिकेटर ने ये मजाक में कहा या किसी और कारण से ये स्पष्ट नहीं हुआ है। बहरहाल इस वीडियो पर प्रशंसकों ने नाराजगी जताते हुए इससे खेल भावना के विपरीत बताया है। अबरार पहले भी अपने बेतुके सेलिब्रेशन के कारण विवादों में रहे हैं। सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने कई बार उनकी क्लास लगायी है। वह भारतीय टीम

के खिलाफ विकेट लेने के बाद अलग ही अंदाज में जश्न मनाते रहे हैं। इस दौर गर्दन घुमाते और आंखों को मटकाते रहे हैं। इसी साल चैंपियंस ट्रॉफी में शुभमन गिल को आउट करने के बाद उन्होंने गर्दन को झटक-झटक आंखों को अलग ही अंदाज में मटकार भारतीय प्रशंसकों को उकसाने का प्रयास किया था। पिछले महीने एशिया कप के फाइनल में भी संजू सैमसन को आउट करने के बाद भी उन्होंने गर्दन को अजीब तरह से हिलाया था। अबरार ने अब तक पाकिस्तान के लिए 10 टेस्ट और 11 एकदिवसीय खेले हैं। टेस्ट में उनके नाम 46 विकेट और एकदिवसीय में 18 विकेट दर्ज हैं। उन्होंने 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 29 विकेट लिए हैं। अबरार एशिया कप फाइनल में 29 रन देकर एक विकेट लिया था। संजू सैमसन को आउट करने के बाद उन्होंने गर्दन हिलाकर आंखों को खास अदा से मटकाकर भारतीय प्रशंसकों को चिढ़ाया था।

इसी माह रणजी सत्र से वापसी कर सकते हैं ऋषभ

नई दिल्ली एजेंसी। इंग्लैंड दौरे में चोटिल होने के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत इसी माह से खेल के मैदान पर उतर सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ऋषभ 25 अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर में दिल्ली की ओर से खेल सकते हैं। इससे वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की राह बनेगी।

इस विकेटकीपर बल्लेबाज इंग्लैंड दौरे में पैर में चोट लगी थी, जिसके बाद वह टीम से बाहर हो गए थे। वह इस समय अपने पुनर्वास के अंतिम चरण में हैं। इस सप्ताह बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में उनकी फिटनेस की जांच की जाएगी। अब वह आराम से चल रहे हैं और भार प्रशिक्षण व गतिशीलता अभ्यास के साथ उन्होंने बल्लेबाजी में लय भी हासिल कर ली है।

वह अगर फिट घोषित कर दिया जाता है तो वह दिल्ली टीम से जुड़ सकते हैं। दिल्ली की टीम 15 अक्टूबर को हैदराबाद के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) के मुताबिक, पहले मैच में उनका खेलना थोड़ा संदिग्ध है, पर वह दूसरे दौर से टीम की कप्तानी कर सकते हैं।

अगले सत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हूं - नीरज

नई दिल्ली। एजेंसी।ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा है कि वह अगले सत्र में वापसी के लिए तैयार है। नीरज ने स्विट्ज़रलैंड में अपनी रिकवरी पूरी कर ली है। ये साल उनके लिए संघर्षपूर्ण भी रहा और इसमें वह फिटनेस के साथ ही उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये। नीरज का कहना है कि उन्होंने इससे बहुत कुछ सीखा और उनका अनुभव व आत्मविश्वास भी बढ़ा है। इस एथलीट ने इस साल दोहा में विश्व चैम्पियनशिप में 90 मीटर तक भाला फेंका था हालांकि वह पदक नहीं जीत पाये थे। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और पेरिस में रजत पदक विजेता नीरज ने कहा, बेहतर प्रदर्शन का अवसर हमेशा ही रहता है और इसी से प्रेरणा मिलती है। अब मेरा रिकवरी और अगले सत्र में मजबूती के साथ वापसी पर रहेगी। मेरा शरीर अच्छा महसूस कर रहा है और थोड़े आराम और रिकवरी के बाद मैं बेहतर वापसी कर पाउंगा। नीरज ने स्विट्ज़रलैंड में मिले प्रशिक्षण की भी प्रशंसा की है। नीरज ने कहा, मैंने ज्यूरिख में डायमंड लीग ट्रॉफी 2022 में जीती थी और ये मेरे लिए विशेष रही है। मैग्लिंगन में मैंने स्विस ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्र में अभ्यास किया और बुडापेस्ट में विश्व चैम्पियनशिप से पहले भी वहीं ट्रेनिंग की थी, जहाँ मैंने स्वर्ण पदक जीता।

रोहित ने चैंपियंस ट्रॉफी की जीत का श्रेय द्रविड़ को दिया

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने इसी साल चैम्पियंस ट्रॉफी में मिली जीत का श्रेय पूर्व कोच राहुल द्रविड़ को दिया है। माना जा रहा है कि अपने इस बयान से उन्होंने कोच गौतम गंभीर पर निशाना साधा है क्योंकि चैंपियंस ट्रॉफी जीत के समय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ नहीं बल्कि गंभीर थे। वहीं कुछ लोग इसे एकदिवसीय कप्तानी छीने जाने से उभरी नाराजग को बता रहे हैं।

एक कार्यक्रम में रोहित ने माना कि पूर्व कोच राहुल द्रविड़ के कार्यकाल में बनाई गयी योजना पर चलने से ही भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में सफल रही। वहीं द्रविड़ के कार्यकाल में भारतीय टीम 2023 एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में पहुंची और 2024 टी-20 विश्व कप में जीत दर्ज करने में सफल रही। इसके बाद गंभीर की कोचिंग में भारतीय टीम ने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी जीती।

रोहित ने कहा, मुझे वह टीम पसंद है और उसके साथ खेलना भी। हम सभी इस सफर में कई साल से थे। यह एक या दो साल का काम नहीं था। बहुत सालों से काम चल रहा था। हम कई बार ट्रॉफी जीतने के बहुत करीब पहुंचे लेकिन जीत नहीं सके। तब तभी ने तय किया कि हमें कुछ अलग करना होगा।

रोहित ने कहा, ' जब हम टी-20 विश्व कप की तैयारी कर रहे थे तो मुझे और राहुल भाई को इस प्रक्रिया से काफी मदद मिली। साथ ही कहा कहा, 'मुझे जब भी मौका मिला मैंने तीनों प्रारूपों में अच्छा खेलने की कोशिश की।

विलियमसन की वापसी का फैसला उनपर ही छोड़ दिया - कोच वाल्टर

क्राइस्टचर्च । न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन पिछले काफी समय से टीम से बाहर हैं। उनकी वापसी को लेकर अभी तक संशय बना हुआ है। अब इसी को लेकर टीम के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा है कि विलियमसन की कब वापसी करने है ये उनके ऊपर ही छोड़ दिया गया है। विलियमसन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के साथ कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट किया हुआ है। इसमें वह अपनी मर्जी से किसी भी सीरीज के लिए उपलब्ध रह सकते हैं, हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई तीन मैचों की टी20 सीरीज से वह बाहर रहे थे। वह जिम्बाब्वे दौरे पर भी नहीं गए थे और इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट और द हंड्रेड लीग में व्यस्त थे। न्यूजीलैंड का घरेलू सत्र शुरू हो गया है। अब इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज है और फिर वेस्टइंडीज की टीम तीनों फॉर्मेट की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करेगी। विलियमसन को लेकर वाल्टर ने कहा, उनके के साथ, हम अभी भी बात कर रहे हैं और पता कर रहे हैं कि वह गर्मियों के सत्र के लिए उपलब्ध हैं या नहीं। हम उसे उनके योजना पर बात कर रहे हैं। कोच ने आगे कहा, हम उन सभी खिलाड़ियों के साथ काम कर रहे हैं जो कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट पर हैं और खेल से दूरी बनाये हुए हैं। केन उनमें से एक हैं जिनसे हम बात करना चाह रहे हैं। अब देखना है कि वह कब तक तैयार होते हैं।

नगरीय निकायों की मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए स्टेंडिंग कमेटी की हुई बैठक

राजनीतिक दलों को उपलब्ध करायी गई प्रारूप मतदाता सूची

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों की 01 जनवरी 2025 की तिथि में मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। जिसके परिपालन में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी जीएस धुर्वे की अध्यक्षता में 08 अक्टूबर को स्टेंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी देने के साथ ही राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को प्रारूप मतदाता सूची उपलब्ध करायी गई। बैठक में भारतीय जनता पार्टी के संजय अग्निहोत्री एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अश्फाक खान उपस्थित थे। बैठक में बताया

गया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नगरीय निकायों की पुनरीक्षित मतदाता सूची तैयार करने के लिए 08 अक्टूबर को नगरीय निकायों एवं वार्डों में विहित स्थानों पर प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ ही 01 जनवरी 2025 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं के नाम मतदाता सूची में शामिल करने, मृत या बाहर जा चुके मतदाताओं के नाम सूची से हटाने तथा मतदाता सूची में गलत नामों को संशोधित करने संबंधी दावे आपत्ति प्राप्त करने का कार्य 08 अक्टूबर से प्रारंभ हो गया है। दावे आपत्ति प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर 2025 को अपरान्ह 03 बजे तक रखी गई है।

प्राप्त दावे आपत्तियों का निराकरण 27 अक्टूबर को किया जाएगा। 01 नवम्?बर को निराकृत दावा आपत्ति आवेदन पत्रों की ईआरएमएस में प्रविष्टि कर दी जाएगी। 04 नवम्बर को दावे आपत्ति की चेकलिस्ट तैयार की जाएगी और 07 नवम्बर को फोटो युक्त और फोटोरहित अंतिम मतदाता सूची जनरेट की जाएगी तथा 10 नवम्बर को फोटोरहित अंतिम मतदाता सूची वेबसाईट पर अपलोड कर दी जाएगी। 13 नवम्बर को फोटोयुक्त अंतिम मतदाता सूची का नगर पालिका वार्ड तथा विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन किया जाएगा तथा 14 नवम्बर को अंतिम मतदाता सूची की सीडी विक्रय के लिए उपलब्ध करा दी जाएगी।

बिरसा पुलिस थाना क्षेत्र में साईबर फ्रॉड से बचने जाग्रत कर रही

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा चलाए जा रहे साइबर सुरक्षा अभियान के तहत जिले की बिरसा पुलिस द्वारा अपने थाना क्षेत्र में आने वाले शिक्षण संस्था एवं हाट बाजारों में साइबर फ्रॉड से बचने से के अलावा से साइबर से होने वाले नुकसान की जानकारी दी जा रही है। इसी तारतम में 6 अक्टूबर को शासकीय माध्यमिक विद्यालय कचनारी में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कचनारी में उपस्थित शिक्षक एवं करीबन 1150 स्कूली बच्चों को साइबर जागरूकता अभियान के तहत तहत समझाइए दी गई जिसमें जिसमें साइबर फ्रॉड से बचने एवं साइबर फ्रॉड से होने वाले नुकसान मोबाइल चलाते समय एपीके फाइल मजबूत पासवर्ड बनाने एवं किसी को ओटीपी ना दे इस संबंध में जानकारी दी गई। 7 अक्टूबर को

ग्राम मंडई के साप्ताहिक बाजार में ग्रामीणों को साइबर जागरूकता अभियान के तहत साइबर साहिब फ्रॉड से बचने के उपाय एवं बचाव ओटीपी डिजिटल अरेस्ट के बारे में जानकारी दी गई। 8 अक्टूबर को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्या शाला बिरसा में उपस्थित शिक्षक एवं बच्चों को साइबर फ्रॉड के संबंध में जानकारी

सहारनपुर, नेशनल जुजित्सु चैंपियनशिप में शामिल होने जिले के खिलाड़ी रवाना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सहारनपुर में आयोजित नेशनल जुजित्सु चैंपियनशिप का आयोजन 9 अक्टूबर से 12 अक्टूबर अंबेडकर स्टेडियम सहारनपुर उत्तर प्रदेश में किया जा रहा है जिसमें मध्य प्रदेश जुजित्सु संघ द्वारा चयनित खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में सहभागिता करेंगे।मध्य प्रदेश जुजित्सु संघ के अध्यक्ष विजेंद्र खरसोदिया सचिव रोहिणी कलम के नेतृत्व में मध्य प्रदेश टीम का नेतृत्व किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में बालाघाट जिले के 2 खिलाड़ी को चयनित कर प्रशिक्षक मोहन मीना, भोपाल तथा बालाघाट प्रशिक्षक संतोष पारधी के माध्यम से लिया गया है।खिलाड़ी, आशीष घनश्याम नगपुरे, राजेंद्र पुसुलाल नगपुरे ग्राम भटेरा जिसे बालाघाट कराते

स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एवं एजुकेशन संघ के संरक्षक अनिल धुवारे, अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी,उपाध्यक्ष रविंद्र भाटिया, सहसचिव चंद्रकांत पीपलेवार सदस्य राजेंद्र बल्ले, सौरभ ठाकुर अमर सिंह ठाकुर, शुभम मानेश्वर साक्षी खैरकर संजू मेश्राम द्वारा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाडि़यों को शुभकामनाएं व बधाई दी गई।बताया गया कि यह खिलाड़ी 8अक्टूबर को सुबह 9 बस स्टैंड से जबलपुर होते हुए सहारनपुर के लिए रवाना हुए है।

पीजी कॉलेज में साइबर क्राइम जागरूकता कार्यक्रम हुआ संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट की राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस इकाई के तत्वावधान में प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के संरक्षण एवं मार्गदर्शन तथा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. सुखचंद्र ऐडे, बालक इकाई डॉ. रचना कोरी बालिका इकाई के नेतृत्व में 08 अक्टूबर को साइबर क्राइम जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की प्रथम प्रवक्ता महिला थाना प्रभारी श्रीमती किरण वटके रहीं।

महिला थाना प्रभारी श्रीमती वटके ने छात्र छात्राओं से संवाद स्थापित करते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी सोशल मीडिया से गहराई से जुड़ी हुई है, जहाँ सुविधाओं के साथ-साथ सतर्क रहने की आवश्यकता भी

अत्यधिक है। उन्होंने बताया कि आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस के युग में ऑनलाइन फ्रॉड की घटनाएँ तीव्र गति से बढ़ रही हैं, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स को सुरक्षित रखना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को ओटीपी शेयरिंग, फेक कॉल्स, मोबाइल हैकिंग, व्हाट्सएप, फेसबुक एवं ट्विटर अकाउंट हैकिंग जैसी घटनाओं से सतर्क रहने की सलाह दी तथा ऐसी स्थिति में तुरंत 1930 नंबर पर कॉल कर साइबर सेल से संपर्क करने की अपील की।

द्वितीय प्रवक्ता सुश्री मेघा तिवारी साइबर सेल बालाघाट ने विद्यार्थियों को यह बताया कि ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म्स पर क्या सर्च करना चाहिए और क्या नहीं, उन्होंने सोशल मीडिया की प्राइवेसी एवं सिक्योरिटी सेटिंग्स को सुरक्षित रखने के व्यावहारिक उपाय साझा किए। तृतीय प्रवक्ता श्रीमती शिखा मिश्रा ने साइबर फ्रॉड के विभिन्न प्रकारों और उनके निवारण के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने आवश्यक हेल्पलाइन नंबर भी साझा किए तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से साइबर अपराधों का सजीव चित्रण प्रस्तुत किया, जिससे विद्यार्थियों को व्यावहारिक समझ प्राप्त हुई।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. रचना कोरी ने अपने साथ घटित एक वास्तविक साइबर फ्रॉड घटना साझा की और विद्यार्थियों को बताया कि जागरूकता एवं त्वरित कार्यवाही से ऐसी घटनाओं से कैसे बचा जा सकता है। कार्यक्रम की रूपरेखा स्वयं सेविका श्रुति गौतम द्वारा तैयार की गई थी। तकनीकी संचालन का दायित्व स्वयंसेवक जय राहंगडाले एवं निखिल मर्सकोले ने निभाया। विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए साइबर सुरक्षा से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे, जिनका उत्तर विशेषज्ञों ने सरल एवं व्यवहारिक उदाहरणों सहित दिया। सभागार विद्यार्थियों की उपस्थिति से भरा हुआ था, जिससे कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं सार्थक सिद्ध हुआ।

दि बुद्धिस्ट सोसा.आफ इंडिया केन्द्रीय शाखा द्वारा आयोजित प्रशिक्षण शिविर एवं परीक्षा सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारतीय बौद्धो की सर्वोच्च सामाजिक धार्मिक संस्था जिसके राष्ट्रीय ट्रस्टी एवं कार्याध्यक्ष बोधिसत्व डॉ.बाबा साहेब आंबेडकर जी के पौत्र डॉ.भीमराव यशवंतराव आंबेडकर मुंबई है,ऐसी राष्ट्रीय धम्म संस्था दि बुद्धिस्ट सोसायटी आफ इंडिया की केन्द्रीय शाखा चैत्यभूमि मुंबई द्वारा केन्द्रीय शिक्षक प्रशिक्षण शिविर एवं परीक्षा का आयोजन 22 सितंबर से 2 अक्टुबर 2025 तक किया गया। उक्त शिविर में शामिल होने के लिये पूरे देश से हजारो की संख्या में पदाधिकारीयों ने इंट्रेस एक्जाम दि थी,उसमें प्रवेश केवल 50 उर्त्तीण पदाधिकारियों को दिया गया। शिविर में शामिल करने मध्यप्रदेश राज्य शाखा के अध्यक्ष डॉ.चरनदास ढेंगरे, महामंत्री उत्तम प्रधान इंदौर द्वारा केन्द्रीय शाखा को मप्र एवं बालाघाट, इंदौर जिले के शिविरार्थीयों की अनुशंसा की गई थी। बालाघाट जिले के आर.के.कठाने प्रदेश सचिव, राजकपुर कामडे प्रदेश कार्या.

सचिव इंदौर,से आनंदा शेगोकार, सतीश चितावले, लक्ष्मण गवांदे, बैतुल के प्रेमलाल आंबुलकर, किशोर कुमार पाटिल, ग्वालीयर के रामचरण बौद्ध एवं अन्य द्वारा चैत्यभूमि मुंबई में 10 दिवसीय आवासीय श्रामनेर, केन्द्रीय शिक्षक प्रशिक्षण शिविर में विभिन्न 42 विषयों पर प्रशिक्षण लेकर परीक्षा उत्तीर्ण कर केन्द्रीय शिक्षक बन गये। परीक्षा उर्त्तीण के बाद सभी को डॉ.भीमराव यशवंतराव आंबेडकर साहेब एवं केन्द्रीय कार्यालय प्रमुख एड.एस.के.भंडारे के हस्ताक्षर युक्त प्रमाण पत्र बोधिसत्व बाबा साहेब के छोटे पौत्र इंजीनियर आनंदराज आंबेडकर के हस्ते वितरित किये गये। सभी शिविरार्थीयों को केन्द्रीय शाखा के डॉ.एड.जगदीश गवई राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, बी.एच. गायकवाड गुरूजी राष्ट्रीय सचिव, डॉ.एड. एस.एस. वानखेडे, एम.डी.सरोदे गुरूजी उप प्रमुख प्रशिक्षण विभाग, सुषमा ताई पवार राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अशोक केदारे महामंत्री महाराष्ट्र,सुषमा ताई पंवार, वैशाली ताई अहिरे, सुप्रिया ताई कासारे, बी.एम.काम्बले राष्ट्रीय सचिव, सी बी तेलतुमड़े राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष,डॉ.राजेश पवार राष्ट्रीय सचिव, रविन्द्र गवई, अनिल मनोहर सचिव प्रशिक्षण विभाग, डी.एम.आचार्य गुरुजी असिस्टेंट स्टाफ ऑफिसर एसएसडी आदि ने प्रशिक्षण दिया।बताया गया कि भारतीय बौद्ध महासभा द्वारा 24 प्रकार के शिविरों के माध्यम से आदर्श बौद्ध समाज निर्माण का निरंतर किया जा रहा है,इन शिविरो में सबसे महत्वपूर्ण एवं जवाबदारी तथा चुनौती पूर्ण शिविर केंद्रीय शिक्षक प्रशिक्षण शिविर एवं केंद्रीय शिक्षक का पद होता है जिसके माध्यम से समाज में फैली अंधश्रद्धा पाखंडवाद यज्ञ हवन बलि एवं बुवाबाजी जैसे आडंबर को खत्म करके समाज को बुद्ध का सत्य मार्ग शील सम्पन्न सदाचरण और धम्म के आचार सहिता के साथ जीवन जीने का मार्ग बताना है तो इस नई पारी की शुरुआत के लिए केंद्रीय शिक्षक बनने पर मंगलकामनाएं एवं नए चुनौतीपूर्ण कार्य के लिए हार्दिक शुभेच्छा,सभी को सफलता के लिए डॉ.चरनदास ढेंगरे अध्यक्ष मप्र,एस.एल.रंगारे जिलाध्यक्ष बालाघाट, धमेन्द्र कुरील पूर्व प्रदेश सचिव, हेमलता ताई डोंगरे प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रमीलाताई चौहान कोषाध्यक्ष, खुशीयाल मेश्राम जिला उपाध्यक्ष, शैलेष सुखदेवे जिला उपाध्यक्ष, सुधा मेश्राम, शीतल खोंब्रागडे, पूर्णिमा गनवीर, अमित वैध,आनंद वैध, एन.के.मेश्राम, कांटेक्टर, आर.डी.बंसोड अध्यक्ष, अभिराज मेश्राम महामंत्री वारासिवनी, प्रमोद कुमार भिमटे अध्यक्ष लांजी, दुरेन्द्र सावनकर अध्यक्ष किरनापुर, कैलाश भोरजार अध्यक्ष खैरलांजी, प्रहलाद मेश्राम अध्यक्ष लालबर्रा, गणेश मंडेलकर परसवाडा, आर.डी.देशभ्रतार एवं के.आर. सोनटके बैहर आदि द्वारा उन्हे ढेर सारी शुभकामनाएं देकर उनके मंगलमय जीवन की कामना की है। उक्त जानकारी जिला उपाध्यक्ष बालाघाट खुशीयाल मेश्राम द्वारा प्रेसविज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।

किसानों ने भावांतर से बनाई दूरी

छह हजार पार जा सकता है सोयाबीन भाव

भोपाल। भावांतर योजना में पंजीयन कराने में कम रुचि ले रहे हैं। इसके पीछे बाजार की वजहें बताई जा रही हैं। प्रदेश सरकार ने सोयाबीन का समर्थन मूल्य 5328 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है, जबकि किसानों को उम्मीद है कि बाजार मूल्य छह हजार के आसपास जा सकता है। इसलिए भावांतर योजना में पंजीयन कराने में किसान फिलहाल अरुचि दिखा रहे हैं।

किसान यदि कृषि उपज मंडी में अपनी सोयाबीन बेचते हैं और उस दिन दर समर्थन मूल्य से कम रहती है तो किसानों को जिस मूल्य पर फसल बेची है और समर्थन मूल्य के अंतर को सरकार किसानों को भुगतान करेगी। प्रदेश में तिलहनी फसलों में सरसों भी होती है। सरसों का सरकारी समर्थन मूल्य 6200 रुपये प्रति क्विंटल है, जबकि वर्तमान में सरसों 6738 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बिक रही है। यानी 500 रुपये से अधिक कीमत पर बिक रही है। इसलिए किसानों को उम्मीद है कि सोयाबीन की फसल भी समर्थन मूल्य से अधिक पर बिकेगी। इसलिए किसान पंजीयन केंद्रों पर कम पहुंच रहे हैं। हालांकि कृषि विभाग के अफसरों को उम्मीद है कि अभी अंतिम तारीख दूर है। अंतिम तारीख तक किसान पंजीयन करा लेंगे।

भाव बढने की संभावित वजह

चीन और यूरोप में पशु चारा उद्योग और खाद्य उद्योग से सोयाबीन की मांग बढने से भारतीय सोयाबीन के दाम में बढ़ोतरी हो सकती है। सरकारी संस्था नाफेड के सोयाबीन की बिकवाली रोकने से बाजार में सोयाबीन की आपूर्ति पर असर पड़ता है, जिससे कीमतें बढ़ सकती हैं। यदि घरेलू तेल मिलों की मांग बढ़ती है, तो इससे सोयाबीन की कीमतों में सुधार हो सकता है।

श्रम आयुक्त के खिलाफ कर्मचारियों ने खोला मोर्चा

भोपाल। प्रदेश के श्रम आयुक्त ने प्रदेश के दैनिक वेतन भोगी एवं श्रमिकों के वेतन में 1 अप्रैल से 1 रू प्रतिदिन की वृद्धि की है। इससे प्रदेश भर के लाखों दैनिक वेतन भोगी एवं श्रमिकों में असंतोष व्याप्त हो गया है। यह इतिहास में पहली बार हुआ है जब इस महंगाई के दौर में दैनिक वेतन भोगी एवं श्रमिकों के वेतन में 1रू प्रतिदिन की वृद्धि की गई हो। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच दैनिक वेतन भोगी एवं श्रमिक समिति उक्त वृद्धि के विरोध में मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंप कर आंदोलन करेगा। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया है कि 1रू की वेतन वृद्धि करके सरकार ने दैनिक वेतन भोगी एवं श्रमिकों के साथ छलावा किया है। पहले सरकार दैनिक वेतन भोगी एवं श्रमिकों के वेतन में महंगाई के रूप अनुरूप सूचकांक के आधार पर वेतन वृद्धि करती थी, लेकिन इस बार राज्य सरकार के श्रम आयुक्त 1 रू की वेतन वृद्धि करके प्रदेश की दैनिक वेतन भोगी एवं श्रमिकों की कमर तोड़ दी है।

बिहार में एनडीए की सरकार बनेगी

फग्गन सिंह कुलस्ते बोले-4 लोकसभा क्षेत्रों से मिली पॉजिटिव रिपोर्ट

भोपाल। मंडला सांसद और पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। चुनाव आयोग की ओर से दो चरणों में मतदान की घोषणा के बाद उन्होंने विश्वास जताया कि बिहार में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनेगी।

सांसद कुलस्ते ने कहा, चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनाव की घोषणा की है। दो चरणों में मतदान होगा और आप मानकर चलिए कि आने वाले समय में एनडीए की ही सरकार वहां बनेगी, जिस प्रकार के आसार दिख रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पिछले वर्षों में बिहार में बड़े पैमाने पर सुधार और विकास हुआ है। राज्य में कानून-व्यवस्था बेहतर हुई है, साथ ही कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे का भी विस्तार हुआ है। कुलस्ते ने बिहार में हुए कार्यों की तुलना मध्य प्रदेश में हुए विकास से की। हालांकि, कुलस्ते ने यह भी स्वीकार किया कि बीच में अस्थिरता का एक दौर आया था, जिससे कुछ कार्य प्रभावित हुए थे। उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार के कार्यक्रमों से स्थिति में सुधार हुआ है। अपने चार लोकसभा क्षेत्रों के दौरे के दौरान उन्हें सकारात्मक रिपोर्ट मिली है। आगे की रणनीति पर बोलते हुए सांसद ने कहा कि फिलहाल किसी विषय को तत्काल सामने रखना उचित नहीं होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले हफ्ते भर में राजनीतिक तस्वीर साफ हो जाएगी और जनता के समर्थन से बिहार में एनडीए की ही सरकार बनेगी।

अश्विन पूर्णिमा पर अम्बेडकर नगर किरनापुर मे विविध कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील मुख्यालय ग्राम पंचायत किरनापुर के अम्बेडकर नगर में अश्विन पूर्णिमा के पावन अवसर पर वर्षावास समापन पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत सर्वप्रथम तथागत भगवान गौतम बुद्ध एवं बोधिसत्व डॉ. बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के छायाचित्र के समक्ष मोमबत्ती,धूपबत्ती, अगरबत्ती प्रज्ज्वलित कर माल्यार्पण कर पूजन किया गया। तत्पश्चात् सामूहिक रूप से त्रिशरण पंचशील का पाठ कर पूजा वंदना कर परित्राण पाठ किया गया। एवं महिला मण्डल द्वारा धम्म ग्रंथ वाचन किया गया। तथा वर्षावास के महत्व पर प्रकाश डालते वैशाख पूर्णिमा से अश्विन पूर्णिमा तक चलने वाले वर्षावास पर विभिन्न गतिविधियों को सम्पन्न कराया गया। इस कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं बच्चों

द्वारा धम्म एवं बाबा साहब अम्बेडकर के जीवन पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमो मे गीत गायन, कव्वाली सहित डांस की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। महिला मण्डल द्वारा की गई इस रचनात्मक पहल पर आयोजित एकजुटता के कार्यक्रमों की सभी द्वारा मुक्त कंठ से प्रशंसा की गई। वही कार्यक्रम के अंत मे भोजनदान कार्यक्रम मे सभी उपासक उपासिकाओं ने भाग लिया। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने मे उमाताई मेश्राम, राजकुमारी ऊके, सिन्धुकला नागवंशी, उर्मिला मेश्राम, उमाताई भालाधरे,नादिरा बोरकर, प्रभा रामटेके,, विद्या मेश्राम, सुरेखा भीमटे, वनतिका वासनिक, विशाखा थूलकर, पुष्पा मेश्राम, रंजना मेश्राम, गुना ताई हुमनेकर, सीमा नागदेवे, लता मेश्राम, रानू रावते, वैशाली नागवंशी, वैजन्तीमाला चौरे, नम्रता मेश्राम, सुशीला मेश्राम, पंचफूला खांडेकर, विमला भोयर, अंजना भीमटे, नर्मदा भीमटे, लीला रावड़े, ममता बोरकर, सीमा बोरकर, आशा गेडाम, आरजू मेश्राम, सचिता बांसोड, सुरेखा भालाधरे,दीपिका नागवंशी, सीमा चौहान, राधा बोरकर, अनिता मेश्राम, शिमला मेश्राम, ममता कामड़े, प्रिया रामटेके, प्रज्ञा शैंडे, संध्या वैद्य, ज्योति मेश्राम, अनिता वासनिक, कल्पना घरड़े, सविता मेश्राम, कविता वाहने, सरोज सूर्यवंशी, प्रिया वासनिक, पायल गजभिए, लक्ष्मी मेश्राम, मुन्नाताई वासनिक, सीमा नागदेवे सहित अन्य सामाजिक बंधुओं का सराहनीय सहयोग रहा।

सांसद श्रीमती भारती पारधी का दौरा कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी 08 अक्टूबर को शाम 05 बजे बालाघाट में होटल गुलजार इन के पास सड़क निर्माण के लिए

भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होंगी और रात्री 08.30 बजे बालाघाट से लालबर्रा के लिए प्रस्थान करेंगी तथा लालबर्रा में सरस्वती महोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगी। सांसद श्रीमती पारधी रात्रि 09.45 बजे लालबर्रा से वारासिवनी के लिए प्रस्थान करेंगी और नवदुर्गा उत्सव समिति वारासिवनी द्वारा आयोजित भव्य आर्केस्ट्रा कार्यक्रम में सम्मिलित होंगी। इसके पश्चात वे रात्रि 11 बजे वारासिवनी से बालाघाट के लिए प्रस्थान करेंगी।

सियासत-किरनापुर और खैरलाँजी विधानसभा सीटों के पुनः परिसीमन से अस्तित्व में आने की सम्भावना के बाद क्या होगा ?

सियासती पहचान तलाशने का गंभीर संकट!

पोलिटिकल डेस्क। पदमेश न्यूज। बालाघाट।

सरकार द्वारा 2028 - 29 में होने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनावों को परिसीमन उपरांत सम्पन्न करने की मंशा जाहिर करने के बाद सियासी दलों के कान खड़े हो गए हैं। कमोबेश बालाघाट जिले में भी इस विषय पर चर्चा और राय मुबाहिसा का दौर भीतर ही भीतर चल निकला है.लाँजी विधानसभा सीट से किरनापुर के अलग हो जाने से जहां लाँजी सीट पर कांग्रेस को सर्वमान्य चेहरे की जरूरत होगी वहीं किरनापुर सीट पर भारतीय जनता पार्टी को चुनाव जिताऊ चेहरे की तलाश करनी होगी। कमोबेश अस्तित्व में आने वाली जिले की दूसरी सीट खैरलाँजी में भी यही स्थिति बनने वाली है. यहाँ पर भाजपा को बेहतर उम्मीदवार तलाशनी होगी वहीं। कुल मिलाकर इन दोनों ही सीटों के दोबारा अस्तित्व में आने के बाद बालाघाट जिले की राजनीति का भी बदला बदला स्वरुप नजर आएगा. वहीं कई नए चेहरे राजनीति की बिसात पर दिखेंगे वहीं कुछ पुराने चेहरों की भी मुख्यधारा की राजनीति में वापसी होगी।

उल्लेखनीय है कि जिले का राजनीतिक इतिहास के आंकड़े बताते हैं कि सन 1972 में, किरनापुर विधानसभा क्षेत्र में कुल 62938 मतदाता थे। कुल वैध मतों की संख्या 32824 थी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उम्मीदवार झंकारसिंह इस सीट से विजयी हुए और विधायक बने। उन्हें कुल 22424 मत प्राप्त हुए। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (खोबरागड़े ग्रुप) के उम्मीदवार योगेशचंद्र 10400 मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। वे 12024 मतों से हार गए।

इसी तरह 1977 में, किरनापुर विधानसभा क्षेत्र में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उम्मीदवार झंकारसिंह चंदनलाल इस सीट से विजयी हुए और विधायक बने। उन्हें कुल 15743 मत मिले। जनता पार्टी के उम्मीदवार भुवनलाल गिरमाजी 9199 मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। वे 6544 मतों से हार गए।

1980 में, किरनापुर विधानसभा क्षेत्र में कुल 72056 मतदाता थे। कुल वैध मतों की संख्या 39770 थी। भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार भुवनलाल गिरमाजी इस सीट से विजयी हुए और वि1धायक बने। उन्हें कुल 17644 मत मिले। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आई) के उम्मीदवार ज़ंजर सिंह चंदनलाल 16038 मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। वे 1606 मतों से हार गए।

1985 में, किरनापुर विधानसभा क्षेत्र में कुल 76301 मतदाता थे। कुल वैध मतों की संख्या 50748 थी। भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार भुवनलाल पारधी इस सीट से विजयी हुए और विधायक बने। उन्हें कुल 15260 मत मिले। निर्दलीय उम्मीदवार लिखीराम काँवरे 14174 मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। वे 1086 मतों से हार गए।

1990 में, किरनापुर विधानसभा क्षेत्र में कुल 95288 मतदाता थे। कुल वैध मतों की संख्या 67567 थी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उम्मीदवार लिखीराम कावरे इस सीट से पुनः विजयी हुए और विधायक बने। उन्हें कुल 21524 मत मिले। भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार भुवन लाल पारधी 19606 मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। वे 1918 मतों से हार गए।

1993 में, किरनापुर विधानसभा क्षेत्र में कुल 99850 मतदाता थे। कुल वैध मतों की संख्या 77290 थी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उम्मीदवार लिखीराम कावरे इस सीट से विजयी हुए और विधायक बने। उन्हें कुल 27398 मत मिले। क्रांतिकारी समाजवादी मंच की उम्मीदवार अनुभा मुंजारे 23298 मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। वे 4100 मतों से हार गए।

1998 में, किरनापुर विधानसभा क्षेत्र में कुल 105297 मतदाता थे। कुल वैध मतों की संख्या 80191 थी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उम्मीदवार लिखीराम कावरे इस सीट से विजयी हुए और विधायक बने। उन्हें कुल 37723 मत मिले। जनता पार्टी की उम्मीदवार अनुभा मुंजारे 19986 मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। वे 17737 मतों से हार गईं।

2003 में, किरनापुर विधानसभा क्षेत्र में कुल 117917 मतदाता थे। कुल वैध मतों की संख्या 91185 थी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पुष्पलता लिखीराम कावरे इस सीट से विजयी हुईं और विधायक बने । उन्हें कुल 25934 मत प्राप्त हुए। भारतीय जनता पार्टी की श्रीमती लता एलकर कुल 18275 मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। वे 7659 मतों से हार गईं।

(शेष पेज ०२ पर..)

नगर परिषद बैहर में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए दावे आपत्ति प्राप्त करने की कार्यवाही प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नगरीय निकायों की पुनरीक्षित मतदाता सूची तैयार करने के लिए 08 अक्टूबर से दावे आपत्ति प्राप्त करना प्रारंभ कर दिया गया है। नगर परिषद बैहर की मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए प्रारंभिक मतदाता सूची का प्रकाशन 08 अक्टूबर को कार्यालय नगर परिषद भवन में अनुविभागीय अधिकारी एवं रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नगर परिषद बैहर अर्पित गुप्ता की उपस्थिति में किया गया तथा 08 अक्टूबर से ही मतदाता सूची के दावा आपत्ति की कार्यवाही प्रारंभ की गई जो कि दिनांक 17 अक्टूबर 2025 तक चलेगी। मतदाता सूची में नाम शामिल करने, हटाने या संशोधन संबंधी दावे आपत्ति 17 अक्टूबर को दोपहर 03 बजे तक लिये जाएंगे।

बोले चंकी पांडे डॉक्टर बनना था एक्टर बन गया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मशहूर फिल्म अभिनेता चंकी पांडे 8 अक्टूबर को बालाघाट पहुंचे। उनके साथ मशहूर गायक और कुछ कलाकार भी बॉलीवुड से बालाघाट पहुंचे । यहां उन्होंने बालाघाट के एक स्थानीय संस्थान में प्रेस से चर्चा की , सबसे पहले अभिनेता चंकी पांडे ने बालाघाट की भौगोलिक स्थिति की जानकारी ली और बताया कि उन्हें बालाघाट और यहां के लोग अच्छे लगे उन्होंने कहा कि बालाघाट के आसपास लगा वन बहुत ही सुंदर है। इससे यहां की प्रकृति की सुंदरता का पता चलता है । इसके बाद वह देर रात वारासिवनी के सिविल क्लब में होने वाले लक्की कूपन ड्रा के लिए रवाना हुए। वारासिवनी में प्रतिवर्ष नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब द्वारा लक्की कूपन ड्रा का आयोजन किया जाता है, इस बार भी 8 अक्टूबर की रात्रि में समिति द्वारा लक्की कूपन ड्रा का आयोजन किया गया, जिसमें समिति द्वारा बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता चंकी पांडे और गायक साज भट्ट और दीक्षा टूर को आमंत्रित किया गया। जिसमें 8 अक्टूबर की शाम अभिनेता चंकी पांडे ने बालाघाट के स्थानीय संस्थान में मीडिया से चर्चा की और बताया कि उन्होंने 23 वर्ष की उम्र में फिल्मों में कदम रखा था , लगातार उन्होंने अपनी एक से बढ़कर एक हिट फिल्में देते गए ,उसके बाद उनकी बेटी अनन्या पांडे ने भी बॉलीवुड की दुनिया में कदम रखा ,जबकि अभिनेता चंकी पांडे डॉक्टर के बेटे थे और उनका सपना एक डॉक्टर बनना था, किंतु वह डॉक्टर ना बनते हुए फिल्मी दुनिया में अपना करियर बनाते हुए आगे बढ़ते चले गए । उन्होंने लगभग 80 से अधिक फिल्में अभी तक की है और 100 से अधिक फिल्म करने का उनका उन्होंने लक्ष्य बनाया है, उन्होंने यह भी बताया कि विश्वात्मा, आंखें, हाउसफुल और अन्य हाउसफुल की फिल्में की है । जिसमें उनकी पहली फिल्म आज ही आग थी । उन्होंने यह भी बताया की फिल्म इंडस्ट्रीज में कब किसे कौन सा काम मिल जाए और उसकी किस्मत चमक जाए। यह कहा नहीं जाता और इसी तरह उन्हें भी अचानक से काम मिला और उन्होंने अभिनय की दुनिया में अपना कदम रखते हुए अभिनेता बन गए। उनके साथ फि ल्म वार 2 के सभी गीतों को गाने वाले साज भट्ट और दो वर्ष पहले इंडियन आइडल की विनर दीक्षा टूर भी बालाघाट पहुंची और उन्होंने चर्चा में बताया कि वह समिति अध्यक्ष संजयसिंह के निमंत्रण पर आज वह बालाघाट पहुंचे हैं और रात्रि कार्यक्रम में वह अपनी प्रस्तुति देंगे, उन्हें बालाघाट आकर बहुत अच्छा लगा ,बालाघाट के लोग और यहां होने वाले कार्यक्रम आयोजन उन्हें बहुत अच्छे लगते हैं ।

तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सामने चल रही मोटरसाइकिल से टकराई-दो घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर रोड भरवेली और हीरापुर के बीच तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने सामने चल रही मोटरसाइकिल के पीछे टकरा गई इस दुर्घटना में दोनों मोटरसाइकिल में सवार एक युवक सहित दो लोग घायल हो गए दोनों घायल संतोष पिता हंस लाल पतले 41 वर्ष ग्राम थाने गांव थाना वारासिवनी और योगेश पिता मन्नू लाल लिल्हारे 22 वर्ष वार्ड नं 7 भरवेली निवासी है। दोनों को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार योगेश लिल्हारे मजदूरी करता है और वह शराब पीने का आदी है। 8 अक्टूबर को 12:30 बजे करीब जब संतोष पटले मोटरसाइकिल में पौनी मलाजखंड जाने के लिए निकले। भरवेली और हीरापुर के बीच योगेश लिल्हारे जो शराब के नशे में था वह तेज रफ्तार से अपनी मोटरसाइकिल चलाते हुए बैहर रोड तरफ जा रहा था तभी उसकी मोटरसाइकिल संतोष पटले की मोटरसाइकिल से पीछे टकरा गई। इस दुर्घटना में योगेश लिल्हारे और संतोष पटले दोनों मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। दोनों घायल को डायल 112 से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है।

गुमशुदा की तलाश

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मुकेश उर्फ दुक्कू जयसवाल 51 वर्ष न्यू हाउसिंग बोर्ड कालोनी प्रेम नगर बालाघाट (म.प्र.)निवासी है। यह व्यक्ति 5 अक्टूबर की सुबह से अपने घर से लापता है। जिस किसी सज्जन को मिले वे, इस पते पर सूचित करें। सूचना देने वाले सज्जन को पांच हजार रूपये कि राशि इनाम मे दी जायेगी।

पता-एम. आई. जी.101 हॉउसइंग बोर्ड कालोनी प्रेम नगर बालाघाट (म. प्र.)

मोबाइल नंबर 9691128196, 8435408808

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, प्रधान संपादक - उमेश बागरेचा, मो.नं. - 9425138710, स्थानीय संपादक - विपिन बिहारी शांडिल्य, रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट